हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

6 सितम्बर, 1984

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 6 सितम्बर, 1984

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित	(4)28

प्र नों के लिखित उत्तर	
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(4)33
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव	(4)33
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– जिला फरीदाबाद के होड़ल नगर में प्रदूशित तथा निशिध पेय जल सप्लाई सम्बंधी	(4)37
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा	(4)38
वाक आउट	(4)70
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)70
बैठक का समय बढ़ाना	(4)73
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)73
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (1) श्री निर्मल सिंह द्वारा (2) परिहवन राज्य मंत्री द्वारा	 (4)77 (4)78

(3) सहकारिता तथा डेरी विकास मंत्री द्वारा	(4)80
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)82
नेमिंग आफ मैम्बर/बैठक का स्थान	(4)88
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)89
नेम किए गए मैम्बर को वापस बुलाना	(4)90
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)90
बैठक का समय बढ़ाना	(4)96
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)96
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा	(4)104
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर मतदान	(4)105

हरियाणा विधान सभा,

वीरवार, 6 सितम्बर, 1984

विधानसभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वै चन्ज होंगे। श्रीमती बसन्ती देवी।

तारांकित प्र न सं0 769

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्या, श्रीमती बसन्ती देवी सदन में उपस्थित नहीं थीं।

Purchase of plants by Forest Department

***532 Prof. Sampat Singh:** Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state-

(a) whether the Forest Department purchased any plants from any source outside the State during the years 1983-84 and 1984-85; and

(b) if so, the names of the States from which and the Agency through which the purchase thereof was made togetherwith the names of the plants purchased and quantity thereof ?

Minister of State for Revenue (Sh. Lachman Dass Arora):

(a) Yes, Sir.

(b) The information is laid on the Table of the House (Annexrue 'A").

Annexure-A

Ornamental and fruit plants etc. were purchased from the State or Uttar Pradesh, Union Territory of Delhi, Union Territory of Chandigarh and Maharast through Govenment and other sources. In 1983-84, 158555 plants and in 1984-85 (upto 31-7-84) 62852 plants were purchase. The names of the plants are Mango, Bael, Harar, Ritha, Putranjiva, Kigelia, Rubber, Boganvillie, Sangwan, Kadam, Tun, Imli, Poplar Stumps, Barh, Silverolk and Ajrjun.

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि वे कौन कौन से सोसिर्ज और स्टेटैस हैं जिनके थ्रूग इन्होंने प्लांटस खरी हैं और किसी कीमत पर खरीदे ? इसके इलावा ये भी बतायें कि ये प्लांटस महकमे ने खरीदे या बोर्ड ने खरीदे ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः सर, प्राइवेट नर्सरीज जिनसे खरीदे गये, उने नाम ये हैं: एल0आर0 ब्रदर्ज रेलवे रोड, सहारनपुर (यू0पी0) मिहत नर्सरी, चकराता रोड़ सहारनपुर (यू0पी) और मैसर्ज मुकन्द एण्ड अंजक, नर्सरी, चकराता रोड, सहारनपुर। इसके अलावा सरकार नर्सरीज जिनसे प्लांटस खरीदे गये, वह हैं महाराश्ट्र, यू0पी0, दिल्ली और चण्डीगढ़ की। प्राइवेट नर्सरीज से 1983–84 में कुल 8526 प्लांटस खरीदे गये जिनकी कीमत 26858 रूपये थी। आम तौर पर जो पौधे हम प्राइवेट नर्सरीज से खरीदते हैं उनकी कीमत 2 रूपये से 5 रूपये के बीच में होती है। जो हमने गवर्नमैंट नर्सरीज से 150029 पौधे खरीदे हैं उनकी कीमत 19555 रूपये है। इनमें ज्यादातर सांगवान की कलमें खरीदते हैं जिनकी कीमत सिर्फ 10 पैसे होती है।

डा0 भीम सिंह दहियाः मैं यह जानना चाहता हूं कि ये जो प्लांटस खरीदे गये हैं, चाहे वे प्राईवेट नर्सरीज से खरीदे हैं या गवर्नमैंट नर्सरीज से डिपार्टमैंट ने या बोर्ड ने खुद खरीदे हैं या किसी एजेंसी के थ्रू खरीदे हैं ? अगर किसी एजेंसी के थ्रू खरीदे हैं तो उसको क्या कमी ान दिया गया है उसका डिफरैंस इन प्रर्इमस क्या है ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, यह डिपार्टमैंट ने खुद खरीदे हैं। किसी एजेंसी की मारफत नहीं खरीदे हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः बोगांविलिया भी क्या हरियाणा में नहीं मिलता ? जहां तक बोगांविलिया का सवाल है, यह तो हमारे यहां काफी है।

श्री लछमन दास अरोड़ाः सर, बोगांविलिया की बहुत सी किस्में हैं। इसमें अच्छी से अच्छी किस्में बाहर से हम लाते हैं। उनको खरीद का उनकी कलमें खुद तैयार करके आगे लगानी भाुरू की हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय न यह कहा है कि वे प्राइवेट नर्सरीज से 2 से लेकर 5 रूपये तक के पौधे खरीदते हैं। जब आप इन पौधों को आगे बेचोगे तो किस भाव पर बेचोगे ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जहां तक आगे बेचने का सवाल है, इसके लिये हम अपनी प्रोडक ान तैयार कर रहे हैं। उसके बाद जैसे हमारे पौधे होंगे, उसके हिसाब से हम भाव का फैसला करेंगे।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, राजस्व राज्य मंत्री महोदय ने बताया है कि ये पौधे खरीदते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो पौधे सड़कों के किनारे लगे हुए हैं, उनमें ही आग लगी हुई है। क्या उनको बचाने का कोई प्रोग्राम हैं या नहीं। जिस सडक पर भी जायें उसके किनारों पर पौधों में आग लगी हुई है।

श्री लछमन दास अरोड़ाः सर, वर्शा लेट होने की वजह से जो छोटे पौधे थे, उनका डैमेज हो गया है, हम उनकी रिप्लेसमैंट कर रहे हैं

श्री हरिचन्द हुड्डाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कि ये फलदार पौधे भी खरीदते हैं। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जो आप जंगलों में फलदार पौधे लगा रहे हैं जैसे आम वगैरा उसकी क्या यूटिलिटी होगी ? (व्यवधान व भाोर)

श्री लछमन दास अरोड़ाः मेरे माननीय साथी ने जो सवाल किया है, वह फारैस्ट का सवाल है। मैं उन्हें यह बताना चाहता हूं कि मैंने ही यह आर्डज दिये हैं कि आम, बेरी और भाहतूम के या दूसरे फलदार पेड वहा ंपर लगाये जाएं। किसी कौ अगर ये फल मिल जायें तो क्या हर्ज है।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहताच हूं कि इनको जो दूसरी स्टेटस में पौधे खरीदने के लिये जाना पडा है, उसके लिए मंत्री महोदय/चेयरमैन, फारैस्ट बोर्ड खुद गये थे या किसी स्पे ालिस्ट को भेजा गया था ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः इसके लिए तो हमारे कर्मचारी गये हैं, जिनको इस चीज का भलीभांति पता है और सूझबूझ हैं

श्री भले रामः मैं मंत्रीद महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस साल कुल कितनी प्लांटे ान करने का टार्गेट फिक्स किया हुआ है ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः सर, इस साल हम 10 करोड 12 लाख पौधे लगा रहे हैं।

Declaration of Jagadhri a District

***759 Ch. Roshan Lal Arya:** Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to declare Jagadhari as a separate district; and

(b) if so, the time by which the aforresaid proposal is likely to materialize ?

Minister of State for Revenue (Sh. Lachman Dass Arora):

(a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

चौधरी रो ाचन लाल आर्यः स्पीकर साहब, जगाधरी को जिला बनाने की मांग बहुत पुरानी है। क्या इस बारे में कोई रिर्पेजैंटे ान सरकार को मिला है और क्या सरकार बतायेगी कि

डिस्ट्रिक्ट लैवल के आफिसिज वहां पर होने के कारण जिला बनाने का उसका अधिकार बनता है या नहीं ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जहां तक जिला बनाने की बात का सवाल है उसके लिये जगाधीर, कैथल और रिवाड़ी की मांग आयी हुई है। इसके लिये पिछले दिनों एक मीटिंग हुई थी जिसमें यह फैसला किया गया था कि इन तीनों जगहों की आबादी बहुत कम है और अगर हम इनको जिला बना दैंगे तो जिन जिलों में अब ये हैं, उनकी आबादी और वैल्यू भी घट जायेगी।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष जी, मंत्री महोदन ने, रिवाड़ी को जिला बनाने के लिए मांग आयी है, यह बताया है और विचार भी किया है। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि रिवाड़ी को जिला बनाने की बात को कब तक स्वीकार कर लेंगे ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जब नौर्म्ज के मुताबिक आबादी बढ जायेगी और सरकार चैक अप कर लेगी और यह ठीक समझेगी कि यह सब भार्तें पूरी करता है तो हम इसको जिला बना देंगे।

चौधरी धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, अगर हरियाणा के सभी भाहरों से ऐसी मांग आती रही तो कहां तक सरकार जिल बनाती जाएगी। जैसे अब 12 जिले हैं, 15–20 कोई हद तो होनी

चाहिये। क्या कोई इस बारे में सीमा तय भी करेंगे या यों ही बढ़ाते चले जाएंगे ?

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, मैंने आपके माध्यम से पहले ही बताया है कि जब तक कोई एरिया सारी बातें पूरी नहीं करता तब तक जिला नहीं बनाया जा सकता।

श्री रामबिलास भार्मा: इन्होंने यह कहा कि अगर ठीक समझेंगे तो रिवाडद्यभ को जिला बना देंगे। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि कौन ठीक समझेगा, राव इन्द्रजीत सिंह या कर्नल राम सिंह या मिनिस्टर महोदय, खुद ठीक समझेंगे। ..... (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्ष: इसका जवाब आ चुका है।

Ujjina Diversion Drain

***799 Smt. Chandravati:** Will the Minister of State for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the first estimated expenditure of Ujjina Diversion Drain togetherwith the date on which work thereon was started an the present stage of the said work;

(b) the amount spent soi far on the work reffered to in part (a) above togetherwith the amount likely to be spent thereon;

(c) whether it is a fact that the above said drain is non functional at present and the water thereof is being utilized for irrigation purpose;

(d) whether it is also a fact that dirty/polluted water of drains of Gurgaon on district and Faridabad or of the factories of Faridabad is being discharged into the Ujjinia Divesion Drain; and

(e) if the reply to part (a) and (b) above be in the affirmative whether any fields, irrigated through the above said drain, have been rendered unfit for cultivation on account of dirty/polluted water, if so, details thereof ?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):

(a) (i) 23.57 crores.

(ii) The work was started in January 1978.

(iii) All works are completed except residual work of completing two bridges, lowering of the drain bed in the outfall reach and fixing of gates and its head.

(b) The amount spent so far is 22 crores and a further amount of about 2.0 crores is yet to be spent.

(c) No, the drain is functioning, However, some farmers lift water from this drain and do irrigation

(d) No.

(e) Does not arise.

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब, इसका जो पुराना एस्टीमेट था, वह दो करोड़ रूपये का था। (व्यवधान व भाोर) जनाब, आप खुद देखी लीजिये, मेरे पास जो रिप्लाई आया है, उसमें कितना गलत लिखा हुआ है और यदि आप चाहें तो मैं आप को दिखा सकती हूं।

श्री अध्यक्षः मुझे दिखाने की जरूरत नहीं है, जो जवाब में लिखा हुआ है आप वह पढिये

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं आपको यह दिखाना चाहती हूं कि इसमें क्या लिखा हुआ है। इसमें 23.57 करोड़ का एस्टीमेट लिखा हुआहै।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः मैं भी तो यही कह रहा हूं। (व्यवधान व भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि इस ड्रेन काचे बनाने का प्रथम एस्टीमेट दो करोड़ रूपए का था ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, 1975 से 1977तक जब हैवी फल्डज आए तो उस वक्त सरकार ने फैसला किया कि इसके लिये उजीना डाईव र्न ड्रेन बनाई जाएं 1974 में हरियाणा स्टेट के फल्ड कंट्रोल बोर्ड ने अपनी चौदहवीं मीटिंग में यह स्कीम पास की ओर 31.67 करोड रूपये का एस्टीमेट ऐप्रूव यिका। सैंट्रल गवर्नमैंट सैंट्रल वाटर कमि ान, प्लानिंग कमि ान

और हरियाणा गवर्नमैंट की कम्बाइंड टीम ने इसको ऐप्रूव किया था। 23.57 करोड उजीना डाईव र्न ड्रेन को और बाकी का रूपया चन्देनी ड्रेन और नूंह ड्रेन के लिए था।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मैंने यह पूछा था कि क्या यह सच है कि दो करोड का इसका एस्टीमेट था ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, उजीना डाईव र्न ड्रेन अलग है और उजीना ड्रेन अलग है। ये दोनों ड्रेन्ज अलग अलग हैं।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब तो नहीं आया है।

श्री अध्यक्ष: आप करैक्ट क्वै चन पूछिए।

श्रीमती चन्द्रावती: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसका पहले दो करोड का एस्टीमेट था या नहीं ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला: यह गलत है। भ्राुय से ही यही एस्टीमेट था।

श्री मंगल सैन: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उजीना डाईव र्न ड्रेन का प्राईमरी स्टेज पर क्या एस्टीमेट था, क्या डयूरे ान थी, मतलब यह है कि कितने समय में यह पूरी होनी थी और जो दूसरी ड्रेन्ज इसके साथ जोड रहे हैं उनका कितना एस्टीमेट था ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मैं फिर बता देता हूं। 1977 में हैवी फल्डिंग के वक्त हरियाणा सरकार ने यह फैसला किया कि उजीना ड्रैन जो पुरानी उजीना ड्रेन है जो राजस्थान से होकर गावेर्धन ड्रेन और यू0पी0 के पार्टस से होकर हरियाणा में आती है और यह तबाही करती है, इस तबाही काचे कम करने के लिए एक सप्लीमैंटरी अर्थात आलटरनेटिव ड्रेन बनाई जाए। उजीना डाईव र्न ड्रेन बनाने का फैसला उस वक्त किया गया जब मंगल सैन जी और वीरेन्द्र सिंह मंत्री थे और लीडर आफ दि अपोजी ान पालियामैंट की मैंबर थीं। 1978 में हरियाणा फल्ड कंट्रोल बोर्ड की चौदहवीं मीटिंग में इस स्कीम को एप्रूव किया गया। 31.67 करोड रूपए का एक प्राजेक्ट सैंट्रल गवर्नमैंट, प्लानिंग बोर्ड, सैंटर्ल वाटर कमि ान और हरियाणा सरकार की कम्बाइंड टीम ने एप्रूव किया। इस में 23.57 कराडे रूपया अकेल उजीना डाइर्वान ड्रेन के लिए था और जो बाकी का रूपया था वह नूंह ड्रेन और चन्देनी ड्रेन के लिए था। दो करोड रूपए से बढाकर उइसके 23.57 करोड रूपया नहीं किया। ऐसा कहना बिल्कुल गलत है। इसके लिए कोई डयूरे ान मुकर्रर नहीं थी।

डा0 भीम सिंह दहियाः क्या मंत्री महोदय बताने कृपा करेंगे कि उजीना ड्राइव र्न ड्रेन को बनाने का कौन्ट्रेक्ट जो दिया गया, उस कौन्ट्रैक्ट की क्या टर्म थी कि यह काम कब तक खत्म होगा ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह बाईस तेईस करोड का प्रौजेक्ट था और काफी बडा प्रोजैकट है। यह 1978–79 में बनना भाुरू हुआ था। 1980–81 में इसने कुछ पानी लेना भाुरू कर दिया। इसके बाद इसको जीरो रीच से आउट फाली रीच तक इस साल तीन तीन फुट गहरा किया है ताकि यह 2800 क्यूसिक्स पानी ले सके। जहां तक इस बात का सवाल है कि ठेकेदार कौन था इसके बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि इन्होंने क्वै चन में पूछा ही नहीं था।

डा0 भीम सिंह दहियाः ठेका तो किसी को दिया होगा ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, ठेके बारे में मेन सवाल पूछा ही नहीं गया। मुझे बतलाने में कोई एतराज नहीं है। मैं कोई बात कंसील नहीं करना चाहता। हमारे मन में कोई काली बात नहीं है अगर आप चाहे तो मैं कल ठेकदारों के नाम बताने के लिए तैयार हूं लेकिन इस सवाल में ठेकेदारों के नाम पूछे नहीं गये थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप मेरी बात सुनिए। यह डिपार्टमैंट मेरे पास भी रहा है। मेरे ख्याल से इस काम में ठेकेदार नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मंत्री महोदय ने सवाल के पार्ट ए के जवाब में यह भी कहा है :–

'(iii) All works are completed except residual work of completing two bridges, lowering of the drain bed in the outfall reach and fixing of gates and its head".

and in part (c) the reply is :-

"NO, the drain is functioning ....."

इसका मतलब यह है कि काम अभी कम्पलीट नहीं हुआ और ड्रेन की प्रोपर फंक ांनिग नहीं हो रही है। लेकिन आगे इन्होंनें कह दिया कि ड्रेन फंक न कर रही है। ये दोनो कन्ट्राडिकटरी बातें हैं। मंत्री जी इसके बारे में ऐक्सप्लेन करें और यह भी बताएं कि बैड की लोअरिंग का काम और ब्रिजिज का काम कब तक कम्पलीट हो जायेगा ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, इस ड्रेन की आफ टेक कैपेसिटी 1800 क्यूसिक्स की है और आउट फाल की कैपेसिटी 2800 क्यूसिक्स की है। जीरो से तेरह किलोमीटर तक इसका बैड दो फुट से लेकर9 साढे तीन फुट डिजाइन लैवल से ऊंचा कर दिया था इसलिए पिछले साल जब फलड आया तो इसने एक हजार क्यूसिक पानी ही लिया पूरा पानी नहीं लिया। इस साल इसका बैड लैलव तीन फुट नीचा कर दिया है जो कि डिजइन के मुताबिक है और अब ये पूरा पानी ले रही है। दूसरवी बात ब्रिजिज के बारे में कही गई हैं स्पीकर साहब, ब्रिजिज वगैरह भी बन रहे हैं और उन पर काम चल रहा है।

श्री हरिचन्द हुड्डा: स्पीकर साहब, आपके द्वारा में मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि यह जो स्कीम हैं यह दरअसल ड्रेन नं0 8 का पानी निकालने के लिए थी। उस पानी को गोवधन ड्रैन में डालने के लिये 1983 में एक प्रोजैक्ट बनाया गया था। इन्हौंने कहा कि उजीना डाइव र्न ड्रेन ने एक हजार क्यूसिक्स पानी लिया हैं अगर यह इतना पानी लेती तो 1983 के अंदर झज्जर और रोहतक के एरियसाज के अंदर एक महीने ते पानी न खडा रहता बल्कि वह पानी एक हफ्ते में खरिज हो जाता। मेरे ख्याल मैं इस ड्रेन नं 5–6सौ क्यूसिक्स पानी लिया होगां दूसरे जो ड्रेन्ज बनाने के लिए 31 करोड रूपया रखा गया था उसमें से काफी पैसा तो ठेकदार लोग खुदाई के अंदर खा गए। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: ठेकेदार इसमें कहां आ गयो आप सवाल पूछें।

श्री हरि चन्द हुड्डा: मैं यही कहना चाहता हूं कि इन्होंने जो यह कहा कि इस ड्रेन ने एक हजार कयूसिक्स पानी लिया, वह गलत हें अगर यह ड्रैन इतना पानी लेती तो रोहतक और झज्जर के एरियाज में एक महीने तक पानी न खडा रहात बल्कि एक हफ्ते में ही साफ हो जाता।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मेरे दोस्त की काबलियत पर हमें दाद देनी चाहिए। ये हरियाणा के जुगराफिए को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं ड्रेन नं0 8 का पानी

उजीना डाइव झन ड्रे में भेज रहे हैं। मैं इसका क्या जवाब दूं। मैं आपके द्वारा इनको यही रिकवैस्ट कर सकता हूं कि ये कृपया थोडा पढ लिया करें।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः मैं मंत्री जी से जाना चाहता हूं कि किसान ड्रेन्ज का पानी सिंचाई के लिए इस्तेमाल करते थे, उसका जो टैक्स सरकार ने माफ कर दिया है, वह टोटल कितना टैकस बनता है ?

श्री अध्यक्षः यह टैक्स के बारेम में क्वै चन नही है। आप कृपया बैठें।

चौधरी तय्यब हुसैनः स्पीकर साहब, वजीर साहब ने बताया कि पिछले साल इस ड्रेन ने फंक ांन किया और इसमें एक हजार क्यूसिकस पानी गया। यह बिल्कुल गलत बयानी है और यह हाउस को मिस लीड कर रहे हैं वहा ंपर इनके चीफ इंजीनियर राव बीरेन्द्र सिंह, चौधरी रहीम खां सभी लोग गये थे। मौके पर यसब ने देखा। एक क्यूसिक पानी भी इस ड्रेम में नही चल रहा था। यह कहना कि 1983 में इसमे ंएक हजार क्यूसिकस पानी चलाच है यह बिल्कुल गलत है। मेरा कहना तो यह है कि यह ड्रेयन आज भी फंक ान नहीं कर रही है।

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछें

चौधरी तय्यब हुसैनः मैं यह जानना चाहता हें कि यह इस ड्रेन को सही तौर पर कब चालू कर पाएंगे ? दूसरे यह है कि

इसका जो भुरू का यानी 1976–77 का ओरजिनल एस्टीमेट था वह कितना था ? जिन किसनों की जमीन इसके लियें एक्वायर की गई थी उनको अभी तक भी मुआवजा क्यों नहीं दिया गया है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, 1976 में तो इस ड्रेन को बनाने की चच्र ही नहीं थी तो एस्टीमैटस कहां से बन गए। मैंने यह बात बताई है कि 1976 की फलडींग के बाद 1978 में सरकार ने फैसला लिया कि यह प्रोजैक्ट बनाए। 1978 में चौदहवीं मीटिंग में यह पास हुआ। दुसरी बात जो इन्होंने फरमाई कि इस ड्रेन ने काई पानी नहीं लिया। इसके बारे में अर्ज है कि 2800 क्यूसिकसए डिजइन कैपेसिटी के अगेंस्ट इसने एक हजार क्यूसिकस पानी लिया जो कि बहुत कम है। इस साल हमने ड्रेग लाइन करके एक साइड का पूरा बैड 3–3 फुट नीचे कर दिया है। इस साल अभी फल्ड नहीं आया अगर आया तो यह ड्रैन पूरा पानी लेगीं

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, क्या सरकार इंक्वायरी करवाने के लिया तैयार है ? जनाब इस बारे में हाउस के दोनों तरफ के एम0एल0एज0 की डियूटी लगाएं और वे देखें कि उजीना डाइव र्ान ड्रेन काम कर रही है या नहीं। यह ड्रैन बिल्कुल फंक ान नहीं कर रही है। मैं इनकी इस बात को चैलेंज करती हूं कि इस ड्रेन ने एक हजार क्यूसिकस पानी लिया है मेरा कहना है कि यह फंक ान भी नहीं कर रही है।

श्री अध्यक्षः इस सवाल का जवाब दो बार आ चुका है और यह रिपिटिंग क्वै चन हें इन्होंने दो बार कहा है इसमें पानी चल रहा है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मैं डेट बता देता हूं। फिर ये इंक्वायर कर लें। (व्यवधान व भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, ये 28 करोड रूपया खा गए हैं, इसकी इंक्वायरी करवाई जाएं इस ड्रेन ने बिल्कुल पानी नहीं लिया। (ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जहां तक इस बात का सवाल है कि इस ड्रेन ने पानी नहीं लिया इसके बारे में मैं बताना चाहता हूं। इसमें 27.8.83 को 1924 क्यूसिक्स पानी का डिस्चार्ज था और 15.9.83 को 1070 क्यूसिक्स पानी का डिस्चार्ज था। इस सासल हमने एक साई की डिजाइन कैपेसिटी मुकम्मल कर दी है। जहां तक रूपये खाने की बात है मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि गाली गलोच की भाशा किसी की नौले का एबस्टीच्यूट नहीं हो सकतीं नौलेज का सबस्टीच्यूट तो नौलेज ही है। अगर ये गाली दैकर कहेंगे तो क्या इससे ड्रेन की कैपेसिटी पूरी हो जाएगी ? (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, ये गाली गलोच की बात कर रहे हैं अगर मेरा एक भी भाब्द अन पार्लियामैंटरी हो तो बआप बताए।

श्री अध्यक्षः मुझे बडा दुख हो रहा है कि हम हाउस का टाइम वेस्ट कर रहै हैं। आप प्रोसीडिंग्ज देखी लीजिये बार बार वही सवाल और वही जवाब हो रहे हैं। वे कह रहे हैं कि एक हजार क्यूसिकस पानी का डिस्चार्ज हुआ है आप फिर भी वही बात बार बार पूछ रही हैं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि यह जो डाइव ्रन ड्रेन है या हरियाणा में और दूसरी जो डेन्ज हैं उनमें जब बरसात में पानी चलता है तो फारमज्र अपने पम्पिंग सैटस लगा कर अपने खेतों में पानी ले लेते हैं। हरियाणा सरकार क्या इसके लिये उनसे कोई चार्ज करती है ? अगर करती है तो क्या आयंदा के लिए ऐसी पालिसी बनाएंगे कि वे चार्जिज माफ कर दिए जाएं ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः पहले सरकार चार्ज करती थी लेकिन एक महीना पहले कैबिनिट की मीटिंग हुई थी। उसमें यह फैसला लिया गया कि किसान अपने पम्पों से पानी उठा सकते हैं और उनसे कुछ चार्ज नहीं किया जाएगा।

Arrangemnets for Pace Makers and Raddiotherapy ini the Hospitals

***765. Ch. Kulbir Singh Malik:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether the facility of pace makers is available for heart partients at the district level Civil Hospitals in the State; if so, the number of such hospitals;

(b) whether the posts of heart specialist exist at the district headquarters in the Stage;

(c) if not, whether therer is any proposal under consideration of the government to creat the post of Heart Specialists at the district headquarters; is fop, the time by which the said proposal is likely to materialise;

(d) the number of hospitals, if any, in the State where cancer radiotherapy facility is available;

(e) the district wise number of vehicles in the Health Department togetherwith the number out of them lying out of order at present alongwith the date/deates of their having remained as such; and

(f) whether any new vehicles were purchased by the Health Department during 1982-83 nad 1983-84; fi so, the number thereof, amount spent on the purchase thereof and the date/dates of their purchase ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) नहीं।

(ख) नहीं।

(ग) हां। हिसार तथा भिवानी में एक एक इंटेसिव कार्डीयक केयर यूनिट जसमें एक हृदय रोग वि ोशज्ञ होगउ,

स्थापि करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। यह प्रस्ताव कब तक स्वीकृत हो जायेगा नि चत रूप से नहीं कहा जा सकता, क्येांकि यह साधानों की उपलब्धि पर निर्भर करता है। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान इस योजना का विस्तार राज्य के बाकी जिलों में करने की संभावना हे।

(घ) एक चिक्तिसा महाविद्यालय रोहतक का अस्पताल।

(ड़) विवरणी सदन के पटल पर रखी जाती है – अनुलग्नक –1

(च) विवरणी सदन के पटल पर रखी जाती है – अनुलग्नक –2

अनुलग्नक –1

जिलावार स्वास्थ्य विभाग में गाड़ियों की संख्या

क्र0 सं0	जिला का नाम	कुल गाड़िया	इनमें से कितनी हालत में नहीं हैं	जो गाड़िया चालू हालत में नहीं हैं उनका पूर्ण विवरण	तिथि जब से गाड़ी चालू हालत में नहीं है	टिप्पणी
1	अम्बाला	31	10	1–एच0आर0ए0 122	1972	इनको कण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बोर कार्यवाही की जा रही है।
				2–पी0एन0आर0 4015	1973	यथोपरि
				3–एच0आर0ए0 1802	1983	यथोपरि

				4—पी0एन0यू0 1834	1981	यथोपरि
				5 पी0एन0आर0 785	1982	यथोपरि
				6— एच0आर0इ0 1210	1982	यथोपरि
				7—पी0यू0ए0 5286	1982	यथोपरि
				8— पी0एन0यू0 6671	1974	यथोपरि
				9— एच0आर0ए0 9967	1983	यथोपरि
				10—एच0आर0ए0 4966	1982	बड़ी मुरम्मत के लिए
2	भिवानी	34	10	1—एच0आर0एच0 9488	1978	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।

				2—एच0आर0बी0 6650	1979	यथोपरि
				3—एच0आर0एच0 6670	1982	यथोपरि
				4— एच0आर0एच0 6647	1982	यथोपरि
				5—एच0वाई0बी0 1028	1982	यथोपरि
				6—एच0आर0बी0 8295	1982	यथोपरि
				7—एच0आर0एच0 348	1981	यथोपरि
				8—एच0आर0बी0 6554	1983	यथोपरि
				9—एच0आर0आर0	1982	यथोपरि

				3463		
				10—एच0आर0वी0 469	1983	बड़ी मुरम्मत के लिए।
3	फरीदाबाद	22	8	1—एच0आर0जी0 4317	1982	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				2—एच0आर0जी0 4055	1982	यथोपरि
				3—एच0आर0जी01053	1984	कैण्डम घोशित करने बारेकार्यवाही अधीन है।
				4—एच0आर0जी0 2768	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।

				5–एच0आर0जी0 4316	1982	यथापरि
				6–डी0एल0वी0 6571	1983	यथोपरि
				7–एच0आर0यू0 9035	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए
				8–एच0आर0जी0 684	1983	यथोपरि
4	गुड़गांव	36	15	1.एच0आर0जी0 1054	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				2. एच0आर0जी0 4324	1982	यथोपरि
				3. एच0आर0जी0 4318	1982	यथोपरि
				4. एच0आर0जी0	1977	यथोपरि

				4047		
				5. एच0आर0जी0 2810	1983	यथोपरि
				6. एच0आर0जी0 4345	1984	यथोपरि
				7. एच0आर0जी0 2767	1978	यथोपरि
				8. पी0एन0जी0 2591	1978	यथोपरि
				9. एच0आर0जी0 1357	1978	यथोपरि
				10. पी0एन0यू0 8185	1978	यथोपरि
				11. पी0एन0ई0 3732	1983	यथोपरि
				12. पी0एन0के0 892	1983	यथोपरि

				13. सी0एच0 438	1976	यथोपरि
				14. एच0आर0जी0 118	1983	यथोपरि
				15. एच0आर0जी0 4152	1983	यथोपरि
5	हिसार	38	18	1. एच0आर0बी0 8767	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				2. पी0एन0डब्ल्यू0 4181	1983	यथोपरि
				3. पी0एन0डब्ल्यू0 4179	1983	यथोपरि
				4. एच0आर0एच0 4421	1983	यथोपरि

				5. पी0एन0डब्ल्यू0 2971	1983	यथोपरि
				6. एच0आर0बी0 8553	1983	यथोपरि
				7. एच0आर0बी0 8399	1983	यथोपरि
				8. एच0आर0बी0 8409	1984	यथोपरि
				9. एच0आर0आर0 4922	1984	यथोपरि
				10. एच0आर0एच0 4922	1983	यथोपरि
				11. एच0आर0ए0 119	1979	कण्डम घोशित करने बारे विचाराधीन है।
				12. पी0एन0डब्ल्यू0	1977	यथोपरि

				3915		
				13. एच0आर0ई0 1417	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				14. एच0आर0बी0 4496	1983	यथोपरि
				15. पी0एन0डब्ल्यू0 1417	1983	यथोपरि
				16. एच0आर0बी0 4496	1983	बड़ी मुरम्मत के लिए
				17. एच0आर0बी0 2661	1984	यथोपरि
				18. एच0आर0बी0 4336	1984	यथोपरि

6	जीन्द	27	7	1. एच0आर0जे0 58	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				2. एच0आर0जे0 1122	1983	बड़ी मुरम्मत के लिए
				3. एच0आर0जे0 4711	1983	यथोपरि
				4. एच0आर0जे0 120	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				5. एच0आर0जे0 1003	1983	कण्डम घोशित करने बारे विचाराधीन है।
				6. पी0एन0यू0 5721	1984	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने

						बारे कार्यवाही की जा रही है।
				7. पी0एन0यू0 6669	1984	यथोपरि
7	करनाल	47	26	1. एच0आर0ए0 4732	1982	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				2. एच0आर0डी0 5831	1982	यथोपरि
				3. एच0आर0के0 4939	1982	यथोपरि
				4. सी0एच0 896	1982	यथोपरि
				5. डी0एल0ई0 2346	1982	यथोपरि
				6. पी0एन0के0 1744	1982	यथोपरि

				7. पी0एन0के0 883	1982	यथोपरि
				8. पी0एन0ई0 2643	1982	यथोपरि
				9. एच0आर0डी0 3897	1983	यथोपरि
				10. एच0आर0डी0 4436	1983	यथोपरि
				11. एच0आर0डी0 4069	1983	यथोपरि
				12. एच0आर0डी0 4133	1983	यथोपरि
				13. एच0आर0के0 8261	1983	यथोपरि
				14. एच0आर0के0 116	1982	यथोपरि

				15. सी0एच0 985	1983	यथोपरि
				16. एच0आर0आर0 9436	1983	यथोपरि
				17. पी0एन0के0 3201	1982	यथोपरि
				18. पी0एन0 यू0 8328	1982	यथोपरि
				19. एच0आर0के0 954	1983	यथोपरि
				20. पी0एन0यू0 6376	1983	यथोपरि
				21. एच0आर0के0 2406	1983	यथोपरि
				22. पी0एन0यू0 2610	1983	यथोपरि
				23. पी0एन0यू0 5720	1983	यथोपरि

				24. सी0एच0 386	1983	यथोपरि
				25. पी0एन0के0 2268	1983	बडी़ मुरम्मत के लिए।
				26. एच0आर0के0 860	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
8.	कुरूक्षेत्र	30	16	1. एच0आर0 84	1982	यथोपरि
				2. पी0एन0के0 1883	1982	यथोपरि
				3. एच0आर0के0 4889	1982	यथोपरि
				4. एच0आर0डी0 920	1984	कण्डम घोशित करने बारे विचाराधीन है।
				5. एच0आर0डी0 8190	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए

				6. पी0एन0के0 2550	1974	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				7. पी0एन0डब्ल्यू0 2909	1974	यथोपरि
				8. पी0एन0के0 986	1978	यथोपरि
				9. एच0आर0के0 3311	1976	कण्डम घोशित करने बारे विचाराधीन है।
				10. एच0आर0के0 862	1976	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				11. एच0आर0डी0 788	1981	यथोपरि

				12. एच0आर0डी0 778	1984	यथोपरि
				13. एच0आर0डी0 787	1984	यथोपरि
				14. एच0आर0के0 953	1982	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				15. एच0आर0एल0 3196	1983	कण्डम घोशित करने बारे विचाराधीन है।
				16. एच0आर0डी0 770	1982	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
9	नारनौल	36	10	1. पी0एन0के0 1679	1982	यथोपरि

				2. पी0एन0के0 199	1982	यथोपरि
				3. एच0आर0एम0 256	1981	यथोपरि
				4. एच0आर0एम0 470	1984	यथोपरि
				5. एच0आर0एन0 454	1984	यथोपरि
				6. एच0आर0एन0 469	1984	यथोपरि
				7. एच0आर0एन0 420	1984	यथोपरि
				8. एच0आर0आर0 467	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए
				9. एच0आर0आर0 3734	1984	यथोपरि

				10. एच0आर0एन0 1816	1982	यथोपरि
10	रोहतक	36	7	1. पी0एन0आर0 1798	1982	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				2. पी0एन0ई0 8703	1982	यथोपरि
				3. पी0एन0एम0 195	1982	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				4. पी0एन0आर0 3096	1983	यथोपरि
				5. पी0एन0आर0 2125	1982	यथोपरि

				6. पी0एन0जी0 8034	1984	यथोपरि
				7. पी0एन0आर0 3892	1984	यथोपरि
11	सोनीपत	22	11	1. एच0आर0आर0 1085	1983	यथोपरि
				2. पी0एन0के0 5755	1983	कण्डम करने बारे कार्यवाही विचाराधीन है
				3. एच0आर0के0 1109	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए
				4. एच0आर0एस0 25	1984	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				5. एच0आर0एस0 2422	1983	यथोपरि

				6. एच0आर0एस0 224	1983	यथोपरि
				7. एच0आर0एस0 62	1983	यथोपरि
				8. एच0आर0आर0 2296	1983	यथोपरि
				9. एच0आर0एम0 389	1984	यथोपरि
				10. एच0आर0एस0 192	1983	यथोपरि
				11. एच0आर0एस0 9766	1983	बड़ी मुरम्मत के लिए
12	सिरसा	22	12	1. एच0आर0ई0 1310	1983	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।

				2. एच0आर0ई0 2802	1984	यथोपरि
				3. पी0एन0एम0 4188	1982	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				4. एच0आर0एच0 9201	1982	यथोपरि
				5. एच0आर0बी0 2668	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए
				6. एच0आर0जे0 858	1981	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।
				7. एच0आर0ई0 1111	1982	यथोपरि

				8. एच0आर0जे0 862	1981	यथोपरि
				9. एच0आर0एन0 9677	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए
				10. एच0आर0एन0 9918	1984	यथोपरि
				11. एच0आर0एन0 9928	1984	यथोपरि
				12. एच0आर0बी0 3506	1984	यथोपरि
13	निदे ाालय चण्डीगढ़	25	5	1. एच0वाई0ए0 682	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए
				2. सी0एच0 778	1984	कैण्डम घोशित किया गया है तथा इनको निलाम करने बारे कार्यवाही की जा रही है।

				3. एच0आर0ए0 121	1984	यथोपरि
				4. एच0आर0जी0 2821	1984	यथोपरि
				5. एच0आर0जी0 235	1984	बड़ी मुरम्मत के लिए

अनुलग्नक–2

स्वास्थ्य विभाग हरियाणा की गाड़ियों की खरीद की सूची

वर्श	गाड़ियों की खरीद की संख्या	गाड़ियों की खरीद पर खर्च हुई रा ि ा (रूपयों में)	खरीद की तिथि
1982–83	18	1600146	8/82, 11/82, 1/83, 3/83
1983–84	47	3721805	1/84, 3/84

10.00 बजे।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने सवाल के पार्ट 'ए' में पेसमेकर की फैसिलिटीज देने के बारे में पूछा था। उसका जवाब 'नो' में दिया गया है। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि पेसमेकर की फसिलिटीज क्यों अवेलेबल नहीं है। इसके अलावा मैं यह जानना चाहूंगा कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर हार्ट स्पै ालिस्ट की पोस्ट जो अब तक नहीं है, यह कब तक प्रोवाईड की जाएगी और तीसरी बात मैं यह जानना चाहूंगा कि जो रोहतक मैडीकल कालेज में रेडियोथिरैपी है, उसका फायदा उठाने वाले मरीजों की कितनी ऐवरेज है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अध्यक्ष महोदय, पेसमेकर की फैसिलिटी मैडीकल कालेज रोहतक मैं है। पेसमेकर संयंत्र दो प्रकार के होते हैं। एक तो बाहर लगाया जाता है। और एक आप्रे ान करके बाडी में लगाया जाता है। मैडीकल कालेज रोहतक में केवल बाहर का संयंत्र लगाया हुआ है। बाकी जिलों में जैसे मैंने रिप्लाइ। में बताया है कि दो जिलों में इसी साल में प्रोवाईड करने का विचार है वह भी बाहर का ही संयंत्र होगा और बाकी जिलों में 7वीं पंचवर्शीय योजना के अंत तक प्रोवाईड कर दिए जाएंगे। इसके लिए एक वि ोश प्रकार की ट्रेनिंग होती है, वह ट्रेनिंग हो जाने के बाद दो किस्म का हो जाएगा लेकिन हमारा विचार है कि 7वीं पंचवर्शीय योजना के अंत तक यह फैसिलिटी सारे जिलों में दे देंगं। इसके अलावा माननीय सदस्य ने कैंसर की

बीमारी की बात कही। मैं इनको बताना चाहूंगी कि कैंसर की बीमारी की जानकारी के लिए संयंत्र रोहतक मैडीकल कालेज में है और हम यह चाहते हैं कि उसी संयंत्र का और ज्यादा विस्तार कर लिया जाए तो ज्यादा अच्छा रहेगा। बाकी जिलों में करने का कोई विचार नहीं है क्योंकि इसक लिए खर्चा बहुत ज्यादा आता है।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, यह सवाल दिल की बीमारी से संबंधित है और हैल्थ मिनिस्टर साहिबा इतनी कैलेस क्यों हैं कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर दिल की बीमारी की लाज नहीं करतीं ? (हंसी)

चौधरी कुन्दन लालः स्पीकर साहब, सफीदों सब डिवीजन भी है और उसके नजदीक दो मंडियां भी लगती हैं। सफीदों मैं जो अस्पताल है वह बहुत पुराने समय से है और वह 22 बैड का है। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि क्या उस अस्पताल को बडा बनाया जाएगा। दूसरा सवाल मैं यह जानना चाहूंगा कि उस अस्पताल में जो ऐम्बुलैंस हैं वह ब्लिकुल जाम खडी है, क्या उसकी जगह पर नई एम्बुलैंस का प्रबंध करने पर विचार किया जाएगा क्योंकि मरीजों को लाने और ले जाने में लोगों को बडी भारी दिक्कत का सामना करना पडता है वहां पर मरीजो ंको ले जाने के लिए कोई टैक्सी वगैरह का भी प्रबंध नहीं है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि सफीदों में 30 बैड का अस्पताल कुछ ही दिनों में बन कर तैयार हो जाएगा। हमने उसकी बिल्डिंग को बढाने के लिए पैसा दे दिया हे और इस समय केस एफ0डी0 में आया है। इसके अलावा इन्होंने ऐम्बुलैंस के बारे में कहा कि वहा ंकी ऐम्बुलैंस बिल्कुल जाम खडी है, चल नहीं रही है। मैं इनको बताना चाहूंगी कि अगर ऐसी बात है और वहां पर ऐम्बुलैंस नहीं है, तो जल्दी ही प्रबंध कर दिया जाएगा।

चौधरी फूल चन्दः स्पीकर साहब, अभी थोडी देर पहले राव निहाल सिंह जी ने दिल की बीमारी के बारे मैं सवाल पूछा उसके बारे में तो मैं यही कहूंगा कि उनको पता नहीं किस तरह की दिल की बीमारी है वह तो मंत्री महोदया ही बताएंगी। (हंसी) जो प्राइमरी हैल्थ सैंटर्ज हैं उनके अंदर ऐक्स रे प्लांट का प्रबंध नहीं है। जेसे मुलाना का प्राईमरी हैल्थ सैंटर्ज हैं उसमें ऐकस रे प्लांट नहीं है। लोगों को रेडियोलाजीकल रिपोर्ट के लिए बसों द्वारा सफर करके बहुत दूर दूर जाना पडता है। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि क्या प्राईमारी हैल्थ सैंटर्ज में जल्दी ही ऐक्स रे प्लांट की सुविधा प्रावाईड करने की कृपा करंगी ? क्या मुलाना प्राईरी हैल्थ सैंटर में एक्स रे प्लांट जल्दी ही लगा दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमैंटरी का मेन सवाल से कोई संबंध नहीं है।

श्री ए0सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया ने सरकार की नीतियों को बताते हुए यह कहा कि कार्डीयक अरैस्टके कई कारण हो सकते हैं। यदि साइंटीफिक्ली इसको देखा जाए तो यह पौल्यू ान से होता है। इस बीमारी पर पौल्यू ान का सबसे ज्यादा असर पडता है। पौल्यू ान का सबसे ज्यादा असर फरीदाबाद में हैं क्योंकि वहां पर इंडस्ट्रीज बहुत ज्यादा हैं और वहां का ऐटमोसफियर काफी पौल्यूट रहता है। मैं आपको एक मैडीकल रिपोर्ट बेस पर बता रहा हूं कि कार्डीयक अरैस्ट एक तो प्रौपर ब्लड सर्कुले ान न होने की वजह से हो सकता है और दूसरा पौल्यू ान की वजह से होता है इसके होने के ये दो मेन कारण हैं ऐटमौसफियर की लेटैस्ट रिपोर्ट के बोर में मैंने आपके सामने बताया है। स्पीकर साहब, अभी तक सरकार ने हिसार और भिवानी में एक एक इन्टैन्सिव काड्रीयक केयर यूनिट स्थापित करने का विचार किया है और रोहतक मैडीकल कालेज में आलरेडी है। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि जहां दो कार्डीयक केयर यूनिट स्थापित करेंगे क्या फरीदाबाद में तीसरा यूनिट भी स्थापित करने के लिए विचार किया जाएगा क्योंकि वहां पर पौल्यू ान बहुत ज्यादा होने की वजह से कार्डीयक अरस्ट की बीमारी ज्यादा बढ़ रही है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अध्यक्ष महोदय, मैंने थोडी देर पहले बताया था कि 7वीं पंचवश्रीय योजना के अंदर सभी जिला

स्तर के अस्पतालों में पेसमेकर की सुविधा कर दी जाएगी। 7वीं पंचवर्शीय योजना दूर नहीं, एक साल के बाद भाुरू होगी।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया को बताना चाहूंगा कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज के अस्पतालों में लगभग 165 गाड़ियां बिल्कुल खराब खडी हैं और वे काफी दिनों से बेकार खड़ी हैं मैं आपको भिवानी अस्पताल की ऐम्बुलैंस की हालत के बारे में बताना चाहूंगा कि यदि रात को एक या दो बजे किसी मरीज को रोहतक मैडीकल कालेज में ले जाना पड जाए तो वह एम्बुलैंस धक्के देकर स्टार्ट करनी पडती है या यह कह दिया जाता है कि इसमें बैटरी नहीं है वह ले आओ फिर चलेंगे। मैं आकपे द्वारा मंत्री महोदया से यह जाना चाहता हूं कि स्टेट में जो लेटेस्ट मॉडल की गाड़ियां हैं, उनको ऐम्बुलैंस के लिए इस्तेमाल क्यों नहीं किया जाता ? इसके अलावा यह भी देखने में आया है कि बहुत से गरीब परिवार जो मरीज को देहात से लेकर आते हैं, भगवान ने करे यदि किसी मरीज की मौत हो जाती है तो डैड बोडी को टैक्सी वाले ले जाने से इंकार कर देते हैं और बस में भी नहीं ले जाई जा सकती। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि क्या डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज के अस्पतालों में फ्युनरल वैन प्रोवाइड की जाएगी ताकि डैड बोडी को ले जाने में कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, वैसे तो हर अस्पातल में ऐमरजैंसी के लिए गाडी होती है लैकिन डेड बोडी ले

जाने के लिए अलग से कोई गाडी नहीं है। इसके अलावा मैं बताना चाहूंगी कि जिस गाडी में डैड बौडी चली जाएगी उसमें कोई मरीज आना भी पसन्द नहीं करेगा और न ही दूसरा आदमी बैठना पसन्द करेगा। इसलिए समस्या आती है। बाकी इस बारे में विचार कर लेंगे यदि यह सुविधा दी जा सकेगी तो दे देंगे।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि कैंसर/रेडियो थरैपी के कितने मरीजों का इलाज रोहतक में किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के पास फील्ड के लिए 450 के करीब गाड़ियां हैं। इनमें से 150 के करीब तो ऐसी गाडियां हैं जो 13–13, 14–14 सालों से खराब खडी हैं। काफी गाडियां तो बिना यूज किए ही बारि ा में खडी होने से ही खराब हो गई होंगी। क्या मंत्री जी इनकी डिस्पोजल का कोई प्रबंध करेंगी ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, इन्होंने पहला सवाल कैंसर/रेडियोथरैपी के कितने मरीजों का इलाज रोहतक में किया गया है, पूछा है। इस बारे में मेरा कहना है कि जब इन्हौंने सवाल किया तो उस समय यह फिगर्ज नहीं पूछी थी। यदि ये, यह फिगर्ज जानना ही चाहते हैं तो इसके लिए अलग से नोटिस दे दें, बता दिया जाएगा। जहां तक गाडियों का सवाल है कि काफी गाडियां खराब पडी हैं, इस बारे में मैं इन्हें बताना चाहूंगी कि हामरे पास तीन प्रकार की गाडियां हैं। एक तो यूनिसिफ की गाडियां हैं, दूसरे भारत सरकार की गाडियां हैं और तीसरी अपनी

हरियाणा सरकार की गाडियां स्वास्थ्य विभाग के पास हैं। जब यूनिसिफ और भारत सरकार की गाडियां कैंडम हो जाती हैं तो उनको कैंडम कराने के लिए इन दोनों को लिखना पडता है। कैंडम करने से पहले जो भार्तें होती हैं उनको भी ध्यान में रखा जाता है। किसी गाडी को कैंडम करने से पहले यह देखना होता है कि आया उसने 6 साल या 1 लाख 20 हजार किलोमीटर पूरे कर लिए हैं या नहीं। इन दोनों में से जो भी बाद में भार्त पूरी होगी, उसको ध्यान में रखते हुए गाडी को कैंडम किया जा सकता है। जब इनकी गाडिया कैंडम करनी होती हैं तो उनको लिखा जाता है। बाद मे फिर एक कैंडमने ान बोर्ड बैठता है। बोर्ड ही गाडी को कैंडम करने या न करने का फैसला लेता है। इस पत्र व्यवहार के कारण भी इनकी गाडियों को कैंडम करने में काफी समय लग जाता है। कई बार गाडियों की कमी के कारण भी कैंडम हुई गाडियों को यूज किया जाता रहता है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने यह तो बता दिया कि इन्टैन्सिव कार्डीयक यूनिट डिस्ट्रिक्ट लेवल पर 7वीं योजना में खोलेंगे, लेकिन रोहतक में कितने मरीजों को इलाज किया है उसकी कोई सूचना नही दी। इस जवाब के अनैक चर 'ए' पर फरीदाबाद की एक गाडी एच0आर0जी0 1053, गंडगांव की एक गाडी एच0आर0जी0 4345 और हिसार की तीन गाड़ियां एच0आर0बी0 8399, एच0आर0बी0 8409 और एच0आर0आर0 9443 गाड़ियों की मियाद सिर्फ 9 मास के अंदर ही खत्म हो गई। क्या

मंत्री जी इस बात की इंक्वायरी करवाएंगी कि ये गाड़ियां इतनी जल्दी क्यों कैंडम हो गई ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल)– डा0 साहब ने लगता है कि यह सवाल ध्यान से पढ़ा नहीं या इनकी समझ में नहीं आया। जिन गाड़ियों का इन्होंने जिक्र किया है, ये 1984 के अंदर खरीदी नहीं गई बल्कि 1984 के अंदर इनको कैंडम करार दिया गया है।

सेठ राम दास धमीजाः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला सिविल हस्पताल के अंदर 31 गाडियां हैं। इन 31 गाडियों मेमं से 10 गाड़ियां बेकार हो चुकी हैं। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि इन गाड़ियों में से कितनी गाड़ियां कैंडम हो चुकी हैं और कितनी खराब हैं ?

चौधरी भजन लालः कितनी गाड़ियां खराब हैं और कितनी गाड़ियां ठीक हैं। इस बारे में ठीक प्रकार से नहीं बताया जा सकता क्योंकि जो गाड़ियां खराब हो जाती हैं उनको ठीक करा कर फिर काम में लाते रहते हैं अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि हर डिस्ट्रक्ट हैडक्वार्टर्ज पर और हर सब डिवीजनल लैवल पर एक एक एम्बुलैंस का प्रबंध जल्दी से जल्दी कर दिया जायेगां

श्री मंगल सैनः चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी ये यह सवाल पूछा था कि जहां जहां पर ऐम्बुलैंस हैं यदि वहां पर हस्पताल के

अंदर कोई मर जाता है तो उसकी डैड बोडी को एम्बुलैंसे वाले लेकर नहीं जाते। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या हर डिस्ट्रिक्ट पर डेड बौडी ले जाने के लिए गाड़ी का भी कोई प्रबन्ध करेंगे ?

श्रीमती प्रसन्नी देवी: ऐसा प्रबंध करने पर सरकार के ऊपर बहुत भारी बोझ पड़ेगा। साथ ही साथ में यह भी कहना चाहूंगी कि भगवान न करे आदमियों के मरने की संख्या बढें। यदि गाडियों का प्रबंध कर भी दिया जाए तो कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि मरने वालों की संख्या भी काफी कम ही है। हां, यह जरूर कर सकते हैं कि जहां पर कोई गाड़ी बेकार खडी होगी तो उसको उस काम में लाया जा सके।

Forestry work done in District Bhiwani

***770. Ch. Balvir Singh Grewal:** Will the Minister of State of for Revenue an Home be pleased to state whether any report regarding the evaluation study of rorestry work done with the aissitance of DRDA (District Rural Development Agency) Bhiwani, in village Mankawas of district Bhiwani, during the years 1982-83 and 1983-84, has been recieved by the Government; if so, the detailsl thereof and the action, if any, taken thereon ?

Minister of State for Revenue (Sh. Lachhman Dass Arora): Yes, Sir. The Information if laid on the Taboe of the House (Annexure-A).

ANNEXURE 'A'

A report was received form Deputy Commissioner, Bhiwani regarding evaluation study of forestry works in village Mankawas, selected at random in District Bhiwani. Divisional Forest Officer, Bhiwnai had reported that an area of 310 hectrares of Village Mankawas Panchayat land was afforested at an estimated expenditure of Rs. 570900/- i.e. 240 hectarres in 1982-83 at Rs. 46800/- and 70 hectares in 1983-84 at Rs. 102900/-. Deputy Commissioner, hewever, reported that total area of panchayat land was only 156 hectares, out of which 97 hectares were brought under afforestation. At the rate of 1100 plants per hectares, only 106654 plants could be planted, and thus an excess amount of Rs. 3.93 lacs has been realised form the District Rural Development Agency, which may be re-imburesed to the Agency and action against the officer concerned may be taken, as deem fit.

The enquiry has been enstrusted to the Additional Chief Conservator of Forests (Socal Forestry) and a report is awaited.

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, मंत्री महांदय ने बताया कि डिप्टी कमि नर की रिपोर्ट आई हुई है और रिपोर्ट में मानकावास गावं में 310 हैक्टेयर जमीन पर फारैस्टे ान दिखाई हुई है जबकि पंचायत की जमीन केवल 156 हैक्टेयर बनती है जिसमें से रिपोर्ट के मुताबिक 97 हैक्टेयर जमीन पर फारैस्टे ान हुई है। गलत फारैस्टे ान दिख केर 3 लाख 93 हजार रूपए की गड़बड़ हुई है। मंत्री महोदय बताएंग कि जिस आफिसर ने यह

गड़बड़ की है उसके खिलाफ क्या ऐक्या लिया है और अगर ऐक ान नहीं लिया है तो ऐक ान में डिले होने के क्या कारण हैं ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः यह बिल्कुल गलत बात है कि उस आफिसर के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। हमने इंक्वायरी आफिसर बैठा दिया है। एडी ानल सी0सी0एफ0 इंक्वायरी कर रहा है। जब हमने मामले को ज्यादा सीरियस पाया तो यह मामला विजिलैंस विभाग को सौंप दिया गया।

चौधरी ओम प्रका ाः यह इंक्वायरी आफिसर कब मुकर्रर किया गया था, इंक्वायरी की इस वक्त क्या स्टेज है ओर जो आफिसर भाुरू में हि कसूरवार पाये गए थे, क्या उनको सस्पैंड किया गया है या नहीं ?

श्री लछमन दास अरोड़ाः 9.7.84 को डी0सी0 की रिपोर्ट मिली थी औक्र 25.7.84 को यह रिपोर्ट इंकवायरी के लिए भेजी इसके बाद सी0सी0एफ ने एडी ानल सी0सी0एफ0 को 3.8.84 को इंक्वायरी के लिए मुकर्रर किया। इन्होंने इंकवायरी भाुरू कर दी है लेकिन इसके बावजूद भी जब हमने मामला ज्यादा सीरियस पाया तो यह केस विजिलैंस डिपार्टमैंअ के सुपुर्द कर दिया गया।

श्री हीरा नन्द आर्यः इस वक्त जो जांच की जा रही है, क्या उस जांच में चीफ मिनिस्टर सैक्रेटेरियट के किसी आफिसर की इन्वाल्वमैंट है ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जैसे ही यह मामला हमारे नोटिस में आया, हमने इसको विजिलैंस की इंक्वायरी के लिए भेज दिया है। इंकवायरी में जिस किसी अधिकारी का कसूर मिलेगा, उसको मुआफ नहीं किया जाएगा, सख्त से सख्त एक ान लिया जाएगा। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि हमने यह मामला जल्दी से जल्दी रिपोर्ट देने के लिए भेजा है। मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि एक हफ्ते के अंदर अंदर रिपोर्ट मंगवा कर ऐक ान लेंगे और जिस अधिकारी का कसूर होगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त ऐक ान लिया जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, डी0सी0 की रिपोर्ट पहले ही आई हूई है, उसके मुताबिक एक ान क्यों नहीं लेते ?

श्री अध्यक्ष: किसी को सजा देने से पहले किसी कन्कलूजन पर पहुंचना होता है, तभी प्रौपर ऐक ान होता है।

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, एक गांव में पौधे लगाने पर चार लाख रूपए का स्कैंडल हुआ है। हरियाणा में साढ़े छः हजार गांव हैं। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इस केस के इलावा और भी केसिज इस किस्म के उनके नोटिस में हैं ?

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य हम से पूछते हैं। ये हमारे नोटिस में क्यों नहीं ले आते कि फलां गांव में ऐसा हुआ है। इस गांव का केस जब हमारे नोटिस में

आया तब हमने इंक्वायरी करवाई ऐसा कोई दूसरा केस हमारे नोटिस में नहीं आया।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, भिवानी जिले के जिस गांव का यह किस्सा सरकार के नोटिस में आया है इसमें चार लाख का घपला हुआ है। यह केस आप के नोटिस में आया है और आप फरमा रहे हैं कि आपके नोटिस में लाने का हमारा काम है, हम कैसे आपके नोटिस में लायें ? क्या आपके पास सरकारी म ाीनरी नहीं है, डिवाईस नहीं, मीन्ज नहीं, रास्ता नहीं ? आपके पास क्या नहीं ? कुरप्त आफिसर्ज को ढूंढ निकालने के लिए तो आपके पास विजिलैंस डिपार्टमैंअ हैं आप हमें कैसे पूछते हो ? हमारे नोटिस में तो बात बाद में आती है, आपके तो आगे पीछे ये लोग घूमते फिरते हैं। इसलिए मैं आपसे एक स्पैसिफिक सवाल पूछना चाहता हूं। यह बात ठीक है कि चार लाख रूपये का घपला एक गांव का आपके नोटिस में आया है जिस पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक हफ्ते के अंदर अंदर इंक्वायरी कर दी जाएगी। अब आप देखना कितने हफ्ते लगते हैं। क्या किसी और गांव का मामला आपके नोटिस में आया है जिस पर आपने सुओ मोटो ऐक ान लिया हो ? क्या गवर्नमैंट के किसी डिपार्टमैंअ के खिलाफ उसमें भ्रश्टाचार होने के बारे में कोई मैमोरैंडम मिला है, अगर मिला है तो उस पर सरकार ने क्या एक ान लिय है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, किसी भी प्राईवेट आदमी ने इस बात की ि ाकायत नहीं की, किसी एम0एल0ए0 ने

ि ाकायत नहीं की। हमने अपने तौर पर बाकायदा डी0सी0 को हिदायत दे रखी है कि जब कभी कोई ऐसी बात उन के नोटिस में आये तो अपने लैवल पर उस पर ऐक ान ले लिया जाए। अगर सरकार को लिखकर भेजने की बात हो तो सरकार को फौरन लिख दें। इस केस में डी0सी0 ने खुद लिखकर भेजा है और डिपार्टमैंट इस की अलग इंक्वायरी कर रहा है, विजीलैंस अलग कर रहा है। अगर इस केस को दबाने की कोई बात होती तो डी0सी0 को लिख कर भेजने की कोई जरूरत नहीं थी और न ही कोई इंक्वायरी करने की आव यकता थीं। बगैर मतलब की बात कहने के कोई मायने नहीं हैं। (व्यवधान) अगर आपके नोटिस में कोई आती है तो आपका फर्ज बनता है कि सरकार को जरूर लिख कर भेजें। लिख कर नहीं भेजना है तो जबानी नोटिस में लायें, इस पर अगर सरकार कोई कारवाई नहीं करती तो आप जो चाहो कहना। यह कहन कि जानबूझ कर इंक्वायरी नहीं कर रहे, बिल्कुल गलत बात है। मैंने अभी कहा है कि बाकायदा इन्कवायरी हो रही है। ज्यों ही इन्कवायरी रिपोर्ट आयेगी हम उस पर सख्त ऐक ान लैंगे। अगर इंक्वायरी रिपौर्ट से पहले हम कोई ऐक ान लेते हैं तो कोई भी व्यक्ति मामले को हाई कोर्ट में ले जा सकता है। अदालत हम से पूछती है कि जिसके खिलाफ ऐक ान ले रहे हैं, उसके सबूत क्या हैं ? इसलिए ऐक ान लेने से पहले इंक्वायरी जरूरी है।

श्रीमती चन्द्रावतीः आप तो सिर्फ भिवानी जिले के आफिसर्ज की इंक्वायरी करवायेंगे। कोई आदमी आपके आफिस के एक आफिसर का नाम और आपका नाम लेता फिरता है। क्या अपने आफिस के इस आफिसर की इंक्वायरी करवाकर उसको सस्पैंड करेंगे ? (व्यवधान) यह तीन लाख 94 हजार रूपये का मामला हैं आप उस गांव की पंचायत से पूछ लें। लोग पर्टिकुलर आफिसर जी आपके स्टाफ का है, का नाम लेकर कहते हैं कि उसने पैसा खाया है। भिवानी में सब जगह कहा जा रहा है। क्या इसकी इंक्वायरी करके उसको सस्पैंड करेंगे ?

चौधरी भजन लालः वेग बात करने का कोई मायना नहीं है। (व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः वेग नहीं, हम जिम्मेदारी से बात करते हैं।

चौधरी भजन लालः मैंने अभी कहा कि इंक्वायरी विजिलैंस विभाग कर रहा है, आई0जी0 रैंक के आफिसर इंक्वायरी कर रहे हैं। डी0सी0 ने लिख कर भेजा है कि इतने पेड़ लगने चाहिए लेकिन इतने लगे हैं और इतने लगने बाकी रहते हैं, सारी पोजि ान लिखी है। यह तो डिपार्टमैंट की बात है और डिपार्टमैंटल इंक्वायरी की अलग बात है, लेकिन इसके साथ ही साथ विजिलैंस डिपार्टमैंट भी इंक्वायरी कर रहा है। बाकी, इन्होंने कहा कि मेरे आफिस के किसी आफिसर का नाम ले रहे हैं। नाम

तो कल को आपका भी ले लेंगे तो क्या यह सही बात होगी ? ये तो आपको भी कह देंगे कि आपका नाम लेते हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने कहा, जिस किसी का कसूर मिलेगा, वह चाहे कितनी ही बड़ी हैसियत का हो, चाहे आफिस का हो, चाहे बाहर का हो, सख्त ऐक ान लिया जाएगा, किसी को मुआफ नहीं किया जाएगा।

श्री हरिचन्द हुड्डा: स्पीकर साहब, सरकार की तरफ से चार चार लाख का घपला हो जात है लेकिन उसको कोई दंड नहीं दिया जाता। अगर दफा 323 और 326 आई0पी0सी0 के तहत कोई किसान किसी के लटठ मार दे तो उसको 6 महीने के लिए जेल में ठोंक देते हैं, लेकिन सरकार लाखों रूपये का घपला कर रही है, इसको कोई दंड नहीं दिया जाता।

श्री अध्यक्ष: यह कोई सवाल नहीं है। Question hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Theft and murder case in Police Station Mohindergarh

***781. Shri Ram Bilas Sharma:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any case of murder and theft of goats in village Khudana, between the night of 2.8.84 and 3.8.84, has been registered in Police Station Mohindergarh;

(b) whether any vehicle used in connection with the said cirme, if any, committed has been taken into custody; and

(c) if so, details together with the action, if any, taken against the murderers ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां। मुकद्दमा नं0 141 दिनांक 3.8.84 धाराधहन 302/394/397/460 भा0द0स0 थाना महेन्द्रगढ़ में दर्ज किया गया।

(ख) जी नहीं।

(ग) चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया जो इस समय न्यायिक हिरासत में है। मामला अनुसंधानाधीन है और इसका चालान भीघ्र ही न्यायालय में दिया जाएगा।

Fall in water Table in district Karnal

***772.Sh. Fateh Chand Vij:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is in the notice of the Government that in Karnal district the tubewells have started drying up due to step fall in the water table;

(b) if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken to save the farmers of area whose tubewells have started drying up; and

(c) whether any investigations have been made to find the causes of fall in water table in the said area, if so, details therof ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) से (ग) विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) जी, हां।

(ख) 1. विभिन्न वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में नलकूप लगाने क लिए ऋण देने बंद करवा दिए गए हैं।

2. भविश्य में प्रभावित क्षेत्रों में नए सरकारी गहरे नलकूप जिनमें आगमैंटे ान नलकूप भी भाामिल हैं, नहीं लगाए जांएगे।

3. जहां कहीं किसानों की मांग आती है और ऐसा करना सम्भव होता है वहां सरकारी आगमैंटे ान नलकूपों से किसानों के खेतों को सिंचाई के लिए सीधे ही पानी भी दिया जाता है।

(ग) जी हां। इस बारे छानबीन पहले भी की गई थी और अब भी की जा रही है। छानबीन के परिणामों से ज्ञात हुआ है कि आगमैंटे ान नहर के आसपास भूजल स्तर में गिरावट आधिक हुई है लेकिन जल स्तर की गिरावट की गति में पिछले कुछ सालों में कमी अव य हुई हैं इस क्षेत्र में प्राईवेट लघु सिंचाई इकाइयों के अधिक संख्या में लगने के कारण भी भूजल स्तर में गिरावट हुर्ह है।

Police official killed by Terrorists in the State

***782. Sh. Mangal Sein:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any police constable/official was official was killed in the State by the terrorists during the year 1984; and

(b) if so, the names and addresses of the persons, if any arrested in connection therewith ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(अ) वर्श 1984 में दो पुलिस कर्मचारी अम्बाला छावनी में दिनांक 19.4.84 को आतंकवादियों के हाथों मारे गये थे।

(ब) इस संबंध में निम्नलिखित 4 व्यक्ति पकडे गये हैं :–

1. कुलदीप सिंह पुत्र गुरचरण सिह, जाट सिक्ख, निवासी भुचो, जिला भटिंडा (सिपाही नं0 111, थाना भिक्खी जिला भटिंडा)

2. सतविन्द्र सिंह उर्फ टिम्मी पुत्र सुरजीत सिंह, निवासी पेहवा, जिला कुरूक्षेत्रा।

3. यादविन्द्र सिंह पुत्र मलकियत सिंह जाट सिक्ख, निवासी रामपुरा थाना रामपुरा फूल, जिला भटिंडा (पंजाब)

4. मनिन्द सिंह उर्फ लवली पुत्र भाम ेर सिंह सैनी, मकान नं0 303, सैक्टर 39, चण्डीगढ़।

Grant in aid/financial assistance to Ayurvedic College

***747. Dr. Bhim Singh Dahiya:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether any amount of grant in aid or any other financial assistance was given to any of the Ayurvedic Colleges in the State during the years 1981-81, 1981-82, 1982-83, 1983-84 and 1984-85 (to-date); and

(b) if so, the the amount of grant/assistance given to each such college, together with the details of the conditions, if any laid therefor ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) हां, वर्श 1982–83 तथा 1984–85 (आज तक) को छोड़ कर,

(ख) निम्न अनुदान की रा ि ा स्वीकृत की गई थीः–

वर्श	संख्या का नाम		रा ि ा रू0 में
1980–81	1	महिला आयुर्वेदिक कालिज खानपुर कलां (सोनीपत)	250000/–
	2	मस्तनाथ आयुर्वेदिक कालिज अस्थल बोहर (रोहतक)	200000/–
1981–82	1	महिला आयुर्वेदिक कालिज खानपुर कलां (सोनीपत)	100000/–
	2	मस्तनाथ आयुर्वेदिक कालिज अस्थल बोहर (रोहतक)	100000/–
1983–84		महिला आयुर्वेदिक कालिज खानपुर कलां (सोनीपत)	10000/–

यह अनुदान की रा ि ायां इस भार्त के साथ स्वीकृत की गई थी कि संबंधित संस्था पहले पिछले वर्श में स्वीकृत किए अनुदान के प्रयोगता प्रमाण पत्र देगी।

T.B. Disease in the State

***760. Ch. Roshan Lal Arya:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether tubervulosis has been eradicated from the State;

(b) whether the Government is aware of the fact that five persons died of T.B. in Telipura, P.O. Khadri, District Ambala durinjg the Year 1983; and

(c) whether any cases of tuberculosis have also been reported from other districts in the State during the years 1983-84 and 1984-85 to date; if so, the preventive steps, if any, taken to check the spread of the siad diesease ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) जी हां।

(ख) तेलीपुर गांव, डाकखाना खादरी, जिला अम्बाला में केवल एक व्यक्ति श्रीमती मन्नु पत्नी श्री बेली राम आयु 25 वर्श की क्षयरोग से मुत्यु हुई है। भोश चार की अन्य कारणों से मृत्यु हुई है।

(ग)जी हां। राज्य में वर्श 1983–84 में 18562 तथा वर्श 1984–85 में जुलाई 1984 तक 7285 क्षय रोग केसों का पता लगा। इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए निवारक कदम निम्न प्रकार के हैं :–

1. दो वर्श से कम आयु के बच्चों को बी0सी0जी0 का टीका लगाया जा रहा है।

2. फिल्मों के द्वारा इकट्ठे मीटिंगें करके, इ तहार तथा पैम्फलैटस बांट कर स्वास्थ्य ि ाक्षा दी जा रही है।

3. राज्य के 276 स्वास्थ्य संस्थाओं में निधान तथा इलाज की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब स्पीकर साहब, मेरे पास हरिजन स्टुडैंटस का एक डैपुटे ान आया और उन्होंने मुझे लिख कर भी दिया है। उनका कहना यह है कि वे एम0फिल हैं, 50–55 फीसदी उनक मार्कस हैं, लेकिन उन्हें सर्विस नहीं दी जाती। जनाब अगर कहें तो उनकी दरख्वास्त मैं सदन की मेज पर रख दूं।

श्री अध्यक्षः इसक आप मेरे चैम्बर में भेज दें।

श्रीमती चन्द्रावतीः इसके अलावा, स्पीकर साहब, मेरी एक और अर्ज है। 48 एस0डी0ओ0 अप्वायंट किए गऐ हैं लेनि उनमें एक भी हरिजन नहीं है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

मंत्रि मंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, आज सुबह ठीक 8 बजे हमने नो कांफिडैंस मो ान का नोटिस दिया है। उसके बारे में मैं जानना चाहती हूं।

श्री अध्यक्षः क्या बाकी काम छोड दें ?

श्री मंगल सैनः जैसे आपकी मर्जी हो कर लें।

श्री अध्यक्षः मैंने उसे अभी पढ़ा नहीं है।

श्री मंगल सैनः .....

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, अगर आप इस बारे में मुझे पहले बता देते तो मैं औफिस जल्दी आ जाता। मैं तो एक यूजूवल सवा नौ बजे यहां पहुंचा हूं।

Sh. Mangal Sein: Sir, it is very surprising that your worthy Secretariat has not infomed you about the very important motion, which was given by us exactly at 8.00 a.m.

Mr. Speaker: Mr. Secretariat did inform me that Dr. Mangal Sein etc. have given a notice of no confidence motion. But I had to gety ready. I reached office at 9.15 a.m. and have not yet been able to study the case. I will see it just now and decide about it. (At this stage Mr. Speaker studied some papers).

Hon'ble Members, I have received a notice of motion of no confidence from Smt. Chandravati, Leader of the Opposition, Ch. Verender Singh, Dr. Mangal Sein and Ch. Tayyab Hussain, M.L.As. today against the Council of Ministers in Haryana which runs as follows :-

"This House expresses its want of confidence in the Council of Ministers headed by Ch. Bhajan Lal."

It is amply clear that four bills have already been passed by the Assembly on 4th & 5th September, 1984. Moreover, the supplementary estimates for the year 1984-85 (first instalment) were voted and passed on 4th instant, which shows that the opposition members had full opportunity to vote down the Government on various occasions. I, therefore, treat this motion as an abuse of rights by giving such motion at this stage. However, without going into the technicalities any further, I hold the notice of motion of no confidence in order.

Now I, request thos Members, who are in favour of leave being granted to move the motion, to please rise in their seats.

(At this stage, all the opposition members rose in their seats)

Mr. Speaker: The leave is granted.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक प्रार्थना है। सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव आया है। मैं यह चाहता हूं कि इस प्रस्ताव पर बाकी सब काम

रोक कर बहस हो जाए। बहस के लिए टाईम मुकर्रर कर लिया जाए। अगर हाउस का वि वास हमारे में नहीं होगा तो हम एक सैंकंड यहां नहीं रहेंगे। (विघ्न) मेरी यह प्रार्थना है कि आज के नौन औफि ायल डे को औफि ायल डे में कन्वर्ट कर लिया जाए, नो कान्फिडेंस मो ान पर अभी बहस भाुरू हो जाए और बहस के लिए टाईम फिक्स कर दिया जाए, एक घंटा या डेढ घंटा जो भी आप मुनासिब समझें। उसके बाद उस पर वोटिंग हो जाए ताकि हम हाउस का वि वास प्राप्त कर सकें। अगर हम हाउस का वि वास प्राप्त नहीं कर सकेंगे तो अपने घर चले जायेंगे। इसमें कोई दिक्कत वाली बात नहीं है।

Mr. Speaker: I would like to have the consensus of the House लीडर आॅ दी हाउस ने जो कहा है कि इस मो ान को अभी टेक अप कर लिया जाए, क्या आप सक इससे सहमत हैं ?

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, आपने हमारी मो ान ऐडमिट कर ली, यह बड़ी कृपा कीं इस के लिए मैं और कुछ नहीं कह सकता। लेकिन एक बात जो आपने कही कि इससे पहले गवर्नमैंट को अन सीट करने की हमारे सामने ऐम्पल अपर्चुनिटीज थीं उसके बारे में मैं थोडा सा निवेदन करना चाहता हूं। Since it has come on record I want to keep the record straight, Sir.

Mr. Speaker: No discussion on my ruling. If you want to say something else kindly do so.

Sh. Mangal Sein: I want to submit, Sir, that we were within our rights to move the no confidence motion.

Mr. Speaker: I have agreed to that.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने अभी कहा कि इस मो ान का वे एक मिनट में निर्णय चाहेंगे और अगर हाउस का इनमें वि वास नहीं होगा तो ये घर चले जाएंगे। स्पीकर साहब, यह तो जम्हूरियत का तकाजा है। अध्यख महोदय, जहां तक नौन औफि ियल डे को औफि ियल डे में कन्वर्ट करने की बात है, कृपया ऐसा न किया जाए। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हम तो किसी फाईल पर कलम नहीं टेकेंगे जब तक हाउस का वि वास प्राप्त नहीं कर लेते।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा निवेदन यह है कि आप इस पर आज ही बहस करवा लीजिए, हम तैयार होकर आये हैं लेकिन नौन औुि ियल डे वाले मामले को भी आप पोस्टपोन न कीजिए। वह भी आज होने दीजिए। (ोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। I will first take up the no conidence motion.

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, आपने हमारी नौ कांफिडैंस मो ान को 'ऐडमिट किया, आपकी बड़ी मेहरबानी। लेकिन आपने अपनी रूलिंग में जो 'ऐव्यूज ऑफ राईट्स' भाब्दों

का प्रयोग किया, कृपा करके इन्हें हाउस की कार्यवाही से निकलवा दें क्योंकि हमने अपना राईट ऐक्सरसाइज किया है, किसी राईट को ऐब्यूज नहीं किया है। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: I have already given my ruling. Please take your seat.

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, जनाब ठीक फरमाते हैं कि नो कांफिडैंस मो ा को फर्स्ट अपर्चुनिटी पर लेना चाहिए लेकिन बिजनैंस ऐडवाईजरी कमेटी ने जो फैसला किया है उसे डिसटर्ब नहीं किया जाना चाहिए। आज नॉन ऑफि ियल डे है और आप जानते हैं कि नॉप ऑफि ियल डै की अपनी सैंकटिटी है। इस दिन नॉन ऑफि ियल बिजनैस को टेक अप करना मैम्बर्ज का हक है और यह हमारा हक कायम रहना चाहिए। जब नॉन आफि ियल बिजनैस खत्म हो जाए उसके बाद नो कांफिडैंस मो ान पर बहस भाुरू होनी चाहिएं हम इस बात के लिए तैयार हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, बिजनैस ऐडवाजरी कमेटी किस बात के लिए बनाई गई है अगर उसके फैसले को माना नहीं जाना है। आप उस कमेटी के चेयरमैन हैं और आप ही उसको बनाते हैं। इसलिए बिजनैस एडवाइजरी कमेटी ने आज के लिए जो एजेन्डा तय किया है पहले वह टेक अप होना चाहिए, उसके बाद नो कांफिडैंस मो ान टेक अप की जानी चाहिए। हम उसके लिए पूरी तरह तैयार है। हम चाहते हैं कि हाउस को जो रूल्ज हैं,

प्रोसीजर्ज हैं और कंनवैं ांज हैं, उनके अनुसार हाउस का काम चलना चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने ठीक कहा था कि हाउस में बिल्ज पास हुए और मनी डिमांडज पास हुई उन पर भी वोटिंग हो सकती थी। आप जानते हैं कि अगर बिल पास न हो, मनी डिमांडज पास न हों तो सरकार एक मिनट में गिर जाती है लेकिन उसके बावजूद आपने इनका नो कांफिडैंस मो ान ऐडमिट किया है। नो कांफिडैंस मो ान लाने का इनको पूरा राईट है। इन्होंन कहा कि बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई थी या जब हाउस में वह रिपोर्ट पास हुई, उस समय रिपोर्ट में अवि वास प्रस्ताव की कोई बात नहीं थी बल्कि जिस दिन बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग थी उस दिन ये लोग मीटिं के बीच में ही उठ कर चले गये थे। हमने पहले दिन का सै ान रखा हुआ था परन्तु फिर पांच दिन का किया।

श्री मंगल सैनः हमने उस दिन यह कहा था कि सै ान सात का करें।

चौधरी भजन लालः हमने तो आपके बिना कहे और आपके चले जाने के बाद पांच दिन का सै ान कर दिया। स्पीकर साहब, मेरी गुजारि ा है कि पहले नो कांफिडैंस मो ान को डिस्कस कर लें उसके बाद ही दूसरा बिजनैस हो। (विघ्न)

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, नो कान्फीडैंस मो ान पर डिसक ज्ञन के लिए चार घंटे का समय दिया जाए।

Mr. Speaker: Hon'ble members, the motion of no confidence will be taken up for discussion after the disposal of Calling Attention Motion fixed for today. I allot 2½ hours for discussion on this motion.

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, नो कान्फीडैंस मो ान के लिए तो दो घंटे भी फालतू हैं इनके पास कहने के लिए कुछ नहीं हैं जो कुछ इन्होंने कहना था पहले ही कद दिया है। इन्हें और फालतू टाईम देने का कोई फायदा नहीं।

Mr. Speaker; I have announced it. You should not discuss it now.

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, यह टाईम बहुत थोडा है इसलिए इसे बढाया जाये।

श्री अध्यक्ष: देख लेंगे।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

जिला फरीदाबाद के होडल नगर में प्रदूशित तथा निशिध पेय जल सप्लाई संबंधी

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान, मुझे श्री मंगल सैन की ओर से फरीदाबाद जिले के होडल टाउन में पोल्यूटिड एण्ड प्रोहिबिटिड डिंकिंग वाटर सप्लाई के संबंध में काल अटैं ान मो ान का नोटिस मिला है। मैं इसे ऐडमिट करता हूं। श्री मंगल सैन जी अपना नोटिस पढ दें। उसके बाद मंत्री जी स्टेटमैंट देना चाहें तो दे दें।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इस महान सदन का ध्यान एक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि जिला फरीदाबाद के कस्बा होडल के वाटर वर्कस के द्वारा जनता को पेय जल अत्यंत दूशित एवं मानव के उपयोग के लिए निशिध वितरित किया जा रहा है। स्थानीय संबंधित अधिकारियेां को बार बार कहने के उपरांत भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इस कारण सारे क्षेत्र में असन्तोश एवं क्षोभ व्याप्त है।

मैं इस ध्यानाकर्शण प्रस्ताव द्वारा सरकार का ध्यान इस ओर आकृश्ट करना चाहता हूं ताकि वह इस संबंध में अपनी स्थिति स्पश्ट करें

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, इस का जवाब कल देंगे। सरकार काम नो कान्फीडें ा मो ान डिस्कस करने के बाद करेंगे।

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा

Mr. Deputy Speaker: Now Smt. Chandravati may please move her motion of no confidence against the Ministry.

(At this stage, Mr. Speaker occupied the Chair)

Smt. Chadravati: Sir, I beg to move-

That this House expresses its want of confidence in the Council of Ministers headed by Ch. Bhajan Lal.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House expresses its want of confidence in the Council of Ministers headed by Ch. Bhajan Lal.

श्रीमती चन्द्रावती (बाढड़ा): जनाब स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी की मिनिस्टरी में हरियाणा के लोगों को कतई तौर पर भरोसा नहीं है। जब से चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री बने हैं तब से ही हरियाणा में भ्रश्टाचार का बोलबाला हे। आज के दिन पंचायत आफिस में, ऐडमिनिस्ट्रेटर आफिस में या बडे से बडे डिप्टी कमी नर के आफिस में भी रि वत का बोलबाला है। जब कोई गांव का आदमी किसी आफिस में काम से जाता है उससे पेसे ऐसे मांगे जाते हैं जैसे इन आदमी ने उनका उधार देना हो, उन्हें तन्खाह देनी हो या कोई प्रामिजरी नोट लिखा हुआ हो, उसके पैसे देने हों। इतना रि वत का बोलबाला किसी भी प्रांत में या किसी भी राज में नहीं हुआ। जो हाल आज के दिन है परमात्का करे ऐसा हाल कभी न हो। स्पीकर साहब, मैंने मुख्य

सचिव को भी चिट्ठी लिखी है कि दफतर के टाईम की कोई सैंक्टिटी नहीं है। सैक्रेरियट में कोई भी आदमी दफ्तर में नहीं बैठता है। जनाब स्पीकर साहब, हफ्ते के वर्किंग डे सिर्फ पांच हैं ऐम्पलाईज भाुक्रवार को आफिस टाईम से पहले चले जाते हैं और सोमवार को देर से आते हैं। इन लोगों को छुट्टियां भी कितनी ही है लेकिन ये लोग गरीब लोगों की बिल्कुल चिन्ता नहीं करते। लोग यहां बैठे रहते हैं। यहां वे बेचारे केवल धक्के खाने के लिए ही आतेहैं, उनको कोई काम नहीं होता। अफसरानों के बैठने के लिए तो सब सुविधायें हैं परन्तु उनके लिए कोई सुविधा नहीं है। पंचायत भवन पर भी बडे लोगों ने कब्जा कर लिया हे। वह आम आदमियों के लिए बना था लेकिन वहां पर भी उन्हें जगह नहीं मिलती है। लोग दुःखी होत हैं। जब वे लोग सैक्रेटैरियट में आते हैं तो कभी मिनिस्टर नहीं होता है तो कभी सैक्रेटरी नहीं होता है। मुख्य मंत्री जी की डिस्पोजल पर कई कारें हैं। एक कार उनके घर पर ही रहती है जिसका तीन सौ रूपये रोज का खर्चा है। मुख्य मंत्री जी चण्डीगढ़ में तो बहुत ही कम रहे हैं वे तो दिल्ली से ही राज चलाते हैं एक कार उनके पोलिटिकल सैक्रेटरी के पास है, उस पर भी काफी खर्चा आता है। जब वे कहीं दौरे पर जाते हैं तो उनके आगे पीछे पता नहीं कितना स्टाफ होता है। दो मोटर साईकल, दो कार तथा एक मैटाडोर चलती है। दो कारों के बीच में इनकी कार होती है और उनके पीछे एक मैटाडार होती है। यह स्टाफ इनकी रक्षा के लिए चलता है। जो मुख्य मंत्री खुला नहीं घूम सकता उसे मुख्य मंत्री रहने का कोई अधिकार नहीं। हरियाणा

के मुख्यमंत्री की रक्षा के लिये आज के दिन हजारो रूपये खर्च हो रहे हैं वह प्रजातंत्री में लोगों का नुमाइंदा नहीं बन सकता। जहां तक भजन लाल जी का संबंध है, वह तो नुमाइंदे हो ही नहीं सकते। ये खरीदे हुए लोगों के नुमाइंदे हैं स्पीकर साहब, मैं किसी और बात के कहने से पहले सरकार से इतीन बात कहना चाहूंगी कि आज के दिन ऐडमिनिस्ट्रे ान नाम की कोई चीज नहीं है और न ही डिवैल्पमैंट का कोई काम यहां पर हो रहा है। हां, एक बात जरूर होती है कि जब किसी को भर्ती करवाया जाता है तो उस समय लोगों से पैसा लिया जाता है। एस0एस0एस0 बोर्ड के चेयरमैन हुआ करते थे वह हर सिलैक ान में लागों से पैसा लिया करते थे। जब नायब तहसीलदार का सिलेक ान हुआ तो उस समय एक एक लाख रूपया लिया गया। चपड़ासी और कंडक्टर की भर्ती करनी हो तो साढे सात हजार रूपये लेकर भर्ती किया जाता है। स्पीकर साहब, मेरे हाथ में कम्पट्रोलर एण्ड आडिटर जनरल की जो किताब है यानी रिपोट है, यह इस सरकार की भ्रश्टाचार की कहानी बता रही है। यह भ्रश्टाचार का ग्रथ है आप किसी भी पन्ने को खोल कर देखिए सब पर भ्रश्टाचार का जिक्र है। आप सुन कर हैरान होंगे और जगहों पर तो लोग कमी ान खाते हैं लेकिन ये मुख्य मंत्री जी तो सारी पूंजी की पूंजी ही खा गये। 31 तारीख को सरकार नौकरी करने वाले लोगों को तन्खाह भी नहीं मिली। अगर पहली तारीख को भानिवार और एतवार आ जाता है तो उससे पहले तन्खाह मिल जाती है लेकिन इस बार यहां पर हरियाणा सरकार 31 तारीख को मुलाजमों को तन्खाह नहीं दे

सकी। तीन तारीख को तन्खाह दी गई आप इस बात से अंदाजा लगायें कि इस सरकार का क्या हाल है ? एक बात आपके थ्रू यहां और भी नोटिस में लाना चाहती हूं कि मुख्य मंत्री का रि तेदार चाहे कोई राजस्थान, बिहार, पंजाब, हिमाचल का रहने वाला हो, उसे यहां बुलाकर सर्विस दी जाती हें यहां के लोगों को नौकरी मिलती नहीं बाहर के लोगों को नौकरी दी जाती हैं। इन्होंने एि ायाड खेलों के समय कई भाो रूम खोले थे। उनमें कोई लाभ नहीं हुआ। खेलों की बात मैं आपको क्या बताऊं ? मैं अगर नाम ले दूंगी फिर आप कहेंगे कि नाम लेती हूं। नाम लिये बगैर मैं यह कहना चाहती हूं कि जो कोई ऐसा काम करेगी, उसके बारे में कुछ न कुछ तो कहना पडेगा। जिस आदमी के चारों तरफ सारा सैक्रेटेरियेट घूमे, वह एि ायाड के खेलों में बडा अफसर बनकर गया था। खेलों में हरियाणा के और हमारी दादरी तहसील के कुछ खिलाडी म ाहूर थे जिन्होंने सबसे पहले गोल्ड मैडल एि ायाड में लिये थे। एक गोल्ड मैडल लेने वाला महेन्द्र सिंह जो हमारे गांव के पास का था, वह आज जर्मनी में बस गया है। एक और हवा सिंह घुंसेबाज ने भी गोल्ड मैडल लिया था। आज कोइ भी ऐसा अच्छा खिलाडी नहीं है जो वहां पर खेलों में गया हो। आज तो बडे बडे अफसरों के जो लाडले हैं, वे जाते हैं। अगर उनको दो दफा विधान सभा में चढा उतरवा दो तो उनको सांस चढ़ जाता है। मैंने सुना है कि यह वहां पर बहुत बुरी तरह से पिटे। वहां पर कम से कम हमारे 10 अफसर गये होंगे, इतना सारा खर्चा किया होगा। वहां से यह बेइज्जती करवा कर आये हैं इस

तरह से सारे दे ा में 70 करोड लोग बसते हैं हरियाणा और पंजाब को 'सोर्ड आफ दी आर्म्ज' कहते हैं क्या यहां से इनको कोई भी अच्छा खिलाडी नहीं मिला।

एक टेलीविजन कम्पनी बना रखी है। उसको भी लोकल अथौरिटी बना दो। उसकी भी सारी की सारी पूंजी खा गये। उसमें कुछ भी नहीं बचा है। एक बात मैं कहना चाहती हूं कि इंदिरा गांधी के 20 प्वायंट प्रोग्राम की बात कहते हैं। सार हिन्दुस्तान में ब्लैक इकौनोमी बराबर पैरेलल चल रही है। 60000 लाख रूपया मैं आपको बताती हूं कि ब्लैक मनी के रूप में बाजार में है। इसमें से 30000 लाख रूपया ..... के पास है। भजन लाल ने इस हरियाणा का पैसा लूट करके ..... हवाले कर दिया। इस तरह से इन्होंने सारे का सारा पैसा लूट लिया है।

मैं अब हरियाणा ब्रिवूरीज की बात बताना चाहती हूं एक श्री बी0एस0 बि ानोई साहब हैं। स्पीकर साहब, उन्होंने हिसार में ब्रिवूरी लगायी है। उस ब्रिवूरी ने आज तक कोई भी पैसा ऐक्साईज टैक्स का नहीं पे किया है। एक वहां पर ईमानदार ऐक्साईज एण्ड टैक्सेसन कमि नर लगा हुआ था। वह उस पर टैक्स लगाना चाहता था लेकिन उस अफसर को वहां से बदल दिया गया और हिसार के डी0सी0 को वहां का ऐक्साइज एंण्ड टैक्स ान कमि ानर बना दिया।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आपको बात का कोई सिर पांव नहीं है। अगर कोई ठीक बात हो तो कहो। उसका हम जवाब भी दें। इस तरह की बातें करने से कोई फायदा नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावती: आप जवाब दे देना। आपको जब मौका मिलेगा तब आप बता देना।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, हिसार में कोई ब्रिवूरी नहीं है। वहां पर बोतलों की एक फैक्ट्री जरूर हें एक हफ्ता अभी उसको चले हुए भी नहीं हुआ होगा। उसकी तरफ कोई टैक्स बाकी नहीं है। इतनी गलत बात कहती हैं कि जिसमे कोई सदाकत नहीं हैं हिसार मेरा जिला है, मैं वहां की हरेक बात को जानता हूं। (व्यवधान व भाोर)

श्रीमती चन्द्रावती: मैं यह भी कहना चाहती हूं कि किसानों से सस्ते दामों पर गेहूं और चावल इकटठा करते हैं और फिर से गेहूं और चावल को गोदामों में रख देते हैं। मैं आपको कम्पट्रोलर एण्ड आडीटर जनरल आफ इंडिया की जो रिपोट 1982–83 की है, उससे पढकर कुछ बताना चाहती हूं। इसके पेज 281 पर एक्सट्रा एक्सपैंडीचर आन परचेज आफ वुडन क्रेटस का हैंडिंग हैं इसमें यह लिखा है कि डिपार्टमैंट को 1878 बैग्ज डैमेज होने और 23.52 क्विंटल व्हीट डैमेज होने की वजह से 0.15 लाख रूपये का नुकसान हुआ।

चौधरी भजन लालः जरा मेहरबानी करके यह देख लें कि यह कब का नुक्सान है।

श्रीमती चन्द्रावतीः यह आप देख लेना। आपने अभी हाउस में रिपोर्ट ले की है। आप मुझे बोलने तो दो। आप जवाब दे देना। आप खुद ही देख लीजिये नान प्लेसमैंअ आफ क्रेटस की वजह से 23.52 क्विंटल गेहूं को भाोर्टेज पायी गई पेज 282 पर प्रोक्योरमैंट की फिगर्ज दी हुई हैं। इसमें यह लिया हुआ कि राईस प्रोक्योरमैंट की दो सालों की फिगर्ज 47.84 से 64.08 परसैंट के बीच में रही है।। Rice kept stored in the godowns of Haryana Warehousing Corporation (5813 quintals) during 1973-74 to 1976-77 got damaged as it was not relaesed for sale for 1 to 3 years. The Department sustained a loss of Rsx. 2.61 laksh in the auction of the damaged rice.

Out of 1.01 quintals of wheat kept stored in open yards at Narnaul in 1979-80, 0.57 lakh quintals got damaged due to its exposition to rain resulting in loss of Rs. 5.76 laksh owing to quality cuts by FCI shortages and replacement of damaged gunny bags. यह इस रिपोर्ट के पेज 282 पर दिया हुआ है। इसी तरह से चावल की भाार्टेज भी हुइ है। मेरा कहने का मतलब यह है कि अगर मैं सारी फिगर्ज देने लगूंगी तो टाईम बहुत लग जायेगा। मैं सारी फिगर्ज नहीं दे सकूंगी। लेकिन जहा पर जनरली माल स्टोरेज किया जाता है, जहां पर गेहूं स्टोरेज किया जाता है या जहां पर राईस स्टोरेज किया जाता है, वहां से

स्मगलिंग करवा कर अनाज बाहर भेजते हैं। पानीपत और करनाल का सारे का सारा राईस स्मगल कर दिया गया।

चौधरी भजन लालः चावल पर कोई पाबन्दी नहीं है। इसके जाने या ले जाने पर कोई बैन नहीं हैं

श्रीमती चन्द्रावतीः आप हेराफेरी से तो जाते नहीं हो। (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, इसी तरह से लीज की बात के बार में मैं कुछ कहना चाहूंगी। मैंने इस बोर में एक काल अटैं ान मो ान भी दिया था। मेरे पास इस बात की इत्लाह नहीं आयी कि वह मंजूर हुआ है या नामंजूर हुआ है। उसमें भी हमने यही दिया हुआ था। ताउडू के पास एक पहाड है। तैय्यब हुसैन जी बैठे हैं। इनको पता है। वहां से एक ट्रेक सिलिका सैंड का 80 रूपए का भरा जाता है तो वह 200 रूप्ए का बिकता है। अगर वहां से 200 रूपए मे ंभरा जाता है तो वह 1200 रूपये में बिकता है। उसमें कुछ बढ़िया सैंड है और कुछ घटिया सैंड है। (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, इन्होंने ..... को हरियाणा के किसानों के खेत दे रखे हैं ..... ने किसानों की जमीन ले रखी है। स्पीकर साहब, रोजाना इन लोगों को साठ सत्तर हजार रूपए की आमदनी होती।

11.00 बजे।

श्री अध्यक्षः किसी का नाम रिकार्ड न किया जाए।

श्रीमती चन्द्रावती: मैं उनका नाम ले रही हूं जो कुछ साल पहले फुटपाथ पर थे लेकिन आज वे करोड़पति हो गए हैं और उनकी आमदनी में चीफ मिनिस्टर का डायरेक्ट हिस्सा है। वे लौग साठ सत्तर हजार से लकर दो लाख रूपया रोजाना कमाते हैं। हरियाणा के पहाड उनको दे रखे हैं और वे पहाड खोखले किए जा रहे हैं, यहां पर माइंज का कोई कायदा कानून नहीं है। वहा ंपर काम करने वाले लोग मारे जाते हैं। स्पीकर साहब, वहां पर रोजाना एक दो लेबरर मारे जाते हैं यह सरकार कहती है कि हम किसानों के हमदर्द हैं स्पीकर साहब, यह वही सरकार है जिसने 1980 में किसानों के ट्रैक्टर्ज में रेत डलवाई थी। किसानों के ट्रैक्टर्ज के इंजनों का भटठा बिठा दिया था। उन बेचारे किसानों ने कर्जा लैकर ट्रैक्टर्ज लिए हुए थे और उन किसानों ने अभी कर्जे की कि तें देनी थीं लेकिन इन पापियों ने उनके इंजनों में रेल डलवा दी और उनका सत्याना ा करवा दिया। स्पीकर साहब, ... चाहती है कि हरियाणा और पंजाब के किसान भूखे मरे। एक बात भाखडा की नहर टूट गई। मैं सरकार से पूछना चाहती हूं जिन लोगों ने उसको तोडा उनको पकडा क्यों नहीं गया, उसको गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया ? अगर यह मान भी लिया जाए कि किसी की लापरवाही की वजह से एक दफा टूट गई लेकिन दुबारा क्यों टूटी ? अगर उन लोगों को जिन्होंने नहर तोडी थी पहले गिरफ्तार कर लिया जाता तो उनकी हिम्मत दुबारा तोडने की नहीं होती। जो केन्द्र का नुमांयदा यहां बैठा था उसने उन लोगौं के खिलाफ चाहे वे उग्रवादी थे या एंटी सो ाल

आदमी थे, एक ान नहीं लिया उनको गिरफ्तार नहीं किया। अगर पहले ही यह सरकार ऐक ान ले लेती तो दुबारा नहर तोडने की उनकी हिम्मत न होती लेकिन ..... तो चाहती थी कि हरियाणा और पंजाब का किसान भूखा मर जाए .....

श्री अध्यक्षः प्राईम मिनिस्टर का नाम रिकार्ड पर नहीं आना चाहिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः जब नहर टूट गई और हरियाणा में पानी आना बंद हो गया तो हरियाणा के खेत सूख गए लेकिन इस सरकार ने पानी का कोई आलटरनेटिव अरेन्जमैंट नहीं किया। जो पानी खेतों में जाता था, उसको पीने के पानी के रूप में दिया गया। दोनों जगहों के खेत सूख गए। इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि इस सरवकार को किसान का कोई ख्याल नहीं है। यह सरकार वैसे ही किसानों की हमदर्द बनती है। स्पीकर साहब, लोगों का पहले भी इस सरकार पर यकीन नहीं था और अब भी नहीं है।

स्पीकर साहब, हरियाणा एग्रीकल्चार यूनिवर्सिटी को इस सरकार ने बरबाद कर दिया हैं पंजाब में भाुरू में लुधियाना में एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी थी उसके बाद हरियाणा में एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बनाई गई। हरियाणा की मेन क्रोप बाजरा, ग्वार और चना है। पंजाब की मेन क्रोप बाजरा नहीं है। बाजरा, ग्वार और चने की फसलों के लिए यह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बनाई गई थी लेकिन हालत यह है कि हमारी सरकार गुजरात से बाजरा मंगवाती

है। स्पीकर साहब, गुजरात में हमारे यहां के बाजरे से अच्छा बाजरा नहीं हो सकता। बाजरा हमारा स्टेपल फूड रहा है। हरियाणा में चार साल से बाजरा खराब हो रहा है। कभी कड़वा हो जाता है, कभी चेपा लग गया और अब की बार तो उगे ही नहीं, इससे खराब बात और क्या हो सकती है। इस सरकार ने ईमानदार आफिसरप नहीं लगाए हुए हैं। अगर यह सरकार डी0सी0 और दूसरे अफसर ईमानदार आफिसर लगाएं तो हम भी तारीफ करेंगे लेकिन इस सरकार ने ऐसे आदमी को यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर लगा दिया जिसने पहले यहां इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड का भट्ठा बिठाया और अब उस यूनिवर्सिटी का भट्ठा बिठा रहा है। स्पीकर साहब, वे नौजवान लड़के जो भूख हडताल पर बैठे हैं, वे भी कि किसी के लडके हैं और किसी के भाई हैं। उनकी भूख हडताल इसलिए नहीं तुडवाई जा रही है क्योंकि वहा ंपर जो वाइस चांसलर बैठा है, वह ठीक नहीं है। मेरा कहना है कि उसको फौरन हटा दिया जाए। आज हालत यह है कि बिना ऐक्सपीरियेंस के एस0डी0एम0 और डी0सी0 लगाए जा रहे हैं। उनको कुछ भी एडमिनिस्ट्रे ान का पता नहीं हैं ऐसे रैवेन्यू आफिसर्ज लगे हुए हैं जिनको रैवेन्यू का कुछ भी पता नहीं है। वे लडके सिर्फ इसलिए लगाए हुए हैं कि महीने के महीने चीफ मिनिस्टर को बंधी हुई रकम दे देते हैं। लेकिन इन लडकों को कुछ भी पता नहीं है।

प ुपालन राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, मैं आपसे दरखास्त करता हूं कि आप इनको ऐसा कहने से

रोकें। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि अपोजी ान वाले पब्लिक में जाएं और इलैक ान लडें, फिर इन्हें पता चल जाएगा कि लोग इनके साथ हैं या नहीं ? ये हरेक आदमी के खिलाफ यहां बोलते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जो कुछ इन्होंने कहना है वह कहें लेकिन इनको मर्यादा में रहकर बात करनी चाहिए। यह कहना कि डी0सीज0 से महीने के महीने चीफ मिनिस्टर को पैसा आता है, कहां तक ठीक है। क्या हम सब ईमानदार हैं और औफिसर्ज सब बेईमान हैं ? इंसान को अपने गिरेबान में मुंह डालकर थोडी बहुत इखलाक की बात करनी चाहिए। आप पुरानी मैम्बर हैं, आप बेहूदी बात न करें (ाोर एवं व्यवधान) यह अच्छी बात नहीं है।

श्री अध्यक्षः मैं तो खुद यह कहने वाला था कि अढाई घंटे में जो बातें कहनी हैं वे ठीक तरह से कहीं जाए तो अच्छा रहेगा। कभी इधर से भाोर हो और कभी उधर से हो, यह ठीक नहीं लगता। सब मैम्बर साहिबान को हाउस का डेकोरम मैनटेन करना चाहिए और उन आदमियों का नाम जो हाउस में नहीं हैं और अपने आपको डिफैंड नहीं कर सकते, उनका नाम बार बार न लें तो अच्छा रहेगा।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, कल आपने बेहूदा भाब्द ऐक्सपंज करवाया था लेकिन अभी चीफ मिनिस्टर साहब ने बेहूदा भाब्द इस्तेमाल किया है। इसको ऐक्सपंज करवाया जाए।

चौधरी भजन लालः मैंने 'बेहूदी बात' कही है। मैंने किसी को बेहूदा नहीं कहा।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं तो एक बात कहना चाहती हूं कि फतेहाबाद का रिटरनिंग आफिसर सारे हिन्दुस्तान में पहला अफसर है जिसको होई कोर्ट ने यह कहा है कि पैटी ानर के खर्चे का आधा पैसा उसे देना पडेगा। तो आप ही बताएं कि हम ऐसे अफसरों का नाम लेने से कैसे बाज आ सकते हैं ? मैं जानना चाहती हूं कि उस अफसर को डिसमिस क्यों नहीं किया गया ? इस तरह से अफसरों को भ्रश्टाचार की ट्रेनिंग दी जा रही है इसलिए हमें नाम लेने पर मजबूर होना पडता है। स्पीकर साहब, आज के स्टेटसमैन अखबार में लिख है "लाई डिटैक्टर टैस्ट फार हाईजैकर्ज" मैं चाहती हूं कि हरियाणा विधान सभा में भी ऐसा लाई डिटैक्टर लगा दें फिर पता चल जाएगा कि भजन लाल और उनके साथी कितना सच बोलते हैं। सुरजेवाला जी के पास तो जरूर लगना चाहिए।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरेजवाल)ः लाई डिटैक्टर तो यहां लगा हुआ है। पता ही है कि कौन सच बोल रहा है और कौन झूठ बोल रहा है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरे पास 1982–83 की कम्पट्रोलर एंड आडिटर जनरल आफ इंडिया की रिपोर्ट है। इसके पेज 284 पर इररैगुलर अलाटमैंट आफ बस बाडीज के बारे में दिया गया है। इन्होंने 2.03 लाख रूपये फैबरीके ान वर्क पर ज्यादा खर्च किए हैं। इन्होंने फर्म के साथ एग्रीमैंट किया था कि अगर आप निर्धारित समय के बाद बस की डिलीवरी दोंगे तो आप पर 200 रूपये पर व्हीकल पर डे पैनेलिटी डाली जायेगी। दूसरी भार्त यह थी कि फैबरीके ान वर्क की कम्पली ान के बाद 180 दिन के अंदर अंदर अगर व्हीकल में कोई वर्कमैंनि ाप डिफैक्ट आ जाता है और उस वजह से व्हीकल आफ दि रोड रहता है तो उसके लिए 600 रूपया पर व्हीकल पर डे पैनेलिटी ली जायेगी। मैं कुछ एक बसों की मिसाल आपको देती हूं क्योंकि अगर सभी के बारे में बताऊंगी तो बहुत समय लग जाएगा। व्हीकल नं0 एच0आर0वाई0 1691 की चेसिज फर्म को 23.8.1980 को फैबरीके ान के लिए दी गई थी यह फैबरीके ज्ञन का काम 1.12. 1980 तक करना था लेकिन फर्म ने इस व्हीकल की डिलीवरी 34 दिनों के बाद यानि 4.1.1981 को दी। इसी तरह से व्हीकल नं0 एच0आर0वाई0 3891 की डिलीवरी निर्धारित समय से 115 दिन बाद दी गई और व्हीकल नं0 एच0आर0वाई0 3491 और 1091 की डिलीवरी निर्धातर समय से 134 दिन और 191 दिन बाद दी गई लेकिन इन्होंने फर्म से एग्रीमैंट के मुताबिक पैनेलिटी नहीं ली। इसी तरह से सभी डिपार्टमैंट का यही हाल है। फारैस्ट डिपार्टमैंअ की बात मैं आपको बताती हूं कि एक ही गांव में उसमें 3 लाख

94 हजार रूपये का गबन है और बाकी का आप खुद अंदाजा लगा लें। इसके अलावा मुलाजिमों ने मुझे एक दर्खास्त दी है और उनका मांग पत्र भी है कि उनके साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है। बुरा व्यवहार केवल इसलिये किया जा रहा क्योंकि ये मुलाजिम झूठी हाजिरी लगाने के लिए तैयार नहीं है। आप अंदाजा लगाएं कि एक जिले में अगर एक सौ झूठे मजदूर लगाये जाते हैं और उनकी 13 रूपये रोज की दिहाडी है तो 1300 रूपये रोज के हो गये। इसी प्रकार से 12 जिलों के 15600 रूपये रोजक के हो गये यानी स्टेट में रोज लगभग 16 हजार रूपए का गबन वे लोग करते हैं। जो अफसर ऐसा काम नहीं करते उनको तंग किया जा रहा है। स्पीकर साहब, मैं क्या क्या बताऊं ? यहा ंपर तो भ्रश्टाचार का खाता ही खुला हुआ है। कोई डिवैल्पमैंट का काम नहं हा रहा है न सडकें बन रही हैं और न नहरें खुद रही हैं। हम सुबह उजीना डाईव ्रन ड्रेन की बात कर रहे थे। उसमें 100 क्यूसिकस पानी भी नहीं आया और ये 28 करोड रूपया खा गये। आज स्टैट में सीवरेज सिस्टम का बहुत बुरा हाल है। मैं क्या बताऊं ? इनके एडमिनिस्ट्रेटर तो स्ट्रीट लाईट का ेभी खा जाते हैं आज सिवरेज का सडा हुआ पानी आपके भ्रश्टचार की कहानी कह रहा है। बच्चे सीवरेज के होल में गिर कर मर जाते हैं वह आपके पापो की कहानी बता रहे हैं। स्पीकर साहब, क्योंकि मेरे दूसरे साथियों ने भी बोलना है इसलिए अंम मैं यह कहना चाहती हूं कि उजीना डाइव ्रन ड्रेन के बारेम में इंक्वायरी करवाई जाएं मुझे इस

सरकार में रती भर भी यकीन नहीं है। इनको आपस में भी एक दूसरे पर भरोसा नहीं रहा। धन्यवाद।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर साहब, आपने बडी मेहरबानी की कि यह नो कंफिडैंस मो ान मंजूर किया है। पहले तो आपने कुछ और भाशा पढी थी जिससे हम घबरा गए।

श्री अध्यक्ष: मैं यह चाहता था कि आप में सस्पैंस पैदा हो। (हंसी)

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, यह कहना जरूरी है कि यह हमारा हक था जिसे हमने अवेल किया है। भाायद इस मो ान को लाने की नौबत ही न आती ..... और हरियाणा में पिछले पांच महीनों में लोगों पर जो कुछ बीता है उस पर थोडा लिबरली गौर किया जाता।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, ने जो रूलिंग दी है, उसको ये चैलेंज नहीं कर सकते। मेहरबानी करके हाउस की कार्यवाही से इन भाब्दों को निकाला जाए। यह देखना स्पीकर साहब, आपका काम है कि कौन सा मो ान रूल 84 के तहत आता है और कौन सा नहीं आता है।

श्री बीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मैं पे ो का वकील हूं और चेयर की इज्जत करना जानता हूं। ये तो क्लाइंट रहे हैं, वकील नहीं। हमें पता है कि नो कन्फीडैंस मो ान न मंजूर होगा

लेकिन यह सब जानते हुए भी हम इसे इसलिए लेकर आए कि पिछले 4 अप्रैल के बाद हरियाणा में जो कुछ हुआ है वह हाउस में रख सकें। लोगों के चुने हुए नुमायंदों के नाते यह हमारी मौरल डियूटी बनती है कि जो एक्अस आफ ओमि ान और कमि ान इसरकार के पार्ट पर हैं उनको एक्सपोज करें। हम यह बताना चाहतै हैं कि ये कहां खडे हैं, इन्होंन क्या किया है और क्या करना चाहते हैं, इसलिए हम यह मो ान लेकर आए। स्पीकर साहब, जब से चौधरी भजन लाल ने मुख्य मंत्री के पद को संभाला है तब से हरियाणा में 5 वर्श की एक योजना इनहोंने पूरी की। 1979 में जिस तरह से ये मुख्यं मंत्री बन कर आए सबको पता है। ये चौधरी देवी लाल के बारे में बडे खम्भ ठोक रहे थे कि इन्होंने उन्हें 1972 में दस हजार वोटों से पछाडा था। स्पीकर साहब, मैं आज यह कहना हूं कि चौधरी भजन लाल ने आदमपुर कांस्टीच्यूसंएसी में 20 हजार बोगस वोट बनाए हुए हैं। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इन्होंने इलैक ान कमि ान को दरख्वास्त दी थी और इलैक ान कमि ान ने वहां पर एक एक बोट को चैक किया है। कोई भी गलती नहीं मिली। इनको इस तरह की गलत बात नहीं कहनी चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब, बीच में बोल कर मेरा टाईम खराब क्यों करे हैं हैं, वे बात में इसका जवाब दे दें। स्पीकर साहब, वहां पर आज भी 20 हजार

बोगल वोट बनाए हुए हैं, चोधरी भजन लाल उन्हीं बोगस वोटों के सहारे से इलैक्ट होकर आते हैं स्पीकर साहब, मैं चैलेंज करता हूं कि मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल कहते हैं कि मैं चौधरी देवी लाल को 20 हजार वोटों से हरा कर आया था अगर आदमपुर कांस्टीच्यूएंसी में बोगस वोट वहां से कट जाएं तो चौधरी देवी लाल जी ही नहीं बल्कि ये किसी भी विरोधी पक्ष के मैम्बर के सामने आदमपुर हलके से चुनाव लडकर देख लैं, अगर ये जीत जाएं तो हम राजनीति छोड देंगे। फिर ये लोगौं से कहते हैं कि मैंने चौधरी देवी लाल को पछाड दिया और सोनीपत के चुनाव में यह कर दिया, वह कर दिया। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी देवलाल जी के बारे में बात कर रहा था। चौधरी देवी लाल जी श्री मोरारजी देसाई के पास गये थे उस समय चौधरी भजन लाल जी भी वहां पर मौजूद थे। चौधरी देवी लाल जी ने श्री मोरारजी देसाई के सामने इनको स्मगलर कहा था इन्होंने उस बात का बहुत बुरा मनाया और यदि कोई ऐसी भद्दी बात हो तो बुरा जरूर मनाना चाहिए लेकिन चौधरी भजन लाल जी चौधरी देवी लाल जी को कहते हैं कि तुम्हारा लड़का घडियों के साथ पकडा गया था आप मुझे किस मुंह से स्मगलर कहते हो। स्पीकर साहब, एक आदमी के पास 15–20 घडिंया पकडी जाएं और आनरेबल अदालत ने उनको बरी भी कर दिया है। स्पीकर साहब, आप ही बताएं कि कोई आदमी 20 घडियों की स्मगलिंग करेगा जिसका पिता स्टेट का मुख्यमंत्री हो और 20 घडियों में तो 10, 20, 30 हजार रूपये की ही तो कमाई हो सकती है लेकिन मुख्य मंत्री के

इ ाारे पर तो लाखों रूपये आ जाते हैं उसका बेटा कैसे स्मगलर हो सकता है। चौधरी भजन लाल के खिलाफ तो स्मगलिंग के मामले में एफ0आई0आर0 दर्ज हैं मैं यह रिकार्ड की बात कहता हूं वह रिकार्ड आज भी मौजूद है। इनके खिलाफ 7–8 एफ0आई0आज0 दर्ज हैं हमारे आई0पी0एम0 साहब चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी भी काफी जो ा में कह गये कि चौधरी देवी लाल जी एंटी ने ानल हैं, और दे ाद्रोही हैं। चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं पहली भी रहे हैं और अब भी हैं बडे सोबर आदमी हैं मैं इनकी इज्जत करता हूं। मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि मैं और आप पैदा भी नहीं हुए थे, जिस वक्त इस कांग्रेस पार्टी के नाम पर आप वजीर बने बैठे हैं, के सर्वेसर्वा राश्ट्रपिता महात्मा गांधी हुआ करते थे और उस समय वह फ्रीडम मूवमैंट को चलाच रहे थे। उस मूवमैंट में चौधरी देवी लाल जी 17 साल की उम्र में जेल गये थे। जब तक हमने हो ा संभाला उस उम्र तक की चौधरी देवी लाल जी जेल काट चुके थे। उस आदमी को ये दे ाद्रोही कहते हैं जिनाहेनं दे ा की आजादी के लिए जेल काअभ। स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी चौधरी देवलाल जी बडे नाराज हैं क्योंकि चौधरी देवी लाल जी ने यह कहा था कि उन्होंनें सर छोटू राम के खिलाफ लडाई लडी है। इस बात से चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को बडा गुस्सा आया और इन्होंने कहा कि जब सोनीपत के इलैक ान हुए तो उस समय चौधरी देवी लाल जी सर छोटू राम जी को फोटो उठाये फिरते रहे और उनका नाम लेकर सबसे बडे

अपरच्यूनिस्ट बने और वहां के लोगों से वोट मांगे। स्पीकर साहब, इस समय चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी हाउस में हाजिर नहीं हैं। मैं उनको बताना चाहता था कि सर छोटू राम गरीब मजदूरों और किसानों के रहबर नेता थे और रहबर नेता खून के रि ते से नहीं हुआ करते बल्कि सामाजिक तौर पर हुआ करते हैं। सर छोटू राम किसानों के इतन रहबर थे कि उनहोंने गरीब मजदूरों और किसानों के लिए सारी उम्र तक लडाई लडी। सर छोटू राम जी हमारे भी नेता थे। इसलिए मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह को बताना चाहता था कि सर छोटू राम के साथ उनका खून का रि ता होने से उनकी कोई मनोपली नहीं है। हमारी भी उनके नाम के साथ मनोपली है। यह बात ठीक है कि फ्रीडम मूवमैंट के समय चौधरी देवी लाल जी कांग्रेस पार्टी में थे और यह भी हो सकता है कि चौधरी देवी लाल जी ने सर छोटू राम की इच्छाओं के अनुसार उनकी मदद न की हो जिसकी वजह से दोनों में थोडा बहुत मतभेद रहा हो परन्तु चौधरी देवी लाल ने यह कभी नहीं कहा कि उन्होंने उनको अपना नेता न माना हो। स्पीकर साहब, हम समझते हैं कि आज हरियाणा प्रांत में ऐसे हालत हो चुके हैं जिनके कारण हरियाणा प्रान्त के किसानों और गरीब मजदूरों में आर्थिक संकट इतना आ चुका है कि उनका वजूद खतरे में हें हम यह समझते हैं कि हरियाणा के गरीब किसानों और मजदूरों कोकेवल सर छोटू राम की पालिसी के तहत ही बचाया जा सकता है इसलिए हम सर छोटू राम के फोटो उठाएंगे और उनके नारे लगाएंगे क्योंकि हमने प्रान्त के किसानों और मजदूरों को बचाना है। इसलिए हम उनके

अनुयायी बन कर आ रहे हैं। मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से पूछना चाहता हूं कि यदि खून के रि ते की ही बात होती है तो फिर आज आप कांग्रेस पार्टी की कुर्सी पर क्यों बैठे हैं ? सर छोटू राम तो कांग्रेस के खिलाफ थे और सर छोटू रा ने किसानों और मजदूरों को 1936, 1937 और 1938 में जो रिलीफ दिया था, उसको आप उनसे वापिस ले रहे थे। पिछले सै ान में आप कोआप्रेटिव एक्ट को बिल के जरिए अमैंड कर रहे थे और सर छोटू राम ने जो रिलीफ गरीब किसानों और मजदूरों को दिए थे, वे वापिस ले रहे थे। उस बिल का हमने डट कर विरोध किया था क्योंकि उस अमैंडमैट के जरिए किसन और मजदूरों का अहित होना था। अब आप बताएं कि सर छोटू राम के हम अनुयायी हैं और आप हैं स्पीकर साहब, इन्होंने हरियाणा प्रांत में किस प्रकार की लूट मचाई हुई है उसके बारे में मैं ऐसी कोई बात नहीं कहूंगा। मैं केवल मैगजीन और अखबार के लेख कोट करूंगा। मुझे अखबारौं और मैगजीन से जो खबर मिली हैं वही आपके सामने कोट करूंगा। मैं कोई गैर जिममेदाराना बात नहीं कहूंगा। सबसे पहले मैं फोर्मसी कालेज के बारे में कहना चाहूंगा। पिछले चार दिन से हम इस बारे में पूछते आ रहे हैं और हमने फार्मेसी कालेज के बारे में आपकी सेवा में कुछ मो ांज भी दी थीं लेकिन वे कुछ टैक्नीकलटीज की वजह से एडमिट नहीं हो सकीं। उसके बारम मे ंहमें आपसे कोई गिलाच नहीं है लेकिन मैं यह बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रांत में फार्मेसी कालेजों में जो लूट मचाई हुई है। वह अखबारों के अंदाजे के मुताबिक करोडों रूपया

मिनिस्टरों की जेबों में चला गया है। मैं किसी व्यक्ति वि ोश का नाम नहीं लेना चाहता। मुझे ये कहते हुए बडा अफसोसा हेाता है और जैसे मुझे बताया गया है कि जो पंचकूला में फार्मेसी कालेज है, उसकी मैनजमैंट के संरक्षक हमारे मुख्य मंत्री महोदय हैं। जो तरावडी और करनाल में फार्मेसी कालेज हैं उसकी मैनेजमैंट के संरक्षक राज्य मंत्री चौधरी चन्दा सिंह के परिवार का कोई मैम्बर है और सिरसा के फार्मेसी कालेज की मैनेजमैंट के संरक्षक श्री लछमन दास अरोड़ा है। स्पीकर साहब, मैं आपको अखबार में फार्मेसी कालेजों के बारे में जो लेख लिखे गए हैं उनकी 5–10 लाईन पढ कर सुनाऊंगा। इसमें लिखा है –

"पिछले एक वर्श के दौरान हरियाणा में कुछ प्राइवेंट फार्मेसी कालेजों ने फार्मेसी कौंसिल आफ इंडिया के निर्दे ाों का उल्लंघन करके दो वर्शीय डिप्लोमा कोर्स में छात्रों को प्रवे ा दिया है। अब चूंकि कौंसिल ने इन गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों के छात्रों को परीक्षाओं मैं बैठने की इजाजत नहीं दी है इसलिए लगभग एक हजार छात्रों का भविश्य अधर में लटका हुआ है।"

अध्यक्ष महोदय, फार्मेसी कालेज की एक क्लास में 40 छात्रों से ज्यादा छात्रों को एडमि ान नहीं दिया जाता सकता इनहोंनें दो क्लासों में 180 और 132 छात्रों को एडमि ान दिलाया जबकि 80 से ज्यादा छात्र एडमि ान नहीं ले सकते और उन लडकों से फार्मेसी कालेज वालों ने 10–10 और 20–20 हजार रूपए एडमि ाश्न के ले लिए और उनको 4420 रूपए की रसीद

काट कर दे दी बाकी के पेसे मैनेजमैंट की जेब में चले गए। एडमि ान देते वक्त लडकों को बहकाया गया कि इस कालेज को फार्मेसी कौंसिल आफ इंडिया की रिकोगनाइजे ान मिली हुई है। लडकों को यह बताया गया कि यह फार्मेसी कालेज फार्मेसी कौंसिल आफ इंडया से रिकोगनाइज्ड है। स्पीकर साहब, जब परीक्षा का समय आया तो लडकों ने कहा कि हमारी परीक्षा ली जाएं लेनि वह परीक्षा कैसे लेते क्योंकि उनकी एप्लीके ान फार्मेसी कौंसिल आफ इंडिया ने रिजैक्ट कर दी थी और कहा कि हम परीक्षा किस नाम की लें न तुम्हारे पास स्टाफ है, न जगह है, न फर्नीचर है, न कुर्सी है, न कमरे हैं और न टीचर हैं। फिर उसके बाद ये डायरैक्टर टैक्नीकल एजुके ान के पास पहुंच। टैक्नीकल एजुके ान का महकमा भाायद चौधरी चन्दा सिंह के पास है इन्होंने डायरैक्टर टैक्नीकल एजुके ान से फर्जी लैटर लिखवाया कि मैं फार्मेसी कालेज को रिकोगनाइज करता हूं लेकिन उसको रिकोगनाइज करने की कोई पावर नहीं है। फार्मेसी कोंसिल आफ इंडिया के एक्ट के अनुसार डायरैक्टर टैक्नीकल एजुके ान को रिकोगनाइजे ान करने की पावर नहीं है। स्पीकर साहब, एक करोड रूपए का स्कैंडल हुआ और वह खबर अखबारों में आई, अखबारों में संपादकीय लेख लिखे गये और हिन्दी ट्रिब्यून में भी एडीटोरियल लिखे गए लेकिन चौधरी भजन लाल जी टस से मस नहीं हुए।

लोग क्या अंदाजा लगाएंगे ओर क्या समझेंगे ? लोग समझेंगे कि चौधरी भजन लाल जी के मंत्रियों के खिलाफ खुले एलीगे ांज लग रहे हैं और ये कुछ नहीं कर रहे। इनके मंत्री टैक्नीकल एजुके ान आफ गवर्नमैंट आफ हरियाणा के नाम से फार्मेसी कालेजिज को रिकोगनाईज कर रहे हैं। इस धंधे के जरिए लाखों रूपया कमाया जा रहा है। आपको यह बातें बताई जायें तो आपको चोट लगती है। फिर आप कहने लग जाते हैं कि हमें क्रप्ट क्यों कहा जा रहा है। जब इस प्रकार की धांधलियां हो रही हों तो क्या आपने चंदा सिंह जी को अपने पास बुला कर पूछा कि भाई यह एलीगे ांज कैसे लग रहे हैं और क्यों यह खबर बार बार अखबारों में छप रही है ? आप द्वारा कुछ भी ऐक ान न लेने पर लोग समझेंगे कि इस लूट में चौधरी भजन लाल जी का भी हाथ है और इनकी मर्जी से ही सब कुछ हो रहा है।

स्पीकर साहब, अब मैं माइंज के बारे में जिक्र करना चाहूंगा। इस बारे में ज्यादा बातें विस्तार से तो डा0 मंगल सैन जी और तैय्यब हुसैन जी ही बता पाएंगे। लेकिन जो मुझे जानकारी है उसके आधार पर मैं यह बताना चाहूंगा कि इन माइंज में क्या लूट मची हुई है। एक मैगजीन 'आन लुक' है। यह मैगजीन 22 अगस्त की है। इसका रेल्वेंट पोर ान मैं केवल इतना ही पढाना चाहता हूं –

"The Aravali Khanij Udyog in which The CM and his business and his business partner Pokhar Mull of Adampur

have benami shares was given a long term leasee of 130 hectares of land in Chahlka, Gurgoan ....."

स्पीकर साहब, इससे आगे एक और लाईन मेरे अच्छे दोस्त लाल सिंह जी के बारे में हैं। उस लाईन को मैं यहां पर अब पढना नहीं चाहता। इसी के आगे एक और लाईन एक आफिसर के बारे में हैं। उसका भी मैं यहां पर जिक्र नहीं करना चाहूंगा। इन दोनों लाईनों का मैं इग्नोर करता हूं। इस मैगजीन के अंदर यह भी लिखा हुआ है कि इन माइंज को लीज पर दे दिया गया है और किस प्रकार से रूल 9 को वायले ान किया गया हैं इसमें साफ साफ लिखा है कि इन्होंन इस रूल 9 को किस प्रकार से छोडा हैं इस बारे में लिखा गया है –

"Rule 9 of the convenants lays down, among other things, that "If any mineral not specified ini the lease is discovered in the lesses area, the lessee shall not mine or dispose of such mineral unless it is included in the lease or a separrate lease is obtained."

स्पीकर साहब, ठेका तो सिलीका का दिया गया था लेकिन जब वहां पर सिलीका नहीं मिला तो रैंड सैंड निकाल लिया गया। उन्होंने यानी कन्ट्रैक्टर्ज ने रैड सैंड निकालना ही भुरू कर दिया। इसको वे ऐसी जगह से निकालते रहे जहां पर लेबर को बहुत ही खतरा बना रहता था। इस बारे में अखबारों में भी आया। इसका एक हैंडिंग है –

"How Bhajan Lal's Men Make Rs. 5 lakhs A Day?"

लौग तो कहते हैं कि 20 लाख रूपए प्रति दिन कमाते थे। पर मैं तो वहीं कह रहा हूं जो मैगजीन ने लिखा है। स्पीकर साहब, जिस कन्ट्रैक्टर के पास यह ठेका था उसने लीज को आगे सब लैट कर दिया जो कि रूल के हिसाब से गलत था। ये सब कन्ट्रैक्टज्र से गल्ला लेते रहे और काफी पैसा इस तरह से इकट्ठा कर लिया। इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट को हुकम दिया गया कि वहां पर कोई चैंकिंग न की जाए जबकि इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट का चैंकिंग के लिए फर्ज बनता था।

चौधरी भजन लालः जब हम जवाब दें तो आप यहीं पर बैठे रहें। कहीं वाक आउट करके चले मत जाना।

श्री वीरेन्द्र सिंहः हम यहीं पर रहेंगे।

चौधरी भजन लालः जब हम जवाब देते हैं तो आप यहा ंपर नहीं रहते बल्कि वाक आउट करके बाहर चले जाते हैं। मेहरबानी करके जब मैं जवाब दूं यही ंपर बैठने का कश्ट करना।

श्री वीरेन्द्र सिंहः हम वाक आउट क्यों करें ? आपकी बात को भी सुनेंगे। स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि किस प्रकार से सरकार ने लूट मचा रखी है। सब कन्ट्रैक्टर्ज 175 रूपये का ट्रक भेजते रहे और ये रसीद 220 रूपये की काटते रहे। सब कन्ट्रैक्टर्ज से ये जो लेते थे उसके अलावा भी 45 रूप्ये रायलटी लोड के खाते थे। इन मांइज में धांधली होने के कारण बजुत भाोर मचा था। गवर्नमैंट आफ इण्डिया के डायरेक्टर कोई मि0 जैन

हैं, उन्होंन यह कहा था कि यह सब कुछ गलत हो रहा है और माइंज रूल्ज के खिलाफ है। यह धंधा लगातार चलता रहा लेकन कभी भी मुख्य मंत्री जी ने कौई बयान नहीं दिया। मैं आपको सिर्फ वहीं बातें बता रहा हूं जो अखबारों और मैगजनों में छपी है। जब ये कुछ भी कदम नहीं उठा रहे तो लोग यही समझेंगे कि इसमें भजन लाल जी का भी हिस्सा है। अगर इस ऐक ान न लेने की वजह से आप बदनाम हो रहे हैं तो उसके लिए विपक्ष जिम्मेवार नहीं है। उसके लिए आप खुद जिम्मेदार हैं क्योंक उसमें आपकी हिस्सेदारी हो सकती है। स्पीकर साहब, यही नहीं, पिछले सत्र में एक परचेज कमेटभ का जिक्र आया था। उस समय सी0एम0 साहब ने तपाक से कहा था कि 20–25 लाख रूपये से जो ज्यादा परचेज की जानी होगी, वह कमेटी सी0एम0 की चेयरमैन ि ाप में होगी। उस सत्र में पेस्टीसाइडज स्कैण्डल नाम से बात उठी थी। उस समय मैंने काफी एतराजात उठाए थे और सप्लीमैंटरीज भी पूछी थी कि साहब आपने यह कमेटी क्यों बना ली। इन्होंने जवाब दिया था कि मैंने तो नैगोि ाए ान करके और प्राइसिज को कट करके, उसको नीचे लेकर आया हूं। इससे स्टेट को बहुत फायदा पहुंचा है। उस समय हम भी मान गए कि सी0एम0 साहब ने अच्छा काम किया है और फिर हम भी आराम से बैठ गए। स्पीकर साहब, एक मैगजीन चण्डीगढ से निकलता है। इस मैगजीन को कोई रात को मेरी चारपाई पर छोड़ गया। जिस समय कोई इसे रख कर गया उस समय मैं कमरे में नहीं था। यह बात मैं आपको पूरी ईमानदारी के साथ बता रहा हूं। इस मैगजीन का नाम वायस है।

जब मैंने इसकाचे चारपाई से उठा कर इसका पेज 22 देखा तो मैं हैरान रह गया। इस पेज पर इनकी गोगल्ज के साथ फोटो खिंची हुई दिखाई गई है। इस फोटो के अंदर ये बहुत ही सुंदर लग रहे हैं इसमें कोई भाक नहीं कि ये सुंदर हैं ये बहुत ही सुंदर हैं मैं इस बात का मानता हूं इस मैगजीन के अंदर उस परचेज कमेटी का जिक्र किया गया है कि जो इनकी अध्यक्षता में बनी हुई है। इसके अंदर इनकी परचेज कमेटी का अच्छी प्रकार से कच्चा चिट्ठा ही कहना चाहूंगा। इनको गर्व नहीं करना चाहिए कि नैगोि ाए ान करके प्राइसिज को नीचे लेकर आये और स्टेट को इतने पैसे का फायदा पहुंचाया। जैसा मैंने पहले जिक्र किया, जिस समय इन्होंने यह कमेटी बनाई थी उस समय मैंन खद ाा जाहिर किया था। अध्यक्ष महोदय, जिस समय फर्म वालों को यह पता लगा कि ऐसी परचेज कमेटी सी0एम0 साहब की चेयरमैंनि ाप में बनी है तो उन्होंने भी अपना प्रबंध कर लिया। फर्म वालों ने नैगोसिए ान तो कर ली, लेकिन माल उनहोंनें सब स्टैंडर्ड का सप्लाई कर दिया। ये खुद व्यापारी रहे हैं इनको अच्दी तरह से पता होगा कि व्यापारी कभी भी घाटे का सौदा नहीं करता बल्कि मुनाफा कमाता है।

“Whether thet commodity was supplied to the State Government at “reduced rate or not”, it was found to be sub standard. The fact, remains that most ot the samples okayed by the State’s laboratory have been found to be deficient after further testing was undertaken in a Delhi laboratory according to P.S. Dass, Director in the Indian Standards Institute.”

अब मुख्य मंत्री जी क्या कहेंगे ? कैसे हम आपको दूध की तरह उजले मान लें ? आपके कारनामे तो लैबेरेटरी में टैस्ट हो रहे हैं। आपने नैगोि ाए ान कर के फर्मों से सब स्टैंडड्ड मैटीरियल लेकर पैसे लिए और जेबें भर लीं और फिर कहते हैं कि हमने प्रदे ा का बहुत कुछ बचा लिया ? स्पीकर साहब, मैं किस किस बात का जिक्र करूं। सारे राज में लूट मची हुई हैं इतनी लूट है जिसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता।

स्पीकर साहब, 1980 में सीरा के नाम पर सीरा सकैंडल हुआ था। भजन लाल जी मैं बडी पुरानी बात कह रहा हूं। चौधरी भजन लाल जी ने 14 हजार क्विंटल सीरा 6 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से एक फर्म का बेच दिया। फर्म ने इससे कैटल फीड तैयार करनी थी। यह फर्म हिसार की थी। फर्म का नाम था लक्ष्मीनारायण। इस फर्म ने 6 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 14 हजार क्विंटल कैटल फीड बनाने के लिए सीरा खरीद लिया लेकिन इसने रोहतक के एक इंडस्ट्रियलिस्ट को 100 रूपया प्रति क्विंटल के हिसाब से यह सीरा बेच दिया। उसको 94 रूपयें प्रति क्विंटल बीच में से मुनाफा हो गया। इसके बाद वह भाग गया, इसकी तला ा की गई और केस दर्ज किया। फिर विजिलैंस डिपार्टमैंट को फर्जी तार पर केस सौंपा गया। लेकिन वह आदमी नहीं मिला। चौधरी भजन लाल जी सीरा सकैंडल में 20 लाख रूपये से ज्यादा घपला है। उस आदमी का पता हम बताते हैं। वह पंजाब स्टेट के दनदना कर बिजनैस कर रहा है। लुधियाना के पास एक गांव है

उसमें रहता हैं उसके खिलाफ केस रजिस्टर्ड है, आप उसको जरा गिरफ्ताचर करके दिखाइए। उस आदमी का नाम मदन लाल, बाप का नाम प्यारे लाल है और वह अहलुआ गांव की मंडी में रह रहा है। यह गावं जिला लुधियाना में है। वहां पर वह ठाठ से दनदना रहा है, आप उसको गिरफ्तार करके दिखाइए। स्पीकर साहब, मैं किस किस स्कैंडल का जिक्र करूं। इस गवर्नमैंट के बनने के बाद इतने स्कैंडल हुए हैं कि लोग अन्तुले और जगन्नाथ मिश्रा को भूल गये हैं। This Govt. is banking on corruption. कुरप ान की इस गवर्नमैंट से बुरी तरह से बदबू आ रही है। आप पटवारी के पास जाओ, टीचर के पास जाओ, तहसीलदार के पास जाओ, सब खुल्लमखुला रि वत ले रहे हैं यहां तक जुर्रत करते हैं कि अगर आपको रि वत की रसदी चाहिए तो रसीद देने के लिए भी तैयार हैं और कहते हैं कि जब ऊपर खुल्लम खुला काम हो रहा है तो हम क्यों चुप बैठें। भजन लाल जी आप के राज में यह देखा हैं आपको कोई बात कह दें तो आपको बडी भारी चुभती है। (घंटी) स्पीकर साहब, मेरे तो अभी 10 मिनट बाकी हैं और आपने घंटी बता दी।

श्री अध्यक्षः नहीं आपने 11.15 पर बोलना भुरू किया थां

श्री वीरेन्द्र सिंहः फिर भी मेरे दो चार मिनट बाकी हैं।

श्री अध्यक्षः आल राईट, आप दो मिनट और बोल लीजिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, एम0एल0ए0 साहिबान को मैं कुछ नहीं कहता, लेकिन इनकी गांव गांव में चर्चा है। भाहर भाहर में जिक्र हो रहा है कि हरियाणा को लूटा जा रहा है और यह भाो करते हैं कि इनका इम्मेज बहुत अच्छा हैं मुख्य मंत्री जी भेज बदल लेते हैं क्योंकि भाखडा में इन्होंने भेस बदला था। अगर आपमें विक्रमादित्य का गुण आ गया है तो भेस बदल कर किन्हीं 5 आदमियों से पूछना कि भजन लाल जी कैसे मुख्य मंत्री है। तब आपको सही पता लगेगा कि आपके बारे में लोग क्या सोचते हैं अब थोडा सा ताउडू और फतेहाबाद के इलैक ान का जिक्र करना चाहता हूं। फतेहाबाद के इलैक ान में इन्होंने जो कुछ किया उसका हाई कोर्ट ने बिफिटिंग रिप्लाई दिया है कि किस प्रकार गवर्नमैंट म ाीनरी का इस्तेमाल किया गया। दस दस दिन तक सरकारी आफिसरों की फौज सरकारी गाडियों में एक कोने से दूसरे कोने तक घूमती रही। इन्होंने सरपंचों को सस्पैंड किया, तैय्यब हुसैन के आदमियों पर झुठे मुकद्दमें बनाये और जो डिवैल्पमैंट के काम हो रहे थे उनको एकदम स्टोप कर दिया। स्पीकर साहब, हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की हालत बडी गंभीर है। मैं अपने साथियों से कहूंगा कि कि आदमी को अपनी आत्मा को कुरेदन का आज टाईम है। वोट देने से पहले आदमी

को अपनी आत्मका को कुरेदना जरूरी है। बस, मैं इतना ही अर्ज करना चाहता था।

श्री मंगल सैन (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, वश्र 1984 में लाये गये अवि वास प्रस्ताव पर सदन में चर्चा हो रही है। पिछले साल भी हमने अवि वास प्रस्ताव लाने की कोि ा ा की थी परन्तु हमारी कोि ा ा कामयाब नहीं हुई और बडा अन प्लेजैंट टैस्ट बडी देर तक सदन में चलता रहा। स्पीकर साहब, जब भाुरू में हमने मो ान दी थी तो आपने औबजर्वे ान देते हुए फरमाया था कि हमको बिल्ज पर बोले हुए मौका मिल गया था। मनी बिल्ज पर गवर्नमैंट को आचउस्ट करने का मौका मिल गया था। उस वक्त आउस्ट कर देते। स्पीकर साहब, ाअप जातने हैं कि रूल्ज में यह प्रोवीजन है कि रूल 65 के अंतर्गत सरकार के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव लाया जा सकता है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि हर प्रोवीजन का अपना अपना महत्व है। स्टार्ड क्वै चन का अपना महत्व है, अनस्टार्ड क्वै न का अपना महत्व हे। इसी तरह काल अटैंशन मो ान, हाफ एन आवर डिस्क ज्ञन रूल 84 के तहत मो ान देना, इन सब का अपना अपना महत्व है। कई बार हमें इस मैयर को अडोप्ट कने के लिए मजबूर होना पडता है क्योंकि जब हमारे लिए सारे दरवाजे बंद हो जाते हैं तो अवि वास का प्रस्ताव लाना ही पडता है।

श्री अध्यक्ष: रूल्ज के मुताबिक दरवाजे खुले हैं जो रूलज बने हैं, I will go according to them and the conventions

adopted by my predecessors, very intelligent persons. You cannto say that I have not admitted your call attention motion or any other motion.

श्री मुगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने यह नहीं कहा है। मैंने कहा है कि रूल्ज ही दरवाजे बंद कर देते हैं। जब सारे रूलज दरवाजा बंद कर देते हैं तो इसी रूल के सहारे हमें अपनी बात कहनी पडती है और यह रूल इसी लिए रखा है। अध्यक्ष महोदय, मेरे दो आदरणीय दोस्तों ने बडे विस्तार से अपनी बातें कहीं लेकिन कुछ बातें मेरे जिम्मे छोड दी हैं। स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी बुरा न माने, मैंन इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या इनका कोई इम्मेज है ? इसी सदन के एक नवयुक साथी चौधरी सुरेन्द्र सिह ने कहा कि हमारी बड़ी पापुलैरिटी है। 72 करोड की जनता के हर सियासी जलसे में हरियाण की जमहूरियत की चर्चा होती है। स्पीकर साहब, आप ही बतायें जनता ने इनके 36 एम0एल0एज0 को चुनकर भेजा था। ये 36 से 58 कैसे बन गये ? मेरी इस बात का बुरा नहीं मानना चाहिए।

चौधरी भजन लालः आप तो 5 ही थे।

श्री मंगल सैनः हम 6 थे, एक का केस सुप्रीम कोर्ट में लटक रहा है, इसमें गलत क्या है ? अगर तपासे जी हम पर कृपा कर देते तो हम भी वहां बैठे मिलते और आप यहां।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

तो डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि हरियाणा सरकार का इम्मेज नहीं है। It is a Government that hs not direction. Sir, the imprssion is that this Government is being run by 1, Safdarjang Road, New Delhi. जो वे कहेंगे वह ये करेंगे। ठीक है, इनकी मजबूरी भी है क्योंकि जिन्होंने उनका हुकम नहीं माना, चाहें कोई पटना मैं था, जयपुर में था, बम्बई में था या कहीं भी था, उस बेचारे को जाना पड़ा। डिप्टी स्पीकर साहब, भजन लाल जी कहते हैं कि हरियाणा सरकार का बडा इमेज है। भजन लाल जी आप हमारी बात तो जाने दो, जुडीि ायरी की इज्जत तो आपके मन में होगी ? श्री बृज मोहन सिंगला आपकी मंत्रि परिशद के नव युवक सदस्य थे। उनको अन सीट करते हुए जुडीि ारूरी ने जो स्ट्रिक्चर्ज पास किए हैं, वे यहे हैं कि इस किस्म की इंटेग्रिटी वाला जो आदमी है जो जनता को दगा और धोखा देकर मंत्रि परिशद में जा सकता है, उसके बयान पर वि वास नहीं किया जा सकता। This is the evidence, Sir. यह डौकुमैंटरी ऐविडैंस है। इसके बाद भी इन्हें कोई और सर्टिफिकेट चाहिए। ? अगर चाहिए तो दूसरा सर्टिफिकेट दे दता हूं। श्री लीला कृश्ण जी पीछे बड़े उदास बैठे हैं। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय जज महोदय कहते हैं कि रिटर्निंग औफिसर ने सरसर बेईमान की है। उस आदमी ने उनके बोटर्ज की गिनती जान बूझकर बढाई है। ऐसे आदमी के ऊपर कौस्ट डाली जाएगी। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से जानना चाहताउ हूं कि अगर कानूनी राज की इनके मन में कोई कद्र है,

जम्हूरियत में जुडीि ायरी के लिए कोई जगह है, तो क्या आपने उनके खिलाफ कोई ऐक ान लिया। उनको ससपैंड किया ? उनको आपने कहा होता कि जाओ हरियाणा और पंजाब हाई कोर्ट ने आपके खिलाफ जो स्ट्रिक्चर्ज पास किए हैं, उनको साफ करवा कर आओ, सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट लेकर आओ। लेकिन दबे बैठे हैं। कोई परवाह नहीं है।

डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार की फंक ानिंग का तो कहना ही क्या है। उसके बारे में मैं जरा आगे चल कर बताऊंगा। यहां तो मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि यह गवर्नमैंट हरियाणा के इंट्रैस्टस को प्रोटैक्ट करने में टोटली फेल हुई है। मैंने कहा कि ाई पेपर के ऊपर बहस हो जाए लेकिन हमें कौन बहस करने देता है ? मजबूर होकर हमें लाईब्रेरी में पुस्तकें ढूंढनी पडती हैं, इनको कंफ्रंट करने के लिए रात दिन उनके पन्ने उलटने पडते हैं। वाईट पेपर सैंट्रल गवर्नमैंट ने छापा है। इसके सफा 9 पर लिखा है कि साहब हमने यह प्रस्ताव रखा था कि पानी का मामला ट्रिब्यूनल को दे दो, चण्डीगढ पंजाब को दे दो और चंडीगढ और अबोहर फाजिल्का का मामला भी ट्रिब्यूनल को दे दो, या फाजिल्का के दो हिस्से कर दो और चंडीगढ पंजाब को दे दो। मैंने बार बार प्रैस में यह बात कही कि नए गवर्नर, बन्री साहब आए हैं जो तपासे साहब से छोटी उम्र के नजर आते हैं उनकी तबीयत भी ठीक है, वे अच्छी प्रकार से हमारी बात सुन भी सकते हैं। इसलिए श्रीमान जी सै ान बुलाओ और हमें बताओ कि क्या

हो रहा है। यह कैसे हो गया ? यह बात क्यों रखी गई और किससे पूछ कर रखी गई जबकि आप बार बार यह कहते रहे हैं कि अगर चंडीगढ पंजाब को जाएगा तो फाजिल्का, अबोहर हमको मिलेगा। पानी के बंटवारे के संबंध में और कोई फैसला नहीं हागा जो फैसलाच हो गया है वही रहेगा। (विघ्न) फिर कहा गया है कि पानी वाले मामले को सुप्रीम कोट के सु पुर्द कर दो। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिनसे हमारा तकाजा है, जो फरीक हमसे झगडा किए हुए हैं, जो लोग हमारा पानी छीनना चाहते हैं, हमारी जमीन को हडप करना चाहते हैं उन्होंनें कभी किसी अदाल की बात को माना है ? कभी नहीं माना हैं भााह कमी ान ने चंडीगढ हरियाणा को दिया था। उसके बाद प्रधान मंत्री का अवार्ड आय लेकिन उन्होंने किसी को नहीं माना। चौधरी भजन लाल जी आपने ही प्रधान मंत्री की इज्जत रख ली होगी। आप उनसे एस0वाई0एल0 नहर की खुदाई के लिए कस्सी करवा कर आए थे लेकिन आज भी नहर की खुदाई का काम वहीं का वहीं पडा हैं (विघ्न) हम मानते हैं कि हम अपने समय में कुछ नहीं कर पाए, हम फेल रहे लेकिन आप कुद हिम्मत कर लो। पंजाब में आपकी सरकार है, गवर्नर की सरकार है। आपको कौन रोकता है एस0वाई0एल0 को खोदने के लिए ? सैंटर की गवर्नमैंट की नीयत खराब है। वह नहीं चाहती कि हरियाणा को पानी दिया जाए। इसलिए हमें मजबूर होकर इस सरकार के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव लाना पडता है। इन पर हरियाणा की जनता का भरोसा नहीं है। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं

कहना चाहता हूं कि पानी और चंडीगढ के बारे में स्टैंड ि ाफ्ट करके इन्होंने हरियाणा को नुकसान पहुंचाया है। भाखडा नहर दो बार टूटी हैं। ये कुछ नहीं कर पाए। केन्द्रीय सरकार को कुछ समझा नहीं पाए। खैर, मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता क्योंकि कल इस पर बोलने के लिए अवसर मिलने वाला है।

डिप्टी स्पीकर साहब, ये पैसे का किस बेरहमी से इस्तेमाल करते हैं, यह भी देखने वाली बात है। इन्होंने चुनाव सभाएं करनी भाुरू कर दी हैं। भजनल लाल जी के एक एक हल्के से तीन तीन उम्मीदवार होंगे। कुछ कांग्रेस के होंगे, कुछ इनके होंगे। राजीव गांधी को लाया जा रहा है। ठीक है वे फिरोज गांधी के लख्ते जिगर हैं और कांग्रेस (आई) के जनरल सैक्रेटरी हैं। कांग्रेस जलसे में उन्हें ले आएं तो कोई बात नहीं लेकिन हरिजनों को पट्टे की मलकियत या टाईटल बंटवाने का फंक ान प्रिजाइड करने के लिए उन्हें लाया जाए तो यह कहां की प्रोपाइटी है ? इन प्रोपाइटीज को पांव तले मत रौंदो। जम्हूरियत की अच्छी रिवायतों को खराब मत करो। अगर हरियाणा के और हिन्दुस्तान के आवाम को यकीन हो गया कि वोट से हमारी तकदीर का फेसला नहीं होने वाला है और कहीं वे गलत रास्ते पर चल पडे तो उसके लिए आप गुनाहगार होंगे।

डिप्टी स्पीकर साहब, मंत्री परिशद तो इनकी लाजवाब हैं क्योंकि खुद भी ये लाजवाब हैं। एक मंत्री महोदय ने मजदूर

को इतना पीटा कि पीटते पीटते जमना नगर में ले गए। फिर एक गन मैंन पर गोली दाग दी। (विघ्न) देखना भाई यहां ऐसा न करना, हम गरीब आदमी यहां बैठे हैं। (हंसी) भजन लाल जी कहते तो है कि ि ाकायत करो, हम ऐक ान लेंगे लेकिन मैं आपके द्वारा इनसे जानना चाहता हूं कि आपने इनके खिलाफ क्या ऐक ान लिया ? इनके एक और होनहार वजीर इन्हीं के पीछे बैठे हुए हैं। जिनकी खानों के मामले में बडी चर्चा है। ये खानों के पुराने ठेकेदार हैं। ये बडे गुरू आदमी हैं। (विघ्न एवं भाोर)

12.00 बजे।

डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे अपने बच्चे नहीं है तो मेरे भाईयों के तो बच्चे हैं वे भी मेरे बेटों के ही समान हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, आप हैरान होंगे कि किस बेरहमी के साथ इन लोगों ने खानों को लूटा है। खानों के विशय में मेरे आदरणीय मित्र श्री वीरेन्द्र सिंह जी ने काफी विस्तार से बताया है। डिप्टी स्पीकर साहब, एक आन लूकर अखबार है वह इन की सारी बातें छापता है। अगर उस अखबार की बातें गलत हैं और वजीर साहब उनसे नाखु ा हैं तो उसके खिलाफ मुकद्दमा कर दें। उन्होंने हाउस में हुई बात को नहीं छापा है। उन्होंने तो बाहर की बात को छापा है। हिम्मत है तो उस पर मुकद्दमा कर दें। चौधरी लाल सिंह जी आप के फरजन्दा के नाम से 368 हैक्टेयर जमीन ली गई है जो खानों में इस्तेमाल हो रही है। मुझे सबसे से ज्यादा तो इस बात पर एतराज है कि उस जमीन की लीज पर क्यों दिया जाता

है, उसकी औक ान क्यों नहीं की जाती ? अगर आप आक ान करेंगें तो ज्यादा पैसा मिलेगा। दूसरी बात यह है कि जिस प्रकार से वहां खानों की खुदाई होती है वह भी चर्चा का विशय है। वहां पर कई लौग मरते हैं लेकिन सरकार को पता ही नहीं लगता कि किस कारण से मरे हैं। गवर्नमैंट आफ इंडिया में मिस्टर एस0के0 कुमार हैं, वे बड़े दूध के धोये हैं। वे पहले तो कह देते हैं कि माइन डैंजरस हैं फिर चार दिन के बाद कह देते हैं माइन चल सकती हैं। आपके द्वारा मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि इस बारे में गवर्नमैंट आफ इंडिया से पता करें कि क्या कारण है कि पहले खान को खराब बता देते हैं और बाद में फिर कह देते हैं कि ठीक है। इसका मतलब यह हुआ कि उन की जेब में पैसे पहुंच गए तो ठीक हो गई। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक सैंटर के वजीर को भी जानता हूं कि वे क्या करते हैं ? मैं मुख्य मंत्री से भी कहना चाहता हूं कि उनके भाई के नाम तथा वजीरों के नाम भी बडी चर्चा है। मुख्यमंत्री जी आप किसी हाईकोर्ट के जज से इंक्वायरी करवा लें तब आप को पता चल जाएगा कि सच्चाई क्या है। आप कई बार यहां हाउस में कहते हैं कि ये लोग कैसी बातें कर रहे हैं, गिरी हुई बातें कर रहे हैं क्या यह सच नहीं है कि आपने अपने खिलाफ लिखने वाले अखबारों को अप्रोच किया ? डिप्टी स्पीकर साहब, पहले तो 22 अगस्त के आन लूकर का चर्चा कर रहा था लेकिन 22 जुलाई का है। इसने अपने मीडिया में आपके भाानदार फोटो के साथ लिखा हुआ है कि ''ट्रिब्यून बकलज भजन लाल''। बकलज का मतलब यह हाचेता है कि अपनी तरफ

जोड लेना या सी लेना। डिप्टी स्पीकर साहब, इस के सफा नम्बर 37 पर फरमाया है कि मैडम भारदा गुलाटी को सरकार की पांचवीं एनवर्सरी मनाने के लिए एडवरटाइजमैंट देनी थी। जब वे एडवरटाइजमैंट देने के लिए तैयार हो गए तो टैलीफोन आ गया कि आप एडवरटाजमैंट नहीं दे सकते क्योंकि ट्रिब्यून अखबार को एडवरटाइजमैंट देनी बंद कर दी हैं। एडिटर साहब बम्बई गये हुए थे। वे वहां से भागे भागे आए, किसी तरह से इनसे मुलाकात हुई इन्हें कहने लगे क्यों खफा हो रहै हो, हमारी तन्खाह भी नहीं बंटेगी। जिसने प्लट का स्कैंडल छापा था उस कोरसपोनडैंट को ही हम बदल देंगे।। डिप्टी स्पीकर साहब, लोकतंत्र में चार पाये होते हैं। लैजिस्टलेचर, एक्जेक्टिव, जुडि ियरी और चौथा प्रैस है। प्रैस में सारा हरियाणा चण्डीगढ और बाहर का प्रैस भामिल है। प्रैस का अपना महत्व होता है। जब सरकार का काम ठीक न हो तो वे उस बात छापते हैं। उनके छापनने पर आपको नाराजगी नहीं होनी चाहिए। एडवरटाइजमैंट देने के बहाने से उनका गला नहीं दबाया जाना चाहिए। कुछ कौरसपौंडैट जर्नलिस्ट आपके पास प्लाटस के लिए नहीं आये, कुछ लोग खुददार भी हैं, आप कैसे सोचते हैं कि सभी लोग मेरे पीछे चलने वाले ही हों। लेकिन जो लोग आत्मा की आवाज पर चलने वाले हैं, उनहें दबाया नहीं जा सकता। उनकी इन्हें दाद देनी चाहिए। यह जो सरकार ने हरकत की है यह जमहूरियत का गला दबाने वाली बात की हैं इसी कारण से हम अवि वास प्रस्ताव लाए हैं यह सरकार ने अच्छा काम नहीं किया। इस प्रकार की और भी कई घटनायें हैं। इस सरकार की

मंत्री परिशद की भी बडा चर्चा है। एक वजीर हैं, वे पिकाडली या अरोमा में रात को बेवक्त चले गए। यह बात अखबार में भी छपी थी और उसका काफी चर्चा भी रहा। उन वजीर साहब के पास टैक्नीकल एजुके ान का महकता भी है। उनके महकमे में ही गरीब बच्चों के साथ बडा भारी जुल्म हो रहा है। फार्मेसी कालेज में दाखले के दस हजार और बीस हजार रूपये मांगते हैं। अगर चौधरी भजन लाल इस बात की इंकवारी करवा लें कि किसी संस्था के पास कहां से पैसा आया है तो सारी बात का पता चल जाएग। अगर हम वैसे ही अवि वास प्रस्ताव ले आते तो ये कहते कि यह आर्डर मैं नहीं है, अकाडिंग टू रूल नहीं है। पता नहीं कितनी बातें कहनी थी।

श्री उपाध्यक्षः डाक्टर साहब, फिर आपने वही बात दुबारा भुरू कर दी। जो रूलिंग दी है, उसी बारे में फिर कह रहे हैं (विघ्न)

श्री मंगल सैनः मैं दूसरी बात कह रहा है। नेहरा साहब के पास एजुके ान का महकमा है और मैंने काल अटैं ान मो ान का नोटिस भी दिया था वह मंजूर नहीं हुआ। 13 किताबें प्राइमरी क्लास के बच्चों की, जो आप के पोते पोतियां हैं, किताबें छपनी थी। उन 13 किताबों में से केवल 11 छपीं। वे कुल छः लाख छपनी थी। उनमें से केवल 3 लाख छपीं ताकि उन किताबों का ब्लैक हो सके। आप इस बात से भी हैरान होंगे कि उन किताबों की कुंजी मार्किट में पहलें ही आ गई। आचप ये देखें कि यह लूट

नहीं है तो और क्या है ? छोटे छोटे बच्चों को लूटा जा रहा है। गरीबों का भाोशण किया जा रहा है। हमारी आदरणीय बहिन जी स्वास्थ्य मंत्री हैं। उन का स्वास्थ्य भी अच्छा है। वे मेरे भाहर की रहने वाली हैं। इन के आदरणीय पति जी ढिल्लो साहब मेरे गहरे दोस्त भी हैं। बहिन जी के ही स्वास्थ्य विभाग में एक नरसिंग रजिस्ट्रे ान कौंसिल है। वहां पर उनका कोर्स करने के बाद रजिस्ट्र ान होती है। वैसे तो मेरी आदत नहीं कि मैं सरकारी मुलाजमों के खिलाफ कहूं लेकिन उस मुलाजिम ने लोगों को लूट कर खा लिया हैं मेरे पास अम्बाला कैंट का एक एक्स सर्विस मैंन आया। वह साल भर से भटक रहा है लेकिन रजिस्ट्रार साहब उसका नाम रजिस्टर करने के लिए तैयार नहीं। यह हालत आपके विभाग की है। इनके यहां एक फार्मेसी कौंसिल भी बनी हुई हैं। उसके इलैक ान हुए दो साल हो गए हैं। इलैक ान कराने के लिए तैयार नहीं। तीन साल की उसकी टर्म होती है, वह खत्म हो चुकी है लेकिन इलैक ान नहीं करवा रहे हैं। जब मैं रोहतक से चला तो मुझे उसी समय ख्याल था कि उसकी नोटिफिके ान न होने की वजह से कितने ही लोग परे ाान हैं। इसी तरह से फूड इंसपैक्टर हैं। उनके आप खाते देख लें और उन्होंने जो बिल्डिंग्ज बना रखी हैं वे भी देख लें। रोहतक, सोनीपत रोड पर एक सज्जन हैं। वह फूड इंसपैक्टर होता था। उसे रि वत लेते हुए पुलिस ने रंगे हाथों पकडा था। उस का मुंह काला कर के जलूस निकाला था। हो सकता है बहिन जी ने उसे बहाल कर दिया हो। अगर बहाल कर दिया है तो इससे ज्यादा और इस सरकार को

फटकार देने की क्या बात हो सकती है। मैं एक बात और भी निवेदन करना चाहता हूं कि ऊंट की कोई भी कल सीधी नहीं होंती है। इन्होंनें बडे दमगजे मारे कि हमारी सरकार बडी पाक है, साफ है। एक स्कूल एजूके ान बोर्ड है, उनका महकमा तो नहीं है। इसके लिए आनरेबल तो स्टेट मिनिस्टर फार एजुके ान हैं (व्यवधान व भाोर) इसके लिए सीधे ही चेयरमैन, एजुके ान बोर्ड से पूछना तो गुस्ताखी होगी। (व्यवधान व भाोर) आप बोलते हुए जरूर कहे। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि इनसे कोई यह तो पूछे कि इनके नोटिस में पेपर्ज की लीकेज आयी, इन्होंने उनको तो फौरन सस्पैंड कर दिया। लैकिन चेयरमैन, एजुके ान बोर्ड को सस्पैंड नहीं किया। पहले भी एक चेयरमैन थे। उन्होंने पेपर लीक कर दिया था। वह तो पेपर लीक करके चलते बने थे लेकिन यह अभी तक कायम बैठे हुए हैं। यह तो इनके महकमे का हाल है। फिर महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी की बात मैं पहले ही काफी कह चुका हूं। कल भी मुझे मौका मिलेगा तो मैं बोलूंगा। साथ ही चौधरी भजन लाल जी को मैं याद ताजा करा दूं। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार के कारनामे अजली हैं। एक पब्लिक सर्विस कमी ान था। वह तो टूट गयां नया बनाया नहीं। अब बन सकता भी नहीं। इस वजह से मुलाजिमों को भर्ती करने के लिए रि वत का बाजार गर्म हो गया है। एम्पलायमैंट एक्सचेंज का हाल आप देख लीजिए। अभी हमारी भाई अमरीका इलाज कराकर आए हैं भगवान इनको तन्दरूस्ती दे। सरकार के काम करने में कोई नयी चेंज नहीं है। बिजली का तो

भटठा ही बैठ गया है। मजदूरों का कोई मामला आ जाये तो मजदूरों का पक्ष लेने का तो कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। सरमायेदार का पक्ष जरूर होता है। एक मामला मैं चौधरी भजन लाल जी के नोटिस में लाया था। इन्होंने समय पर उसे संभाल लिया वरना गरीब आदमी का बहुत नुकसावन हो जाना था। एक हमारा एडवोकेट जनरल का डिपार्टमैंट है। उसमें कितनी धांधली है। पिता तो एडवोकेट जनरल है और बेटा दूसरी तरु से पे ा हो जाता है। सारे डिपार्टमैंटस को और म्यूनिसिपल कमेटीज को यह सरकुलर गया हुआ है कि कोई भी मुकद्दमा करना हो और उसके लिए वकील करना हो तो मेरे से बिना पूछे न करो। क्या मैं पूछ सकता हूं कि बाप बेटा इन दोनों को किसने छूट दे रखी है। क्या इनको कोई इनसे अच्छा वकील हरियाणा में नजर नहीं आता। हरियाणा के और भी तो काबिल वकील हैं। उनको भी काम दो। अगर तो आपको वही पालिटिक्स वाला स्टाईल मां बेटा भाई वाला है, वही आपकी नीति है, फिर अलग बात है।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

स्पीकर साहब, एडवोकेट जनरल ने ..... और वह इस हाउस का मैम्बर है। अगर उसमे जरा सी भी हिम्मत है तो वह आकर जवाब दे क्योंकि वह यहां पर आ सकता है और जवाब दे सकता है।

श्री अध्यक्षः आप उनसे पिछले साल से ही नाराज हो।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्होंनें एडवोकेट जनरल का नाम लिया है। ..... यह बात कार्यवाही में नहीं आनी चाहिए क्योंकि वह इस वक्त हाउस में नहीं हैं। यह ठीक बात नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब, वह यहां पर आकर अपने आपको डिफैंड कर सकता है।

चौधरी भजन लालः हाउस में वह तभी आता है जब उसको बुलाया जाये

Mr. Speaker: He attends the House when he is called to do so. Advocate General cannot speak in the House. वे हाउस में आकर एक्सप्लेन नहीं कर सकते और अपने आपको डिफैंड नहीं कर सकते।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, पंजाब असैम्बली में एक बार ऐसा ही मामला हुआ था। प्रबोध चन्द्र उस समय स्पीकर हुआ करते थे और पंडित मोहल लाल ने फैक्टस को जरा डिस्टौर्ट करने की कोि ा ा की। The matter was referred to the Advocate General and he appeared in the House. उसने आकर अपनी बात कही थी।

श्री अध्यक्षः वह तो तब हाउस में आते हैं, जब कोई लीगल मामला उलझ जाए और उन्हें बुलाया जाए।

Sh. Mangal Sein: But he can otherwise also come in the House. ----------

श्री अध्यक्षः यह लूट वाली बात रिकार्ड पर नहीं आयेगी।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं बडे अदब से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जब मैं लूट की बात कहता हूं तो भजन लाल जी नाराज हो जाते हैं। भजन लाल जी, रोहतक में भाराब वाले हैं। कोई एल–1, कोई एल–2 पता नहीं कहां कहां तक और क्या क्या नम्बर इन्होंने दे रखे हैं। अंग्रेजी भाराब वेयर हाउसिज में बौंड करते हैं। वहां पर 45 करोड रूपये का घोटला है। ये लोग हरियाणा के खजाने को लूट कर खा गए।

चौधरी भजन लालः आपको पता ही होगा कि हमने सबके लाइसैंस कैंसिल किए हैं।

श्री मंगल सैनः मेरे नोटिस में नहीं है। लेकिन अब भी वे दनदना रहे हैं नो कांफीडैंस मो ान का मतलब यह है कि हम अपनी वह बातें जो नौर्मल कोर्स में नहीं कह सकते, वह कह सकते हैं। मैं यह कहना चाहूा हूं कि भजन लाल जी की यह सरकार वास्तव में कोई सरकार नहीं है। यह तो धक्कम पेला चल रहा है। इनका सारा समय तो दिल्ली में ..... की हाजरी में ही लग जाता है।

श्री अध्यक्षः यह जो इन्होंने नाम कहें हैं, यह एक्सपंज कर दिए जाएं।

श्री मंगल सैनः मैं यह कहता हूं कि इनका सारा समय तो दिल्ली में अपने आकाओं को खु ा करने में लग जाता है। यह क्या हरियाणा का भला करेंगे। स्पीकर साहब, हमारी एक ही एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी है। आज भी वहा ंपर तनाव चल रहा है। कल चौधरी भजन लाल जी के कुछ मन में आया तो कुछ बातें कह डालीं। लेकिन अमल में वही का वही है। उन बच्चों का कहना यह है कि क्यों सीधे चुनावों से डरते हो। सीधे चुनाव कराने चाहिएं आपने म्युनिसिपल कमेटी के तो चुनाव करवायें नहीं और ब्लाक समितियों के चुनाव पोस्टपोन कर दिए।

श्री अध्यक्षः आपका समय हो गया है। आप खत्म करें।

श्री मंगल सैनः दो मिनट में खत्म कर रहा हूं। मैं कहना चाहता हूं कि जमहूरियत में इलैक ानों से डरना नहीं चाहिए। अगर जमहूरियत है तभी तो भजन लाल जी इस दे ा में एक घी बेचने वाला मुख्य मंत्री बन गया और मेरे जैसा साधारण आदमी एम0एल0ए0 बन गया। (व्यवधान व भाोर)

भजन लाल जी, आपके दुकान के घी की तारीफ तो हमारी पार्टी के वर्कर भी करते हैं (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना यह है कि दे ा में जमहूरियत है। सरकार को जमहूरी तरीके से चलना चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि

जमहूरियत की जडों पर कुल्हाड़ी चलायें। यह ठीक है कि पार्टी में डिसीडैंस भी होता है। लेकिन इस तरह से नहीं करना चाहिए जिस तरह से इन्होंने किया है। कुछ मिनिस्टर्ज ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंनें अपने इस्तीफों में भ्रश्टाचार की बातें क्या क्या लिखीं हैं। यह मुझे पता नहीं है। हमें भाक यह है कि उस फाईल को गवर्नर साहब ने दबा दिया और तो बचल गए लेकिन सरदार लछमन सिंह जी इनके काबू में आ गए। मैं यह बात आखिर में कहना चाहता हूं कि इस सरकार के रहते हुए हरियाणा का भला नहीं हो सकता हैं मैं वहां पर बैठे हुए तमाम दोस्तों से कहना चाहता हूं कि वे हमारा इस मामले में साथ दें ताकि एक नयी रिवायत कायम हो सकें। धन्यवाद।

चौधरी तैय्यब हुसैन (ताउडू): जनाब, स्पीकर साहब, यह जो अदम एतमाद का रैजोल्यू ान आप के सामने पे ा है इस पर अपने ख्यालात जाहिर करने के लिए मैं खडा हुआ हूं। जैसा कि सभी जानते हैं कि कुछ मामलात उठाने के लिए यह रैजोल्यू ान पे ा किया गया है। मुखतलिफ वजूहात से वे मामलात नहीं उठाए जा सकते थे। स्पीकर साहब, मुख्तसिर तौर पर एस0वाईएल0 कैनाल का पांजब के एरिया में न बनना हरियाणा के लिए सबसे बडी नुक्सान की बात है और नुकसान की बात इसलिए है कि यह नहर हरियाणा के लिए लाइफ एण्ड डैथ का सवाल है और खास कर उन एरियाज के लिए जो हरियाणा के जनूबी एरियाज हैं और जहां इस नहर का पानी जातना हैं वैसे तो इस नहर का न बनना

इस सरकार की नाकामयाबी की बात है जबकि उसके फैसले पर तीनों सरकारों के दस्तखत हैं लेकिन फिर भी उस फैसले को इम्पलीमैंट न कराया जा सका। इससे किसानों की हालत बहुत खराब हो रही है। स्पीकर साहब, करनाल और कुरूक्षेत्र जिले जहां पर डीप टयूबवैल्ज लगा कर आगमैंटे ान कैनाल मैं पानी डाला गया, इस कारण से वहां पर पानी नीचे चला गया, एक तो इस नहर का पानी इन एरियाज में जाना है और दूसरे गुडगांव और फरीदाबाद में इस नहर का पानी जमाना है लेकिन जहां पानी पहुंचना था वहां पानी नहीं पहुंचा। इसलिए मैं चाहता हूं कि इस सिलिसिले में जहां भी कोताही रही है उसको दूर किया जाए और इस तरफ खास तवुज्जह दी जाए। यह मामला हरियाणा के लिए मौत और जिन्दगी का सवाल है ाऔर इस पर बहुत ज्यादा तवुज्जह देने की जरूरत है क्योंकि इतना पैसा भी हरियाणा ने दे दिया और फिर भी आज तक कहीं कोई काम भाुरू नहीं हुआ। इसका उदघाटन कपूरी गांव में प्राईम मिनिस्टर ने किया था उस समय कुछ उम्मीद बंधी थी कि इस नहर का काम जल्दी हो जाएगा। पानी न होने की वजह से कितनी फसलें तबाह हुई हैं और कितनी परे ाानी लोगों को हुई हैं, वह सब आपके सामने हैं, मैं तो सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि बगैर पानी के किसान बैंकरप्ट हो जाता है। उसकी फसल तबाह हो जाती है। इसलिए इस पानी की तरफ खास तवुज्जह देने की जरूरत है। सरकार के नाकामयाब होने की वजुहात चाहे कुछ भी हों, लेकिन इस पर अमल जल्दी से जल्दी किया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, मैं दूसरी बात यह कहना

चाहता हूं कि गुडगांव और फरीदाबाद में आगरा कैनाल का पानी जाता है और उसका कंट्रोल यू0पी0 गवर्नमैंट के पास है। यू0पी0 का कंट्रोल होने की वजह से उसका आबियाना दुगना है। जो उसकी ड्रैंज हैं उनका कंट्रोल यू0पी0 गवर्नमैंट के पास है और उनमें सिल्ट बहुत है। अगर उसके मुताल्लिक किसी काम के बारे में कोई जरूरत पड जाए तो दोनों जिलों के लोगों को आगरा जाना पडता है। इस बारे में कई दफा इनटर स्टेट मीटिंग्ज भी हो चुकी है। इसलिए इस मामले पर फौरन ही अमल करवाना चाहिए और इसका कंट्रोल हरियाणा सरकार को अपने हाथ में लेना चाहिए। यू0पी0 गवर्नमैंट का कंट्रोल होने के कारण लोगों को काफी नुकसान है।

स्पीकर साहब, आज सुबह आई0पी0एम0 साहब ने उजीना डाइव र्न ड्रेन के बारे में सिर्फ जवाब देने की गर्ज से जवाब दे दिया है। लेकिन मैं अर्ज करना चाहता हूं कि मेहरबानी करके वे खुद मौके पर जा कर देखें कि वहां पर क्या हालत हैं। यह किसानों का मामला है। किसी को नीचा ऊंचा दिखाने का नहीं है। यह मामला सिर्फ किसानों के हित का है। अगर किसी आफिसर ने गलत जवाब दिलवाया है तो पता लग जाएगा कि सही पौजी ान क्या है। पिछले साल वायदा किया गया था कि अगर कोई दिक्कत आएगी तो पानी मिलेगा और इसके साथ ही साथ यह भी कहा गया था कि जिन की जमीन पानी की वजह से भर जाएगी और फसल का त नहीं हो पाएगी उनको मुआवजा दिया

जाएगा। आप उनको कुछ प्रबंध भी न करें और मुआवजा भी न दें, तो यह ठीक बात नहीं है। स्पीकर साहब, पिछले साल कुछ अफसरों की लापरवाही के कारण या जिस किसी भी हालात में वहां पर काम खराब हुआ, उसके लिए अफसरों की रिस्पौंसिबिलिटी फिक्स की जाए और जिनकी जमीन का त नहीं हो सकती, उन किसानों को उसका मुआवजा दिया जाए। आइंदा के लिए कोई फैसला कर लें कि अगर किसी की लापरवाही की वजह से अगर वहां कोई काम हो जाता है और पानी खडा रह जाता है जिससे कि फसल का त नहीं होती तो किसान को मुआवजा मिलना चाहिए। उसका नुकसान पूरा किया जाना चाहिएं स्पीकर साहब, जिस प्रकार से और केलेमिटीज आती हैं और किसान की मदद उस हालत में की जाती है, उसी तरह से ऐसी हालत में भी वहां के किसानों की मदद की जाए। स्पीकर साहब, पोजी ान यह है कि वहां कोटला झील में पानी वापिस डाला जाता है। सरकार पानी ले जाकर वहां खुद डालती है और अगर पानी रहने के कारण का त नहीं होती तो उस जमीन का मुआवजा सरकार को लाजमी तौर पर देना चाहिए। यह मेरी सरकाचर से दरखास्त है। पहले बारि ा नहीं हुई थी और अब लगातार बारि ा हो रही है। कहीं ऐसा न हो कि फ्लड आ जाए इस लिए वक्त से पहले जाकर आई0पी0एम0 साहब, खुद तसल्ली कर लें और मौके पर जाकर देख लें कि क्या पोजी ान है।

स्पीकर साहब, अब मैं बिजली और बिजली बोर्ड के बारे में कहना चाहता हूं। बिजली बोर्ड ने तो दिवालियापन निकाला हुआ है और काफी अर्से तक ट्रांसफारमर्ज रिप्लेस नहीं होते। मैं तो कहता हूं कई महीने तक नहीं होते हालांकि मिनिस्टर साहब कहते हैं कि दस दिन में हो जाते हैं। यह बात फरीदाबाद और गुडगांव की ग्रिवैंसिज कमेटी में भी आई थी और इस का जिक्र बार बार जा चुका है। चौधरी कटार सिंह और चौधरी कल्याण सिंह भी यहां बैठे हैं। इनको पता है कि वहां पर काफी अर्से तक ट्रांसफारमर्ज की रिपलेसमैंट नहीं होती। ट्रांसफारमर्ज रिप्लेस न होने के कारण किसानों का बेहद नुकसान हो रहा है और उनको बेहद परे ाानी हो रही है। जब ट्रांसफारमर्ज रिप्लेस नहीं होते तो किसानों को बिजली नहीं मिलती। इसलिए यह जरूरी है कि किसान को बिजली दिन में दी जाए और पूरे टाईम दी जाए। स्पीकर साहब, किसान को रात को बिजली दी जाती है। वह रात को काफी परे ाान होता है। कभी रात को बिजली बंद हो जाती है तो वह कभी बिजली वालों के पास जाता है और कभी टयूबवैल के पास जाता है। कभी उस को सांप काटता है और कभी वह सर्दी में ठिठुरता रहता है। इसलिए उसको दिन में बिजली दी जानी चाहिए। पिछले साल एक मीटिंग हुई थी जिसमें आई0पी0एम0 साहब भी मौजूद थे बिजली में एक टैक्नीकल टर्म है जिसको लाइन लौसिज कहा जाता है। उस मीटिंग में बताया गया कि चालीस परसैंट लाइन लौसिज हैं। यह रिकार्ड की बात है। ये फिगर्ज चैयरमैन रूरल इलैक्ट्रिफिके ान कारपोरे ज्ञन ने खुद

बताई कि हरियाणा में चालीस परसैंट लाईन लौसिज हैं। स्पीकर साहब, मैं जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि इतने लाइन लौसिज नहीं है बल्कि बिजली दो नम्बर में कारखानेदारें को बेची जाती है। फरीदाबाद के कारखानेदारों को बेची जाती है। मुझे उन कारखानेदारों का पता है जिन को बेची जाती है। मैं उनका नाम बता सकता हूं। सैंटर्ल गवर्नमैंअ ने कहा कि चालीस परसैंट का नुक्सान नहीं है मैं कहता हूं कि प्राइवेट कारखानेदारों को बेची जाती है और इस कारण से किसान को परे ाानी होती है। मैं अर्ज करना चाहता हूं कि इस चीज को आप बौबजैक्टिवली देखे कि क्या बात है। जब आप लोगों को बिजली नहीं देते और पानी वक्त पर नहीं दे सकते तो मैं नहीं जातना कि यह सरकार बनने रहने के काबिल भी है। इसलिए इस सरकार को रिजाइन करने के लिए तैयार रहना चाहिए और यही जमहूरियत का तरीका है। ताउडू की बात यहां पर आई। स्पीकर साहब, मैं बड़े अदब से अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने गांव गांव में जाकर जो वायदे किए कि यह करवाऊंगा वह करवाऊंगा। बहुत सी चीजें लोगों को कहीं और बहुत से लोगों को मुलाजमत भी दे दी। मेरा कहना यह है कि जनहित में जो वायदे किए थे, कम से कम उन को तो पूरा करें जिस से लोगों को पता लगे कि मुख्य मंत्री ने जो बात कही थी, वह पूरी की गई है। स्पीकर साहब, वहां पर हमारे वर्कर्ज के ऊपर झूठे मुकदमें बनाये हुए हैं और उनको हैरास किया जा रहा हैं वहा ंपर पुलिस राज कायम किया हुआ है और वहां पर कोई रूल आफ ला नहीं है।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, आपने दो घंटे का टाईम रखा है और अब सिर्फ आधा घंटा बाकी रह गया है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी तय्यब हुसैनः चौधरी लाल सिंह जी, फिक्र मत करो मैं माइन्ज की लीज वगैरह के बारे ` भी जिक्र करूंगा। फरीदाबाद क्रप्ट आदमियों के लिए हैवन बना रखा है। उसमें आपके लड़के का भी नाम है। आप क्यों परे ाान हो रहे हो ? स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि लोगों को परे ाान करने की बातें हो रही हैं। सरपंचों के खिलाफ इंक्वारियां करवाते हैं फिर उनको कहते हैं कि तुम फलां आदमी से मिल लो तो इंक्वायरी खत्म हो जाएगी। क्या जम्हूरियत में लोगों के साथ ऐसा सलूक किया जाता है ? इस बारे में मुख्य मंत्री जी बताएंगे क्योंकि भाायद मेरे को कांस्टीच्यू ान का इतना ज्ञान न हो। चुनाव की वजह से मेवात में सब लोग देख कर आए हैं कि वहां की क्या हालत है तथा मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड की क्या हालत है। मेरे पास सी0एंड ए0$^{जी}$0 की रिपोर्ट है जो बहुत मोटी है। अगर मैं इस सारी रिपोर्ट की तरफ आपका ध्यान दिलाऊं तो बहुत वक्त लग जाएगा। चूंकि चीफ मिनिस्टर साहब बहुत म ारूफ रहते हैं इसलिये हो सकता है कि चीफ मिनिस्टर साहब को पता न हो कि इस रिपोर्ट मैं क्या है। मैं उनसे कहूंगा कि वे इस रिपोर्ट को पढ ले। ऐजुके ान महकमे की बिल्डिंग्ज के लिए जो रूपया ऐलोकेट किया गया था, वह मेवात एरिया का सुरंडर कर दिया। इस सिलसिले में

अभी तीन तारीख को एक सवाल पूछा गया था। उसके जवाब में सरकार ने माना है मेवात का इलाका बैकवर्ड है। फरीदाबाद जिले में सिर्फ दो स्कूल लड़कों के अपग्रेड किए गए और गुडगांव जिले में एक प्राइमरी तथा एक मिडल स्कूल अपग्रेड किया गया। हमें इस बात का गिला नहीं कि हिसार जिले में 19 स्कूल क्यों अपग्रेड हुए लेकिन इस बात का गिला है कि हमारे हल्के में क्यों अपग्रेड नहीं हुएं या तो सरकार यह कहे कि वह इलाका पिछडा हुआ नहीं है या फिर वहां पर भी स्कूल्ज अपग्रेड करे। जहां तक पुलिस का ताल्लुक है पुलिस वाले लोगों को थाने में बुला लेते हैं और लोगों से पैसे ले लेते हैं। यह एक वि ायस सर्कल बना हुआ है। हरियाणा पुलिस स्टेट बनी हुई है। लोगौं को दबाया भी जाता है और उनसे पैसा भी लिया जाता है। यही नहीं आपको मालूम है कि हमारे डिप्टी स्पीकर साहब, पर मर्डरस अटैक हुआ और जो लोग दोशी थे, उनको आज तक सजा नहीं मिली। निर्मल सिंह जी यूथ कांग्रेस के प्रैजीडैंट हैं इनके बारे में एक सीक्रेट सर्कुलर गया है कि इनकी बैक ग्राऊंड क्रिमिनल है। जिसका मुख्य मंत्री से मेल न हो उसकी बैंक ग्राऊंड क्रिमिनल हो जाती है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः निर्मल सिंह जी यूथ कांग्रेस के प्रैजीडैंट हैं। वे तो बडे रिसपांसिबल और औनेस्ट आदमी हैं।

चौधरी तय्यब हुसैनः उनका यह कसूर हो सकता है कि वे सी0एम0 की हां में हां न मिलाते हों। मैं पुलिस के बारे में कह रहा था। मेरे इलाके घोज गांव में एक औरत का कत्ल कर दिया

गया, उसकी इंकवायरी होनी चाहिए तथा दोशी को सजा मिलनी चाहिए। एक आदमी तुगरी उर्फ हमीद को थाने कुतबगढ में इतना मारा गया कि उसकी मौत हो गई। एक आदमी को माझी जमाल पुर में जो होडल थाने में पडता है मार पीट की गई। उसने कुएं में छलांग लगा कर आत्म हत्या कर ली। ये सब बातें देखनी चाहिए। तावडू हल्के में एक सगेंल गांव है। वहां पर 1979 से लोग अपनी जमीन पर मस्जिद बनाना चाहते हैं। 1980 में पार्लियामैंट के चुनाव के मौके पर हर जगह जिक्र हुआ कि यह मस्जिद बननी चाहिए। सी0एम0 ने कहा था कि चुनावों के एक महीने बाद बना देंगे। कांस्टीच्यू ान में हर आदमी को अपने धर्म की आजादी है। या तो ये साफ कहें कि हम बनने नहीं देंगे लेकिन गलत बात कहना मुनासिब नहीं है। लीज के सिलसिले में यहां पर काफी कहा गया। स्पीकर साहब, मैं थोडी से बातें और कहूंगा क्योंकि वक्त थोडा है। मुझे खद ाा है कि आप घंटी की तरफ हाथ न बढा दें। तो मैं कह रहा था कि लीज के सिलसिल में बहुत सी बातें हुई हैं। 1980 में फैसला हुआ था और लीज सिस्टम बंद कर दिया गया था। उसके बाद तय हुआ कि गवर्नमैंट को इन्हें नै ानेलाइज करना चाहिए क्योंकि प्राइवेट आदमी लीज पर लेकर आगे सब कंट्रैक्टर्ज को दे देते हैं और खुद कुछ नहीं करते। यह बात जरूर है कि वे बंदूक और पिस्तौल वहां ले जाते हैं। इस लीज के सिलसिले में मुझे अफसोस है कि बार बार हमारे सी0एम0 साहब का नाम आ रहा है प0ता नहीं उनको इसके साथ क्या लगाव है। इनके साथ जो सीनियर अफसर लगे हुए हैं, उनका

नाम भी इसमु आया है। यह सब बातें होते हुए भी मिनिस्टर साहब चौधरी लाल सिंह बार बार उठने की कोि ा ा कर रहे हैं। आपके लड़के को नाम भी इसमें है। स्पीकर साहब, तावडू हल्क में चाहलका और सूंध हैं, वहां भी इसी तरह का एक आदमी है। मुझे बताया गया है कि वह चीफ मिनिस्टर का बिजनैस पार्टनर है। मुझे इस बात का कोई एतराज नहीं लेकिन मैं तो यह चाहता हूं कि कायदे और कानून के मुताबिक काम करें। जहां तक सडकों का सवाल हैं सडकों का भी बहुत बुरा हाल हैम्। इस सिलसिल में मेरे पास एक बुजुर्ग आए। उन्होंने मेरे को कहा कि क्या एक बात नहीं हो सकती। मैंने पूछा कि क्या ? उसने कहा कि यह जो रोड़ी पडी है, इसको उठाने का ठेका दे दो। इसके उठने से अफसरों की जेब में भी पैसा चला जाएगा और हमारे पां में भी चुभनी बंद हो जाएंगी। आज यह आम सिस्टम हो गया है कि जो आदमी किसी सियासी आदमी का या किसी अफसर का रि तेदार है, वह ठेकेदार हो जाता है। काम कुछ होता नहीं। चीज बनती बाद में है और उसकी रिपेयर के एस्टीमेटस पहले बनने भाुय हो जाते हैं। यहां पर स्कैंडल्ज और रैक्टस की कोई कमी नहीं है। सबसे ज्यादा अफसोस की बात तो यह है कि जो जर्नलिस्ट इनकी बात को उठाता है, उसको सी0एम0 अपने दबाव से बदलवा देते हैं। मैं चौधरी भजन लाल से एक अर्ज करना चाहता हूं कि मेरी मुलाकात इनसे उस जमाने में भी हुई है जब ये पावर में नहीं थे और परे ाानी में थे। मैं इनको बताना चाहता हूं कि हमे ाा न कोई पावर में रह है और न रहेगा। इसलिए ऐसी रिवायात न

डालें जिनसे लोगों को परे ाान हो। जनाब स्पीकर साहब, जब से हरियाणा बना है, चौधरी भजन लाल छठे चीफ मिनिस्टर हैं। पता नहीं कितने और आएंगे, कितने चले गए कितने रहेंगे और कितने चल जाएंगे। इसलिए इनको ऐसी कोई गलत रिवायात नहीं डालनी चाहिए जो बुनियादी तौर पर गलत हो। इसके अलावा ऐक्साइज के बारे में कहा गया। इसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि हमारे यहां एक भाराब की फैक्टरी अ ाोक लीडर केनाम से लगी है, उसमें चीफ मिनिस्टर साहब के एक बहुत नजदीकी अफसर का हिस्सा बताया जाता है और वे लोग तो हम करवा देते हैं क्योंकि हमारी फैक्टरी में चीफ मिनिस्टर के बहुत नजदीकी अफसर का हिस्सा है। वहां के लोगों को ऐसी बातों से सुबह होता है। वहां पर जो प्राइवेट ट्रेडर्ज हैं, यदि वे कुछ करते हैं तो डी0सी0 और एस0पी0 उनकी हाजिरी में खडे रहते हैं। इन बातों से लोगों को सुबह होता है कि कहीं पर कुछ गड़बड़ है। जनाब स्पीकर साहब, यह कोई राज थोडे ही चलाते हैं। यह तो दुकानदारी बनाई हुई है, पैसा दो और काम करवा ले जाओ। यानी इस वक्त हरियाणा प्रांत में हालात हये हैं कि क्रप्ान और भजन लाल दोनों सनोनीमस वर्ड हो गए हैं। आज इस तरह के हालत इन्होंने पैदा कर दिए है कि प्रांत में क्रप्ान का बहुत ज्यादा जोर हो गया है। इसके अलावा जनाब स्पीकर साहब, ये इलैक्ान में प्योरिटी की बात करते हैं कि इलैक्ान साफ होने चाहिएं। इनकी यह बात अच्छी है। इन्होंने 1982 में जो इलैक्ान करवाए थे, उसमें एक प्रीजाइडिंग आफिसर ने अपनी रिपोर्ट करके एक मुकदमा दर्ज

करवाया था। यह बात सबजुडिस नहीं है। अगर सबजुडिस होती तो मैं इस बात को हाउस में रैफर नहीं करता। स्पीकर साहब, वह सरपंच रिवासन गांव का रहने वाला है। उसके केस में 24.3.84 को अदालत में चालाना पे ा होने के बाद, कागजी चालान पे ा होने के बाद यानी चालान का मतलब यह न समझ लें कि वह आदमी अदालत के सामने पे ा हो गया था, उसके बाद उसका मुकदमा वापिस ले लिया था। अदालत में केस चला और फिर चार्ज लगाए गए उसके खिलाफ चार्ज लगने के बाद इन्होंने उसका मुकदमा वापिस ले लिया क्योंकि तावडू के इलैक ान सामने आ रहे थे। पता नहीं इन्होंने इस तरह के कितने मुकदमें और वापिस लिए होंगें। स्पीकर साहब, अगर इस तरह से मुकदमें वापिस लिए जाएंगे तो इलैक ान कैसे गैर जानबिदार हो पाएंगे। इसके अलावा, स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह जी ने हाउस के सामने अपनी कहानी सुनाई। अगर किसी एम0एल0ए0 के साथ ऐसा होगा, तो आम आदमी के साथ पुलिस वाले क्या सलूक करते होंगे, यह आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि इस तरह की कात चौधरी भजन लाल न सिर्फ खुद करें बल्कि इस तरह की बातों को रोकना चाहिए क्योंकि उनके जिम्मे प्रांत की जिम्मेदारी है। इसके अलावा स्पीकर साहब, सोम एंड संज कम्पनी का ओनलूकर मैगजीन में हवाला दिया गया है। उसमें यह साफ लिखा हुआ है कि उसमें एक बहुत सीनियर आफिसर का हिस्सा है। इसी तरह से रामचन्द्र एंड सन्ज कम्पनी है जिसकें हमारे एक स्टेट मिनिस्टर के साहबजादे का हिस्सा है। और भी ऐसी बहुत

सी कम्पनीज होंगी, जिसके अंदर इनके नजदीकियों के हिस्सें होंगे। जिस स्टैट मिनिस्टर के साहबजादे का रामचन्द्र एंड सन्ज कम्पनी में हिस्सा है उसके बारे में मुझे बताय गया है कि वह स्टूडैंट हैं और उनका बिजनैस फरीदाबाचद में हो रहा है। स्पीकर साहब, फरीदाबाद तो ऐसी जगह है जहां पर सभी लोग बिजनैस करने पहुंच जाते हैं। हमारे कुछ साथियों ने कहा कि फरीदाबाद तो सन इन लाज की लगह हो गया है कयोंकि जिनते इनके दामाद हैं वे सारे के सारे फरीदाबाद और गुड़गांवा में बिजनैस करते हैं क्योंकि वहां पर लोगों को चार पैसे ज्यादा मिल जाते हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि गुड़गांवा और फरीदाबाद को तो दामादी डिस्ट्रिक्ट बना दिया गया है। (ाोर) अब मैं मेवात डिवैल्पमैंट के बारे में अर्ज करना चाहूंगा। उस बोर्ड कै बोर में बहुत तरह तरह की बातें कहीं गई। हो सकता है भाायद चीफ मिनिस्टर साहब को उन सारी बातों के बारे में मालूम न हो। उस एरिया के एक बहुत तेज आदमी हरियाणा प्रांत के मिनिस्टर रहे हैं और प्लानिंग बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन भी रहे हैं और वे मेवाल एरिया के खानपुर गांव के रहने वाले हैं। भाायद चीफ मिनिस्टर साहब इलैक ान के दौरान खानपुर भी गए होंगे। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जो स्यायल कंजर्वे ान का पैसा है, वह सभी किसानों की जमीनों पर खर्च किया जाना चाहिए लेकिन जो उस एरिया के पहले मिनिस्टर रहे चुके हैं। उनके जाति फार्म पर सारा पैसा लगा हुआ है। उनके फार्म के लिए नहर में जो मोगा लगाया है वह 18 मंच का लगा रखा है। दूसरे किसानों को उस मोगे से पानी

बिल्कुल नहीं मिलता है। इस बारे में आई0पी0एम0 साहब तवुज्जह देने की कोि ा ा करें। मैं कहना चाहूंगा कि मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड के टयूबवैल के लिए एक हवा का पंखा खरीदा गया जिससे टयूबवैल से पानी निकाला जाता है उसकी कीमत भाायद एक लाख रूपए है। वह उन्होंने अपने जाति फार्म पर लगा रखा है। यह हो सकता है क यह बात चीफ मिनिस्टर साहब की नालेज में न हो क्योंकि वह बहुत तेज आदमी रहा है। बहुत सी ऐसी चीजें उसने की हैं और प्लांटस भी उन्होंने बेच दिए हैं। भाायद सारी चीजों के बारे में मिनिस्टर साहब को उसने बताया हो। उन्होंने जो कोठियां बनाई हैं और जो भाूग्रर मिल लगाया है वह भी भाायद चीफ मिनिस्टर साहब की नोलेज में न हो। जनाब स्पीकर साहब, मैं कहना चाहूंगा कि जो स्टेट गवर्नमैंट का पैसा है वह सारी स्टेट का पैसा हैं स्टेट किसी की प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी नहीं है और यह किसी की जाराजारी नहीं है। चीफ मिनिस्टर तो इस स्टेट में बनते रहें हैं और बनते रहेंगे और चले जाएंगे। यह ठीक बात है कि आज नो कांफीडैंस मो ान पर बहस हो रही है। चौधरी भजन लाल जी ने कहा था कि ठहर जाओ में बता दूंगा। चौधरी साहब, आचप क्या बताएंगे हमें यह मो ान पे ा करने से पहले ही पता था और हरियाणा प्रांत की जनता अच्छी तरह से जानती है कि किस तरह से स्टेट को लूटा जा रहा है और यहां पर किस तरह से करप् ान का दौरदौरा है। इन सब बातों को देखते हुए हरियाणा की जनता आपको माफ नहीं करेगी। धन्यवाद।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेता जो यहां पर नो कांफीडैंस मो ान पर बोले हैं, उससे ऐसा लगता है क उनको जौंडिस की बीमारी हो गई है। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आपके अढाई घंटे के हिसाब से अभी पौना घंटा बकाया है। इसलिए आपसे रिक्वैस्ट है कि आप हमारी तरफ से कुछ मैम्बर्ज को बोलने कै लिए पांच पाचं मिनट का टाईम अव य दे दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपकी तरफ से चार मैम्बर्ज बोले हैं। इसलिए इधर से भी दो मैम्बर्ज को बोलने के लिए टाईम देना जरूरी है। मोरओवर मैं आई0पी0एम0 साहब को काल अपोन कर चुका हूं। आप बैठिये सुरजेवाला साहब, आप बोलें। (ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, ऐसा प्रतीत होता है कि जो विरोधी पक्ष के नेता हैं उनको जौंडिस की बीमारी हो गई है जिससे उनको तकलीफ है और उनको सिवाय करप् ान और सकैंडल के दूसरी कोई बात ही नजर नहीं आती है। (ाोर)

प्रो0 सम्पति सिंहः स्पीकर साहब, मुझे बोलने के लिए थोड़ा सा टाईम दे दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः देखिए साहेबान इसमें कोई छिपाने की बात नहीं है। इधर से तीन मैम्बर्ज के नाम बोलने के लिए आए हैं और

उधर से चार मैम्बर्ज के नात आए हैं। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी खुद उठकर कहा था कि चार मैम्बर्ज को बोलने के लिए आप आधा आधा घंटा का समय दे दीजिए और उसके बाद कोई मैम्बर नहीं बोलेगा। उनके कहने के बाद जो मैम्बर्ज बोले हैं उनको मैंने पूरा आधा आधा घंटा का टाईम दिया है ताकि वह अपनी बात पूरी डिटेल में कह सकें और उनकी कोई बात रह न जाए। वरना मैं उनको 10–10 मिनट का टाईम देकर बाकबी मैम्बर्ज को भी बोलने के लिए समय दे देता। अब आपको बार बार ऐसा नहीं कहना चाहिए। अब आप कृपा करके बैठ जाए।

Prof. Sampat Singh: Speaker Sir, I may also be given some time to speak. (Noise)

Mr. Speaker: Now I will not give time to any other member. Please sit down.

प्रो0 सम्पति सिंहः स्पीकर साहब, मुझे बोलने के लिए दो मिनट का टाईम दे दें। (ाोर)

Mr. Speaker: Mr. Sampat Singh, please sit down, otherwise I will have to name you. (Interruption)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः मुझे भी इस प्रस्ताव पर बोलने के लिए समय दें।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जिनती तरक्की हरियाणा प्रांत ने चौधरी भजन लाल जी के पांच

साल की सरकार के नेतृत्व में की है, उतनी भाायद पहले नहीं की। (ाोर)

आवाजें: हमें भी बोलने का समय दिया जाये। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आपके लीडर साहेबान ने जो सजै ान दी थी, उसी के आधार पर मैंने टाईम फिक्स किया था।

श्री राम बिलास भार्मा: आप समय बढ़ा सकते हैं। (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, हमने यह नहीं कहा कि किसी और को बोलने के लिए समय न दिया जाये। (ाोर)

श्री वीरन्द्र सिंह: स्पीकर साहब आप आधा घंटा बढा दें।

श्री मंगल सैन: आप इनको बोलने के लिए पांच पांच मिनट का समय दे दीजिए।

वाकआउट

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, मुझे भी बोलने के लिए समय दें।

Mr. Speaker: I am very sorry.

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः तो फिर मैं वाक आउट करता हूं।

(इस समय माननीय सदस्य चौधरी कुलबीर सिंह मलिक सदन से वाक आउट कर गये)

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती भारदा रानीः ..... हम भी जो इस तरफ बैठे हुए हैं, बोलना चाहते हैं। कृपया हमें भी बोलने के लिए समय दे दें।

श्री अध्यक्षः बहन जी, जैसा दोनों तरफ के लीडर्ज ने लिख कर दिया है, उसी हिसाब से मैंने समय फिक्स किया था। अपोजी ान के लीडर्ज ने आधा आधा घंटा बोलने के लिए समय मांगा था। इधर से पार्लियामैंट अफेयर्ज के मिनिस्टर ने कहा था कि उन्हें और सी0एम0 साहब को समय दिया जाए।

चौधरी सुरेन्द्र सिहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। ... . (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः मुझे आप से ज्यादा समझ है। आप बैठ जाइए।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि हरियाणा का कोई ऐसा पहलू नहीं है जिसमें चहुंमुखी विकास न हो रहा हो। इस बारे में तफसील में तो चीफ मिनिस्टर साहब ही बताएंगे। मैं संक्षेप में 4–5 बातें ही कहूंगा। लीडर आफ दी अपोजी ान श्रीमती चन्द्रावती जी ने बोलते हुए कहा था कि हरियाणा में भ्रश्टाचार बहुत बढ गया हैं। इन्होंने यहां तक कहा कि कांग्रेस के राज में भ्रश्टाचार के सिवाए कुछ नहीं है। मैं ज्यादा लम्बी चौड़ी बातें नहीं कहूंगा क्योंकि मेरे ऊपर समय की भी पाबंदी है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जब 1977–78 में जनता पार्टी का राज हरियाणा और दिल्ली में था तो उस वक्त बहन जी हरियाणा प्रदे ा की जनता पार्टी की अध्यक्षा थी। उस समय इनसे 12 लाख रूपये के कूपन कार वगैरा में कहीं गुम हो गए थे उसका आज तक पता नहीं दिया। (ाोर) आप लोग इतना क्यों भाोर मचा रहे हों ? वह पब्लिक मनी नहीं था तो और क्या था ? (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि इसके अलावा उस सम इन्होंने 77 लाख रूपया इकट्ठा किया था। उस फण्ड का आज तक इन्होंने न कोई एकाउंट रखा और न उसके हिसाब किताब की चैक के लिए कोई कमेटी मुकर्रर की। यह उस समय कहा करते थे कि एक ट्रस्ट बनाएंगे और अखबार निकालेंगे। आज तक न इनका कोई ट्रस्ट बना और न ही कोई अखबार निकला गया। उस समय इन्हों धर्म ााला आदि भी बनाने की कोई बात कही थी वह भी भाायद नहीं बनी है। जिन लौगों ने सारे पैसे को खुर्द बुर्द कर दिया हो,

आप वह ईमानदारी का सबूत दें, यह उनके लिए भाोभा नहीं देता। इन्होंने अपने समय में खूब हेराफेरी की हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, पंजाब के अंदर एक रिवाज रहा है। उसके मुताबिक जब ये बोल लें और मुख्य मंत्री जी बोल लें तो मुझे भी बोलने का टाईम मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठ जाइए। आपको टाईम दूंगा।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनकी क्रैडिबिलीटी तब बनती यदि उस समय इनहोंन भ्रश्टाचार को खत्म करने के लिए कुछ किया होता या खुद अच्छा काम किया होता। मै। इनसे पूछना चाहता हूं कि जब इनको सरकार चलाने का मौका मिला था तो इन्होंने उस समय कौन कौन से मापदण्ड बेईमानी के खिलाफ लडाई लडने के लिए कायम किए थे। दूसरी बात लीडर आफ दी अपोजी ान ने कही कि जब से कांग्रेस का राज है, इन्होंने किसानों को कुछ भी भाव नहीं दिया। अनाज के बारे में भी कहा गया कि अनाज या तो चोरी हो गया या खराब हो गया। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको सवालों का जवाब देना चाहता हूं कि ये किसानों के कितने हितेशी थे।

चौधरी ओम प्रका ाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, आप वकील भी रहे हैं और हैं भी। आपको अच्दी तरह से पता है कि जब इस तरह के आर्गुमैंटस होते हैं तो इनको सवालों का भी जवाब देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः हमारी सरकार ने किसानों को जो भाव दिए हैं मैं वह भी बताना चाहूंगा और इन्होंने अपने राज में जो भाव दिए थे, वह भी बताना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, जब कांग्रेस राज छोड कर गई तो उस समय 1977–78 के अंदर गेहूं का भाव 110 रूपये प्रति क्विंटल था। जब इन का राज आया तो इन्होंने अगले साल 1977–78 के अंदर गेहूं का भाव एक सौ साढे बाहर रूपये किया यानि केवल अढाई रूपये ही बढाये थे। उससे अगले साल यानि 1978–79 में इन्होंने फिर अढाई रूपये गेहूं के भाव बढा कर किसानों को दिए थे। 1979–80 में केवल दो रूपये का रेट बढाया था। इससे पता चलता है कि तीन साल के दौरान इन्होंने सिर्फ किसानों को गेहूं का रेट 7 रूपये ही बढाया था। इनके बाद जब दुबारा इन्दिरा गांधी की कांग्रेस का राज आया तो पहले साल ही 1980–81 में 13 रूपये बढाये। उससे अगले साल 1981–82 में फिर 12 रूपये बढाए और उससे अगले साल 1982–83 में फिर 9 रूपये गेहूं का भाव बढाया है।

श्री मंगल सैनः इस साल कितना बढाया था, वह भी बता दें।

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः इस साल एक रूपया बढाया था। हमने चार सालों के अंदर 35 रूपये गेहूं का भाव

बढाया है जबकि आपने तीन सालों में केवल सात रूपये ही बढाए थें आप किस आधार पर किसानों के हितैशी बनना चाहते हैं। हमारी सरकार ने को आप्रेटिव लोन के ब्याज को भी एक परसैंट कम किया है। इन्होंने अपने समय में किसानों को गन्ने का जो भाव दिया था, उसको बताते हुए मुझे भार्म आती है। उस समय इन्होंने चार रूपये क्विंटल गन्ने का भाव किसानों को देकर खेत में खडी फसल को आग लगवाई थी। इनके बाद जब कांग्रेस का राज आया तो किसानों को उसी गन्ने का भाव 20—25 रूपय क्विंटल दिया गया है। जहां तक ट्रैक्टरों की कीमत बढने की बात है, उसके बारे में भी मैं इन्हें अच्छी तरह से बताना चाहूंगा। जिस समय चौधरी चरण सिंह वित्त मंत्री और उप प्रधान मंत्री थी। उस समय ट्रैक्टरों की कीमत इकटठी ही 18 हजार से लेकर 20 हजार रूपये तक बढी थी। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से एक बात इन्होंने एस0एस0एस0 बोर्ड और पब्लिक सर्विस कमी ान के बारे में कह दी है। इस बारे मैं मैं इन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि भी ो के महलों में रहने वालों को दूसरों पर पत्थर नहीं मारने चाहिएं। जिस समय चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे तो उन्होंन उस समय अपने जमाई के चाचा को पब्लिक सर्विस कमी ान का चेयरमैन लगाया था और अपने ही गांव के एक व्यक्ति को कमी ान का मैम्बर नियुक्त किया था। आप किस आधार पर कह सकते हैं हम ने सारे काम ठीक किए थे। भाखड़ा नहर के टूट जाने के बारे में भी इन्होंने इधर उधर की बातें कही हैं। इन्होंने यहां तक कहा है कि यह नहर कांग्रेस पार्टी ने और प्रधान मंत्री ने

ही तुडवाई है। स्पीकर साहब, यह ऐसी बातें कह कर हरियाणा के हितों पर कुठाराघात कर रहे हैं। ये आफ दी मार्क वाईल्ड एलीगे ान और क्या लगा सकते हैं ? (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः सबसे पहले हमारी पार्टी ने ही उग्रवादियों के खिलाफ आवाज उठाई थी। पीछे जब प्रधान मंत्री श्रीमती गांधी चण्डीगढ आई तो उस समय उन्होंने कहा था कि मैं तो अकालियों के खिलाफ नहीं हूं। चौधरी चरण सिंह और अपोजी ान वाले ही अकालियौं के खिलाफ हैं। मैं तो अब भी कह रही हूं कि भाखडा नहर को दुबारा कांग्रेस की गलत पालिसियों ने और प्रधान मंत्री ने ही तुडवाया हैं (ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः ये किसानों के कितने हितैशी बनते हैं। इससे ज्यादा कोई सबूत नहीं हो सकता। मैंने नहर टूटने पर दो बार अपोजी ान वालों को पार्लियामैंट में और जो बाहर हैं, उसको दो लैटर लिखे थे। लेकिन मेरे पास इनमें से किसी को कोई जवाब नहीं आया। सिर्फ दो व्यक्तियों का ही जवाब मुझे मिला था। इन्होंने नहर टूटने पर भी कोई स्टेटमैंट नहीं दी। नहर टूटने की वजह से किसानों को जो परे ाानी का सामना करना पडा, उसको देखने के लिए ये हरियाणा के किसी भी कोने में नहीं गए। सरकार ने इस संकट की घडी में लाखों नहीं करोडों रूपए खर्च किए हैं।

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, मैं इन से मिला था, इनके कमरे में गया था और इनसे पूछा था। इसके बाद मैंने प्रैस स्टेटमैंट दी थी कि हाउस बुलाओ।

13.00 बजे।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः ठीक है आपने स्टेटमैंट दिया था। मैं आपको नाम लेकर नहीं कह रहा हूं। मैं तो यह कह रहा हूं कि मेरे खत का जवाब नहीं दिया और इस ऐक ान को कंडम नहीं किया।

श्री मंगल सैनः आपने मुझे बुलाया था और मैं आपसे मिला था। आपने सारा मामला ऐक्सप्लेन किया था। स्पीकर साहब, यह रिकार्ड की बात है। इन्होंने ऐक्सप्लेन करते वक्त कहा था कि बडी खु ाकिस्मती है कि साईफन बच गया लेकिन जब दूसरी ब्रीच हुई तो साईफन टूट गया।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः कोई साईफन नहीं टूटा है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर सहमति हो तो हाउस का टाईम आधे घंटे के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें : जी हां, बढा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम आधा घंटा और बढाया जाता है।

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, अगली बात मैं यह कहना चाहता हूं कि चौधरी वीरेन्द्र सिंह जनता पार्टी के लीडर हैं लेकिन हाउस में ये डिफैक्टो लीडर हैं। कोई दूसरा लीडर दिखता ही नहीं। मैं इनका का बहुत आदर करता हूं क्योंकि ये तोल कर बात कहते हैं। मुझे इनसे बडी हमदर्दी है। इनको बहुत बोझ उठाना पडता है। चौधरी देवी लाल का बोझ भी उठाना पडता है। वह बात वे कह नहीं सकते जो आप लोग कहते हैं। उनमें कोई गटस नहीं हैं। जिस बात को वे रिफ्यट नहीं कर सकते, आप उनकी बात को भी रिफ्यूट करते हैं और अपनी बात को भी रिफ्यट करते हैं। चौधरी देवी लाल को पूरी तरइ डिफैंड करने की कोि ा ा करते हैं। इन्होंने कहा कि मैंने चौधरी देवी लाल को एन्टी नै ानल कहा है। मैंने जो कुछ कहा है, वह उस दिन भी कहा था और आज फिर दोबारा कह रहा हूं। मैंने उनको एन्टी नै ानल कभी नहीं कहा है। मैंने जो कहा था उसको दोबारा रिपीट करता हूं। मैंनें कहा था चौधरी देवीलाल, जो एन्टी नै ानल भाक्तियां हैं, उनका समर्थन करते हैं। उनको ताकत देते

हैं और उनको स्पोर्ट करते हैं। यह कहने में मुझे कोई गुरेज नहीं हैं। यह बात अंदर भी कहता हूं और बाहर भी कहता हूं। संक्षेप में इतना ही कहना चाहूंगा कि भ्रुरू से ही यानी ज्वायंट पंजाब से चौधरी देवी लाल ने हमे ा अकालियों का समर्थन किया है, अकाली पार्टी को भाक्ति दी है, ताकत दी है और समर्थन दिया है। 1977 और 1982 के आम चुनावों में उस अकाली पार्टी को समर्थन दिया था जिस ने आनन्दपुर साहब में एक ऐसा प्रस्ताव पास किया था जो सैक ानिस्ट प्रस्ताव था, जिस के जरिए अकाली दे ा को अलहिदा करना चाहते हैं। जिस को अकालियों ने अपने मैनिफेस्टों में भाामिल किया था। इन सारी पाट्रियों ने समर्थन दिया था जिसमें लोक दल भी भाामिल है, जनता पार्टी भी भाामिल है और डा0 मंगल सैन की पार्टी भी भाामिल है। इन सबने अकाली पार्टी का समर्थन किया।

श्री मंगल सैनः हम इन के साथ नहीं मिले हुए। सन 1957 में अकाली कांग्रेस में भाामिल हो गये थे और ज्ञानी करतार सिंह और बादल ने इनके टिकट पर इलैक ान लडा था। (व्यवधान)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः कांग्रेस पार्टी किसी से नहीं मिली, इस में हमे ा ही भाक्ति रही है। दूसरी ताकतों की हमें कोई जरूरत नहीं हैं (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं जो कुछ कह रहा था, मैम्बर साहब ने मेरी पूरी बात नहीं सुनी। मैं कह रहा था कि चुनाप मैनिफैस्टो इस रैजोल्यू ान के साथ था और

इन्होंने 1977 और 1982 के इलैक ान में अकाली पार्टी का समर्थन किया। डा0 मंगल सैन की पार्टी ने प्रका ा सिंह बादल की मिनिस्ट्री का समर्थन किया, इनकी मिनिस्ट्री में कैबिनेट के मैम्बर बने और दिल्ली में भी जनता पार्टी की सरकार में अकालियों को मंत्री बनाया गया, इनको रिस्पैक्टेबिलिटी दी, इज्जत दी। जब इन लोगों ने गुरूद्वारे में हथियार इकटठे करने भाुरू कर दिये, पंजाब का वातावरण दूशित कर दिया, बुरी तरह से बेगुनाह लोगों को कत्ल किया, लाला जगत नारायण व उनके सुपुत्र को गोलियौं से उडा दिया तो किसी भी अपोजी ान पार्टी ने इस सिलसिले को बंद करने की मांग नहीं की, कंडैम नहीं किया और न ही यह कहा कि गुरूद्वारों से मुजरिमों व हथियारों को निकाला जाए।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, श्री चरण सिंह जी पहलें आदमी थे जिन्होंने सबसे पहले आवाज उठाई थी। (व्यवधान)

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आड्डर। स्पीकर साहब, मैं इस बात पर आपकी रूलिंग चाहूंगा। एक वजी साहब हाउस में खड़े होकर कह रहे हैं कि कंडैम नहीं किया। इनकी अपनी पार्टी के जनरल सैक्रेटरी श्री राजीव गांधी ने चण्डीगढ आकर कहा था कि वह धार्मिक नेता हैं। इन्होंने भी कहां कंडैम किया ? (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः जब यह अखबार में आया तो उन्होंने अगले दिन कंट्राडिक्ट कर दिया था। (व्यवधान)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, हमने बाकायदा कंडैम किया है। सारे हरियाणा में हडतालें हुई हैं। हमने बंद करवाया, प्रौटैस्ट करवाया और इस जुल्म के खिलाफ सब ने आवाज उठाई। (व्यवधान) आप सच्ची बात करें। क्या हम ट्रिपार्टटाईट टाक में दिल्ली में भाामिल नहीं हुए थे ? (व्यवधान)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जब हरियाणा के हकों के खिलाफं मामला जा रहा था उस वक्त हमने आल इंडिया लैवल पर सभी पार्टियों से मांग की थी कि इस मामले को सुलझाया जाए। उस वक्त जनता पार्टी, बी0जे0पी0 ने इस बात का समर्थन किया था कि फाजिल्का और अबोहर और चण्डीगढ पंजाब में भाामिल किए जाएं। यह रिकार्ड की बात है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आल इंडिया पार्टी भारतीय जनता पार्टी भी है और इनकी अपनी पार्टी भी है। जिसके ये बडे लम्बरदार बने फिरते हैं (व्यवधान) उस वक्त हर पार्टी अपनी अपनी बात कहती थी और इंडिपैंडटली कहती थी।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, हर पार्टी के सदस्य अलग अलग बात कहते थे। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी कुछ कहती थी, कांग्रेस कुछ कहती थी, दिल्ली में कांग्रेस कुछ कहती

थी लेकिन हमारी पार्टी यानी लोकदल की पार्टी एक ऐसी पार्टी है, जो एक ही बात कहती रही। (व्यवधान)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, श्री तैय्यब हुसैन ने दो तीन बातों का जिक्र किया था, अब मैं इन पर अपनी चर्चा करूंगा। इन्होंने एक बात एस0वाई0एल0 के पानी के बारे में कहीं। जब एस0वाईएल0 के रैजोल्यू ान पर डिस्क ान होगी तो मैं एस0वाईएल0 के बारे में बताऊंगा। इन्होंने गुड़गांव और फरीदाबाद में इंटर स्टैट डिसप्यूट की बात कही। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि गुड़गांव और फरीदाबाद जिले में गुडगांव कैनाल और आगरा कैनाल से पानी लगता है। आगरा कैनाल की डिस्ट्रीक्यूटरी पर यू0पी0 गवर्नमैंट का कंट्रोल है। इस कंट्रोल को लेने के लिए हरियाणा सरकार भरसक प्रयत्न कर रही है और मैं बताना चाहूंगा कि हरियाणा और यू0पी0 के आफिसर्ज की इस सिलसिले में मीटिंग हुई थीं जिसमें कंट्रोल हरियाणा को देने का फैसला तकरीबन हो चुका है लेकिन अभी मिनिस्टीरियल लैवल पर फेसला होना है। इस सिलसिले में चिटठी लिखी जा चुकी है, किसी समय भी मीटिंग फिक्स हो सकती है। मुझे उम्मीद है कि जल्दी ही आगरा डिस्ट्रब्यूटरी का कंट्रोल हरियाणा सरकार को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। एक बात इन्होंने बिजली के बारे में कही कि फरीदाबादी और गुडगांव में ट्रांसफर्ज बहुत जले हैं और महीनों तक बदले नही जाते। इन्होंने लाईन लौसिज का जिक्र किया और बिजली की चोरी का जिक्र भी किया।

तीन पहलुओं को छुआ है। जहां तक एस0वाईएल0 का ताल्लुक है इसके काम में कितनी तरक्की हुई, इसकी तफसील मैं बाद में बताऊंगा, लेकिन लाईन लौसिज के बारे में बता देता हूं। इन्होंने कहा कि लाईन लौसिज 40 परसैंट है। कोई ऐसी मीटिंग नहीं हुई है। जिसमें इतनी लौसिज बताई गई हों। 40 परसैंट लाईन लौसिज होने का सवाल नहीं है। हरियाणा में लाईन लौसिज 19 परसैंट हैं जब कि आल इंडिया लैवल पर 20 परसैंट हैं। जहां तक ट्रांसफार्मर्ज का सवाल है, फरीदाबाद सर्कल में 46 ऐसे ट्रांसफार्मर्ज हैं जो अभी रिप्लेस नहीं हुए हैं। फरीदाबाद सर्कल में एक भी ऐसा ट्रांसफार्मर नहीं है जो जल गया हो और रिप्लेस न हुआ हो। फरीदाबादी सर्कल के जो 46 ट्रांसफार्मर्ज है। इनमें से एक महीने से पुराना कोई नहीं है। (विघ्न) इनसे पहले जो ट्रांसफार्मर्ज जले थे, वे रिप्लेकस हो गए हैं और ये भी जल्दी ही रिप्लेस हो जाएंगे।

स्पीकर साहब, तैय्यब हुसैन जी ने कहा कि बिजली केवल कारखाने वालों को मिलती है।

चौधरी तैय्यब हुसैनः स्पीकर साहब, आई0पी0एम0 साहब ने इस बात से इंकार किया है कि मीटिंग कोई नहीं हुई। मैं इन्हें याद दिला देता हूं मीटिंग श्रम भाक्ति भवन में मिनिस्टर विक्रम महाजन के कमरे में हुई थी। चेयरमैन बिजली बोर्ड भी उसमे मौजूद थे। उस मीटिंग में यह कहा गया था कि हरियाणा में 40 परसैंट लाईन लौजिस जैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, डेढ दो साल पहले एक मीटिंग जरूर हुंई थी उसमे भी किसी ने यह नहीं कहा था कि हमारे लाईन लौसिज 40 परसैंट हैं।

चौधरी तैय्यब हुसैनः चेयरमैन, आर0ई0सी0 ने आपसे यह बात कही थी। (विघ्न)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः किसी ने 40 परसैंट लाईन लौसिज की बात नहीं कही थी।

श्री अध्यक्षः लाईन लौसजि के बारे में मुझे भी काफी पता है। हमारे यहां लाईन लौसिज 20–21 परसैंट से ऊपर कभी नहीं गए।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बिजली के बारे में इन्होंने यह भी कहा कि कारखाने वालों को बिजली बेचते हैं लेकिन मैं कहता हूं कि इससे ज्यादा वेग गलत ब्यानी कोई नहीं हो सकती। स्पीकर साहब, जैसे कल और परसों सवालों के जवाब में मैंने बताया, यह सरकार हमे ाा कारखानों की बिजली बंद करके किसानों को देती रही है। स्पीकर साहब, एक नई बात इन्होंने कही। कहते हैं कि किसानों को दिन में बिजली मिलनी चाहिए। यह एक पोलिटिकल और किसान विरोधी नारा है लेकिन क्योंकि बिजली का जो टाईम टैबल हैं, बाराबंदी है वह भााम को 6 बजे भाुरू होती है। रात को बिजजी स्टेबल मिल सकती है। लेकिन दिन को बिजली जाने का अंदे ाा रहता है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने रात को इंडस्ट्रीज को बिजली देना टोटली बंद किया हुआ है और किसानों को बिजली दी। कई बार दिन में भी दोनों को कारखानेदारों को भी और किसानों को भी बिजली दी। इसलिए स्पीकर साहब, मैं एक बार फिर कहता हूं कि यह जो पोलिटिकल नारा है कि किसानों को दिन में बिजली दी जाए, यह किसानों के खिलाफ हैं और सरासर गलत है। इन भाब्दों के साथ स्पीकर साहब, मैं यह कहता हूं कि इस नो कांफिडैंस मो ान में कोई भी सार नहीं हैं, यह बिलकुल बेसार है और अपोजी ान के जो लीडर्ज हैं they lack vision and commitments. इनको सिवाये वाइल्ड ऐलीगे ानंज लगाने के कोई काम नहीं है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(1) श्री निर्मल सिंह द्वारा

श्री निर्मल सिंहः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं भी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। तैय्यब हुसैन जी ने श्री वेदपाल जी के केस के बारे में बोलते हुए मेरे बारे मैं किसी रिपोर्ट की चर्चा की है। मेरी बैबग्राउंड के बारे में कोई रिपोर्ट अगर इस किस्म की है तो मैं इस सदन को वि वास दिलाता हूं कि वह सरासर गलत है। (विघ्न) स्पीकर साहब, यह मेरा जाति

मामला है और यह मेरा कैरियर तबाइ करने वाली बात है। (विघ्न) स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने मांग की कि इसे यूथ कांग्रेस की प्रैजिडैंटि ाप से हटाया जाये क्योंकि यह उग्रवादियों से मिला हुआ है। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः हमने नहीं कहा, तुम्हारी पार्टी के लोग ही ऐसा कहते हैं।

श्री निर्मल सिंहः दूसरी पार्टीज के लोगों ने भी इस बात की चर्चा की, स्पीकर साहब, इस रिपोर्ट का मुझे भी पता चला था और सी0एम0 साहब से भी मैंने बात की थी। मेरा दावा है कि यदि कोई जिम्मेदवार अफसर यह बात सिद्ध कर दे कि मेरा पास्ट क्रिमिनल रही है या मेरा संबंध ऐसे लोगों से रहा है या किसी ऐसी ऐजंसी से रहा है तो मैं जो सजा वह कहेंगे भुगतने के लिए तैयार हूं। मैंने तो हमे ाा लोगों के लिए लडाई लडी है, जेलो में गया हूं और डीजल आदि के लिए भी कई एजिटे ानज चलाए हैं। (विघ्न) मुख्य मंत्री जी की जहां तक बात है, मेरा उनसे ना इतफाक होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। हमारी पार्टी में पूरा अनु ाासन है। हमारे ये लीडर हैं और हम इनका हुक्म मानते हैं। मैंने इनको हर कदम पर स्पोर्ट किया है और आगे भी कयंगा। यह ठीक है कि इस केस में कुछ लडके यूथ कांग्रेस के इन्वौलव्ड थे लेकिन ये कौम्यूनल चीजें हैं। हर पार्टी की यह कोि ा ा होती है कि नौजवानों को ज्यादा से ज्यादा एसोि ाएट किया जाए लेकिन कौम्यूनल चीजों का इलाज किसी के पास नहीं है। फिर भी मैंने

सारे यूनिट को डिजौलव किया है। भविश्य में यदि कोई ऐसी बात होगी तो निर्मल सिंह पहला व्यक्ति होगा जो उसका विरोध करेगा।

(2) परिवहन राज्य मंत्री द्वारा

परिवहन राज्य मंत्री (चौधरी चन्दा सिंह): स्पीकर साहब, मैं भी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने फाम्रेसी कालेजिज के बारे में चर्चा की। मैं मानता हूं कि डैमोक्रेसी में अपोजी ान का होना बहुत जरूरी है लेकिन इन्होंने कुछ ऐसी बातें कह दीं जो कहीं नजर नहीं आतीं। जिस सरकार की सारे भारत की जनता प्र ांसा करती है, जिस सरकार की प्लानिंग कमी ान और दूसरी अनेक संस्थाओं ने सराहना की है, जिस एडमिनिस्ट्रे ान और मुख्य मंत्री की करीब करीब सारे प्रैस ने सराहनी की है, जिस सरकार के ने ानल लेवल की समस्याओं के बारे में विचार स्पश्ट हैं, जो सरकार बडी भारी प्रगति ील है। जिस सरकार ने केन्द्रीय पूल में 18 लाख टन अनाज देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। और जिसि सरकार के अफसरों की सारे दे ा में सराहना की गई है, उसके बारे में इस तरह की बातें करना ठीक नहीं है। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप फार्मेसी कालेजिज के बारे में कहें।

चौधरी चन्दा सिंहः मैं फार्मेसी कालेजिज की तरफ भी आता हूं।

श्री कंवल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मैं यह जानना चाहता हूं कि ये पर्सनल ऐक्सप्लेने ान दे रहे हैं या गवर्नमैंट की पोलिसीज के बार में बोल रहे हैं।

चौधरी चन्दा सिंहः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल ऐक्सपलेने ान भी दे रहा हूं और इनके क्रिटिसिज्म का जवाब भी दे रहा हूं। स्पीकर साहब, हमारे दे ा के अंदर हजारों, लाखों पढे लिखे बेकार हैं इसलिए हमारी केन्द्रीय सरकार तकनीकी ि ाक्षा पर ज्यादा जो देना चाहती है जिससे लोग उद्योग धंधों में लग कर अपनी जीविका कमा सकें। हरियाणा सरकार ने भी कुछ ऐसे कदम उठाए हैं जिससे हरियाणा के लोग तकनीकी ि ाक्षा प्राप्त करके लाभ उठा सकें। फार्मेसी कालेजिज की स्थाना उन कदमों में से ऐक हैं। सर छोटू राम जी के नाम से इंजीनियंरिग कालेज मूरथल में भाुरू किया गया है। वूमैन पौलिटैक्निक सिरसा में स्थापित किया गया है। (ाोर)

श्री मंगल सैनः यह तो बता दो कि फार्मेसी कालेजिज से पैसे लिये या नहीं लिये ,

चौधरी चन्दा सिंहः डा0 साहब, मैं नहीं चाहता कि आपके बारे में कुछ कहूं लेकिन आपने च मा कुछ ऐसा लगाया हुआ है जिसको उतारे बिना काम नहीं चलेगा। स्पीकर साहब, ये

पहले खबर अखबारों में छपवाते हैं, फिर अखबारों को साथ लेकर यहां आते हैं और मजमे की भाशा यहां बोलते हैं जो एक अच्छे पार्लियामैंटेरियन को नहीं बोलनी चाहिए। स्पीकर साहब, मैं मानता हूं कि प्रैस डैमोक्रेसी में चौथा स्तम्भ है। लेकिन अखबार के एडिटर यह कहते हैं कि वे एक अच्छा एडिटर उसे मानते हैं जो ऐसी चाह रखे कि जितने भी उच्च अधिकारी हैं, वे सवेरे सवेरे उसे गरम गरम फोन करें यदि वह कहते हैं कि सारे नुमाइंदे गलत हैं, तो क्या उनके कहने से गलत हो जाते हैं। क्या आप लोग कामों के बारे में किसी को कोई टेलीफोन नहीं करते हैं ? आप लोगों की यह बात मैं ठीक नही ंसमझता। अखबार तो किसी के बारे में कुछ भी लिख देते हैं। क्या उन सभी बातों को सच मानते हो ? हमारी सरकार ने तरावड़ी, नीलोखेड़ी और अन्य जगहों पर कितनी ही संस्थाएं खोली हैं। 10–12 इंस्टीच्यू ान खोले हैं हरियाण की हिस्टरी में रिकार्ड है। टैक्नीकल एजुके ान के बारे में जो भी बातें कही गई हैं वे गलत हैं फार्मेसी कालेज के बारे में तो कतई झूठी हैं। इन बातो ंमे कोई सदाकत नहीं है। हरियाणा के टैक्नीकल एजुके ान विभाग और स्पोर्ट विभाग ने प्रांत का नाम बडा ऊंचा किया है। हरियाणा के अफसरों के बारे में भी गलत बातें कही गई हैं। अफसरों ने बडे अच्छे काम किए हैं हमारे खिलाडियों ने कु ती, वालीबाल, फुटबाल में नै ानल लैवल पर इनाम लिए हैं और कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

अन्त में मैं यही कहूंगा कि जो इन्होंने यहां पर कहा है कि सारा ही गलत कहा है। मैं इन लोगों से यह उम्मीद नहीं करता था कि इनते सीनियर मैम्बर ऐसी बातें कहेंगे। किसी प्रकार से कोई पैसा नहीं लिया गया। बिल्कुल गलत बात है। .....

श्री हीरा नन्द आर्यः .....

श्री अध्यक्षः जो कुछ आर्य साहब कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

(3) सहकारिता तथा डेरी विकास मंत्री द्वारा

सहकारिता तथा डेरी विकास मंत्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मैं परसनल एक्सप्लेने ान देने के लिए खडा हुआ हूं। आदरणीय सदस्य श्री वीरेन्द्र सिंह जी ने मेरे बारे में यह कहा कि मैंने ही छोटू राम जी के नाम से मनोपली बनाई हुई है यानी मैं ही अकेला भाख्स उनका फायदा उठाता हूं। मैंने यह बात कभी भी नहीं की और न ही कही है। यह गलत बात कही गई है। स्पीकर साहब, आपको याद होगा और भाायद आप ही यह बात बता रहे थे कि चौधरी छोटू राम के यहां कोई लड़का नहीं था। उनके दोस्तों ने सलाह दी कि आप दूसरी भाादी कर लो ताकि आपका वं ा चलता रहें। उन्होंने उस समय एक ही बात कही कि पे ाावर से लेकर पलवल तक जो भी किसान का बेटा है, हल की मुठ पर जो भी हाथ रखता है वही मेरा बेटा है। भाायद यह बात

आपने ही बताई थी। मेरे बारे में जो बात यह लोग कहते हैं वे उस टाईम पर चौधरी छोटू राम के विरोधी होते थे। जिन लोगों ने छोटू राम को छोटू खां कहा वह सिर्फ इसलिए कहा था पंजाब, हरियाणा, पाकिस्तान का मुसलमान भी उनके साथ था यानि हर का तकान उनके साथ था। पंजाब, हरियाणा के किसान सिक्ख उनके साथ थे। जो उनके विरोधी थे उनकी उन्होंने कभी परवाह नहीं की लेकिन मैं इनके नेता की नीयत के बारे में यहां हाउस में बताना चाहता हूं। चौधरी छोटू राम केवल 46 बीघे के जमींदार थे। वे कद के भी छोटे थे और उनका नाम भी छोटू राम था लेकिन वे उस जमाने में 4600 बीघे के जमींदार चौधरी देवी लाल और साहब राम जैसों का मुकाबला कर रहे थे। आज ये किसानों को नेता बनना चाहते हैं, रहबर बनना चाहते हैं। उनको वह समय याद होगा जब सन 1937 में चौधरी देवी लाल पंजाब असैम्बली के मैम्बर नहीं थे और न ही बन सके थे लेकिन उस उनके भाई चौधरी साहब राम मैम्बर बन कर आए थे। उस वक्त खुद छोटू राम जी डेबिट रिकन्साईले ान बोर्ड, मार्किट कमेटी एक्ट, भाोप्स एक्ट और लेबर एक्ट लेकर आए थे। इन एक्टों के पास होने से किसानों की भलाई थी। सी0पी0एम0 पोलिट ब्यूरो के सदस्य सरदार हरकि ान सिंह सुरजीत जो आज भी जिन्दा हैं, वे प्रगति ील विचारों के हैं जिस समय पंजाब में गोपीचन्द भार्गव लीडर आफ दी अपोजी ान हुआ करते थे, उनको सरदार हरकि ान सिंह सुरजली ने कहा कि भार्गव साहब आप कांग्रेस पार्टी में हैं इसलिए चौधरी छोटू राम जी जो लैजिस्ले ान लेकर

आये हैं इसें हमें स्पोर्ट करना चाहिए। छोटू राम जी बडे प्रगति ील विचार के हैं। इस बारे में आप कांग्रेस पार्टी के प्रेजीडैंट से मिलें और इस बारे में बातचीत करें। उन दिनों मौलाना आजाद कांग्रेस पार्टी के प्रैजीडैंट थे। वे लोग उन से मिलकर अउए और मौलाना आजाद ने लीडर आफ दी अपोजी ान के नाम चिट्ठी लिख कर दी कि छोटू राम जी जो लैजिस्ले ान पंजाब के अंदर ले कर आए हैं उसको समर्थन करिए लेकिन बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि चौधरी देवी लाल के भाई चौधरी साहब राम मौलाना आजाद से मिले और उनसे कहा कि अगर चौधरी छोटू राम के लैजिस्ले ान को हम स्पोर्ट करेंगे तो हमारी पोलिटकल हस्ती खत्म हो जाएगी। हमें उसका विरोध करना चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः यह भी बता दें कि क्यों कांग्रेस पार्टी ने उस लैजिस्ले ान को स्पोर्ट किया था ?

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः आज चौधरी देवी लाल जी किसान होने का दावा करते हैं। अगर किसान होने का दावा करते हैं तो भीम सिंह दहिया और बहिन बसंती देवी ने सोनीपत के पार्लियामैंट के बाई इलैक ान में यह स्टेटमैंट क्यों जारी की कि चौधरी छोटू राम के बारे में चौधरी देवी लाल ने जो इ तहार निकाले हैं वे गलत निकाले हैं। चौधरी छोटू राम केवल इनके ही नहीं थे वे हर किसान के थे। वे न तो बहिन बसन्ती देवी और न ही दहिया साहब की मनोपली है। वे ऐसे नेता थे जो सब के थे। वे तय्यब

हुसैन के भी थे और वीरेन्द्र सिंह के भी थे लेकिन चौधरी देवी लाल जो उस जमाने में चौधरी छोटू राम को काले झण्डे दिखाते थे वे उनके नाम से वोट नहीं ले सकते।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। गांधी जी ने भी उस समय चिट्ठी लिखी थी कि छोटू राम जी जो लैजिस्ले ान ले कर आए हैं उन्हें स्पोर्ट किया जाए। गांधी जी चिट्ठी आने के बाद भी उस समय की कांग्रेस पार्टी ने उन एक्टस का विरोध किया था। आज के लोग किसानों के हितैशी बनने चाहते हैं। बडे दुःख की बात है कि आज उनका खून, उनका धेवता उस कांग्रेस पार्टी में बैठा है जो कांग्रेस पार्टी किसानों की दु मन है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, आप इस सदन के अध्यक्ष है। कई सम्मानित सदस्य जब बोलने के लिए खडे होते हैं तो आप जैसा ठीक महसूस करते हैं उसके मुताबिक अलाउ कर देते हैं। यह आप की डिस्क्रि ज्ञन है। इस बात के बारे में भी मुझे कोई अफसोस नहीं लेकिन मैं आपके सामने एक सबमि ान करना चाहूंगा। .....
.....

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह भी कोई बात हुई ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आपने कह दिया, ठीक है। इस पर अमल हो जाएगा।

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः अब मुख्य मंत्री जी बोलेंगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): सदन में तकरीबन तीन घंटे से बहस हो रही है और इस बहस के बारे में मैं यह समझता था कि अपोजी ान के सदस्य सरकार के खिलाफ जो अवि वास प्रस्ताव लाये हैं, इस पर कोई ठोस बात करेंगे, बहुत अच्छे सुझाव देंगे या सरकार की नीति का विरोध करके सरकार और हाउस के सामने सिद्ध कर देंगे कि वाकई ही जो कुछ ये कहते हैं, सह सही है। स्पीकर साहब, सबसे पहले तो बहिन चंद्रावती जी ने जो अपोजी ान की नेता भी हैं, खडे होकर बोलना भाुरू किया। बोलते हुए इन्होंने एक ही बात कही कि यह सरकार बड़ी कुरप्ट है इस सरकाचर में बडी कुरप ान है, सरकार ने यह किया है, सरकार ने वह किया है और कहीं भी बगैर पैसे के काम नहीं होता। अध्यक्ष महोदय, कितने गैर जिम्मेवारी की बात है ? ....। मुझे यह बात बडे दुख के साथ कहनी पडती है। (व्यवधान व भाोर) ..... यह तो रिकार्ड की बात है। इन्होंने ऐसा कहा है। आज भी इन्होंने ट्रैक्टरों की बात की है। अध्यक्ष महोदय, जो इंसान जैसा होता है, दूसरों को वैसा ही समझता है। खुद अच्छा आदमी होगा हर आदमी को अच्छा समझने

की कोि ा ा करेगा। खुद बेईमान होगा वह दूसरों को भी बेईमान समझेगा। अब बहिन चन्द्रावती के बारे में क्या कहूं। मैं इनकी इज्जत करता हूं। उम्र में भी मुझ से बडी हैं (व्यवधान व भाोर) जैसे चौधरी भाम ोर सिंह जी ने कहा, चौधरी चरण सिंह के जी के जन्म दिन पर इस प्रदे ा की जनता से पैसा इकट्ठा किया गया। (व्यवधान व भाोर)..... चौधरी भाम ोर सिंह जी ने भी इनके बारे में कहा कि 12 लाख रूपये के तो कूपनों का पता नहीं है कि वे कहां चले गये। यही नहीं 77 लाख रूपया इस प्रदे ा की जनता से चौधरी चरण सिंह को जन्म दिन पर थैली भेंट करने के लिये इकट्ठा किया गया था, आज तक उसके एक पैसे का हिसाब भी जनता को नहीं दिया गया। (व्यवधान व भाोर) कहीं कोई धर्म ाला बनायी गयी हो या कहीं कोई वजीफे भाुरू किये गये हों तो बतोयं। (व्यवधान व भाोर) .... (व्यवधान व भाोर) आपने ही तो कहा था कि एक एक बात का जवाब देना। आपकी ऐसी बातों का ऐसा ही होना चाहिये तब ही आप समझ सते हों।

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफर आर्डर, स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा। मुख्य मंत्री महोदय को ऐसे भाब्द नहीं कहने चाहिये थे .....। हमें ऐसी बात नहीं कहनी चाहिये। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः मैंने उनके बार में तो कुछ नहीं कहा। मैंने तो सिर्फ यह कहा है कि पता नहीं इन्होंने कितना बडा गुनाह किया था। (व्यवधान व भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः ..... (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः 4 मैम्बर साहेबान अपोजी ान की तरफ से बोले हैं जो किसी के मुंह में आया है, उसने कहा है। डाक्टर साहब, किसी को यह कहना कि इसलिये आंख फूट गयी, यह कोई ठीकी बात नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, कल इन्होंने मेरे भाई के बारे में ..... बोला था। इसलिये मैंने गुस्से में आकर कहा था। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः मैं चैक अप करा लूंगा। अगर ऐसी कोई बात रिकार्ड में हुई तो उसे निकाल दूंगा।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं फिर आज वही बात कहता हूं जो कल मैंने कही थी। यह कहती हैं कि मेरे भाई का झूठा नाम लगा दिया। आप की देखिये झूठा नाम लिया है ठीक कहा है। इनके भाई ने गोगड़ी नाम की औरत को .....
....

श्रीमती चन्द्रावतीः वह सुप्रीम कोर्ट से बरी हुआ है। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः उसको चार साल की सजा हुई थी। एक आदमी की गलत औरत खड़ी करके रजिस्ट्री करवाई। एडी ानल सै ान जज भिवानी ने उसको चार साल की कैद की सजा दी। हाई कोर्ट ने उस सजा को कायम रखा और यह बात अलग है कि सुप्रीम कोर्ट से किसी बिना पर वह छूट गया। सब को पता है कि गलत बात थी या ठीक बात थीं हरियाणा प्रांत की जनता इस बात को जानती है कि सच क्या है या झूठ क्या है। .... (व्यवधान व भाोर) आप लोग मेहरबानी करके सुनने की कृपा करें। जब आप बोल रहे थे, हम कतई बीच में नहीं बोले। (व्यवधान व भाोर).....

श्री तैय्यब हुसैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मैं आपसे इस बारे में रूलिंग चाहता हूं कि जो सुप्रीम कोर्ट का फैसला होगा, वह फाईनल होगा या नीचे की अदालतों का फैसला कायम रहेगा। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः आपने लीला कृश्ण का हाई कोर्ट का मामला फिर कैसे भाुरू कर दिया जबकि उसमें दो महीने का आप्रे ानल स्टे हुआ है ? क्या आप वह डिस्कस कर सकते थे ? (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः नहीं कर सकते थे।

श्री तैय्यब हुसैनः हिन्दुस्तान की फाईनल कोर्ट सुप्रीम कोर्ट है। हाई कोर्ट नहीं है।

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, मैं आपके नोटिसमें एक बात लाना चाहता हूं। सी0एम0 साहब ने एक बहुत गम्भीर बात कही है कि सुप्रीम कोर्ट से किसी बिना पर छूट गया और हरियाणा की जनता यह जानती है कि क्या सच है और क्या झूठ है। यह सुप्रीम कोर्ट पर एसप र्न है। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: This is no aspersion. Please sit down.

श्री मंगल सैन: मैं आपकी इस बारे में रूलिंग चाहता हूं। इन्होंनें यह कहा है कि लीला कृश्ण के मामले में आर्डर्ज आप्रे ानल स्टे के हैं। यह जो आप्रे ान स्टे होता है इससे उनको अपील करने का मौका मिलता हैं जो इनके केस में अफसर के बारे में स्ट्रिक्र्ज पास हुए है। वे तो स्टे नहीं हुए हैं (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लाल: आप मेहरबानी करके सुनने की कृपा करें। सारा ही आप्रे ान स्टे हुआ हैं

एक आवाज: ब्रिज मोहन सिंगला का भी बता दो।

चौधरी भजन लाल: जो बात हाई कोर्ट ने कह रखी है, वह तो उस केस में कायम है लेकिन हाई कोर्ट ने श्री लीला कृश्ण को कभी अनसीट नहीं किया हैं उसने कहीं अनसीट करने की बात नहीं कही है। (व्यवधान व भाोर)

श्री मंगल सैन: चौधरी साहब, मैंने तो रिटर्निंग आफिसर की बात कही है। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, उस आफिसर का जिक्र किया गया जिसके बारे में स्ट्रिक्चर आए हैं उस औफिसर के खिलाफ उस वक्त कोई कार्यवाही की जाएगी, जब सुप्रीम कोर्ट से कोई बात आएगी। जब तक सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आता तब तक कुछ भी उसके खिलाफ नहीं किया जा सकता। पूरा आप्रे ान स्टे है इसलिए उस औफिसर के खिलाफ ऐक ान लेने का क्या सवाल है। एक बात बहन जी ने यह कही कि एक कार आगे चलती है एक बार पीछे चलती है और एक कार घर पर रहती है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि इन अढाई सालों में इस प्रदे ा में हालात रहे हैं और कितना खतरा मुझे था ?

श्री अध्यक्षः इसमें कोई भाक नहीं था कि सारे लोगों की नजर चौधरी भजन लाल के ऊपर थी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप भली भांति जानते हैं उस वक्त यह कहा जाता था कि आज फलां जगह भजन लाल को मार देंगें आज फलां जगह भजन लाल को गोली से उडा देंगे। भारत सरकार का सी0बी0आई0, हमारी सी0आई0डी0, पंजाब की सी0आई0डी0, पंजाब का डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस, पंजाब का गवर्नर और भारत सरकार ने हमारे चीफ सैक्रेटरी को लिखकर भेजा कि मेहरबानी करके भजन लाल की सेफ्टी का पूरा इन्तजाम किया जाए उनको सबसे ज्यादा खतरा है। यह सारा रिकार्ड पर है यह कहना कि इन सारी चीजों की क्या जरूरत थी, मुझे क्या

खतरा था, क्या यह उचित है ? स्पीकर साहब, इस तरह की बातें आज तक किसी ने नहीं कहीं। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः कम से कम यह तो ख्याल रखना चाहिए कि जब लीडर आफ दी हाउस बोले रहे हैं तो सब चुपचाप उनको सुनें।

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब ये धमका कर कैसे बोल सकते हैं ? (भाोर व व्यवधान)

चौधरी भजन लालः मैंने तो किसी को नहीं धमकाया। आप लोग जब बोल रहे थे तो हम बीच में नहीं बोले। आप हमें क्यों टोक रहे हैं। (भाोर व व्यवधान) कह कर किसी मैगजीन में लिखवा लिया होगा। स्पीकर साहब सैफ्टी की बात सबने कही। अगर इसमें कोई बुरी बात है, तो ये बताएं।

इसके अलावा एक बात बहन जी ने यह कही कि सिलैक ान बोर्ड में तहसीलदारों की सिलैक ान में बडी धांधली हुई, बडा पैसा खाया गया। स्पीकर साहब, चन्द्रावती जी के भाई का लड़का था या बहन का लड़का था। इन्होंने मुझे उसको सिलैक्ट करवाने के लिए कहा और मैंने बोर्ड को कहा भी, और वह इत्तफाक से सिलैक्ट भी हो गया। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इन्होंने उनको कितना पैसा दिया ? (भाोर व व्यवधान) स्पीकर साहब, इन्होंने दो तीन दफा टैलीफोन किया और मैंने भी यह कहा

कि अपोजी ान की लीडर हैं। इनका काम कायदे कानून से हो सकता हो, तो जरूर होना चाहिये।

श्रीमती चन्द्रावतीः अगर मेरे कहने से मेरे किसी भाई का या बहन का लड़का या कोई रि तेदार लगा हो तो मैं अस्तीफा दे दूंगी।

चौधरी भजन लालः आप यह बताए कि आपने कहा था या नहीं कहा था और सिलैक ान हुई या नहीं हुई .....

श्रीमती चन्द्रावतीः नहीं हुई। मेरे भाई का लड़का नहीं था और न बहन का लड़का था। (भाोर व व्यवधान)

चौधरी भजन लालः आपने जिसके लिये भी कहा था वह सिलैक्ट हुआ था।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री के कहने से यह साबित हो रहा है कि यह सिफारि ा करते हैं और इनकी सिफारि ा से ही काम होता है।

चौधरी भजन लालः मैंने कहा है कि भाायद मैरिट पर सिलैक्ट किया होगा लेकिन बहन जी ने तीन दफा कहा और जिसके लिए इन्होंने कहा वह सिलैक्ट हुआ है।

स्पीकर साहब, अब सवाल आता है नहर टूटने का। यहा कहा गया कि सरकार की लापरवाही से नहर टूटी। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि उग्रवादियों ने नहर तोडी और नहर टूटने के

मामले में हरियाणा के किसान को काफी नुकसान हुआ है और खासकर सिरसा, हिसार और जींद इन तीन जिलों में बहुत ज्यादा किसान का नुकसान हुआ है क्योंकि यहां पर कौटन की बिजाई होनी थी और और यह एरिया कौटन का पडता है लेकिन हामरी तरफ से भरसक कोि ा ा हुई कि नहर को जल्दी से जल्दी बनाया जाए। इसके लिए मैं पंजाब सरकार का धन्यवाद किए बिना नहीं रह सकता कि उन्होंने वार फुटिंग पर काम करके नहर को बांधा। स्पीकर साहब, दसियों बार चौधरी भाम ेर सिंह जी और दूसरे मंत्री इस नहर का काम देखने गये। मैंने भी पंजाब के गर्वनर से वहां जाने की इजाजत मांगी लेकिन उन्होंन इंकार किया। स्पीकर साहब, मैं दो बार वहां गया। बगैर पंजाब के गर्वनर की इजाजत के मैं नहर देखने गया। स्पीकर साहब, मैं कितना रिस्क लेकिर वहां गया इसका आप अंदजा लगा सकते हैं। अगर किसी को पता लग जाता, अगर किसी उग्रवादी को पता लग जाता तो मेरी कार को रोक कर मेरा नुकसान कर सकता था। (भाोर व व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप तो विक्रमादित्य बन कर गए थे आपको किसने पहचानना था ? (भाोर व व्यवधान)

चौधरी भजन लालः मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इनमें से कौन आदमी कितनी बार गया था। अध्यक्ष महोदय, जहां तक नहर का दोबारा तोड़ने का सवाल है इसका बडा दुःख है और स्पीकर साहब, आपने अखबारों में पढा होगा। रेडियो पर भी सुना

होगा। मैंने तो यहां तक कहा था और वहां के एडमिनिस्ट्रे ान से मांग की थी कि उस जिले का जो डिप्टी कमि नर है, एस0पी0 हैं और एस0ई0 हैं, उनके खिलाफ ऐक ान लेना चाहिये और सस्पैंड करना चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः रिजल्ट क्या हुआ ?

चौधरी भजन लालः यह तो पंजाब का मामला था। पंजाब के अधिकारियों को ऐक ान लेना चाहिए था। हमने पूरी तरह से परसू किया था और गर्वनर साहब को कहा था कि आप उनके खिलाफ ऐक ान लें।

श्री मंगल सैनः दोबारा नहर तोडने के बारे में सैंट्रल गवर्नमैंअ को क्या आपने ि ाकायत की थी ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, भारत सरकार ाके एक बार नहीं दस बार मिलकर कहा कि नहर के बांध का काम जज्दी से जल्दी होना चाहिए और इसमें जरा भी देन नहीं होनी चाहिए और स्पीकर साहब, जिन किसानों का नुकसान हुआ है उनको मुआवजा देना चाहिए ऐसा भी हमने भारत सरकार को कहा है। 155 करोड रूपए की हमने उनसे मांग की है जिससे किसानों कीस सहायता की जा सके। दस लाख एकड में कपास और जीरी नहीं बोयी गई। उन किसानों को अगर भारत सरकार पैसा दे दे तो पांच सौ रूपया की एकड के हिसाब से हम मुआवजा दे सकेंगे। हम हर हालत में किसान की सहायता करेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः तीसरी बार नहर न टूटे, इसके लिए आपने क्या इन्ताजम किया है ?

चौधरी भजन लालः इस बारे में कल सारी बात आ जाएगी। हमने भारत सरकार को और पंजाब सरकार को भी कहा है कि मेहरबानी करके इस नहर की रखवाली पूरी तरह से होनी चाहिए। कहीं नहर तीसरी बार न टूट जाए। अगरी तीसर बार नहर टूट गई तो हरियाणा का सत्याना ा हो जाएगां पंजाब के गवर्नर साहब ने भी कहा है कि पूरा इंतजाम करेंगे और किया भी है। उन्होंने नहर पर जगह जगह पर अपनी चौकियां बिठाई हैं और मोटर साइकल दिये हैं ताकि ग त होती रहे। इसके बावजूद भी हमने यह कहा कि अगर पंजाब के बस की बात नहीं है तो मेहरबानी करके नहर की देखरेख का कंट्रोल हमारे हवाले कर दीजिये ताकि हम पूरा कंट्रोल कर सकें और नहर को तोडने न दें। उन्होंने हमारी इस बात को नहीं माना क्योंकि वह इलाका उनका है। उनका यह फर्ज बनता है कि नहर की रक्षा करें तथा हरियाणा की टेल तक पानी पहुंचाएं। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय बहिन जी ने एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का जिकर कर दिया कि वहां पर बहुत गंदा वाईस चांसलर लगा दिया। एक आदमी हर आदमी को बेईमान कह दे और हर एक को चोर कह दे यह बात मुनासिब नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्यः हर आदमी को नहीं कहां .... (ाोर)

चौधरी भजन लालः छाज तो बोले छलनी क्या बोले जिसके 100 छेद हों ..... इस पर गर्वनर साहब ने कहा कि हीरा नन्द आर्य की वजह से मैं असैम्बली डिलालव करता हैं .... (ाोर) गवर्नर चक्रवर्ती साहब का लिखा हुआ है कि हीरा नन्द आर्य की वजह से असैम्बली को डिजालव करता हूं। (ाोर) मैं फिर कहता हूं कि अगर गवर्नर साहब ने यह न लिखा हो तो कहें और बतायें कि आर्य जैसे मैम्बर, जिसने एक दिन में सात बार पार्टी बदली, इस वजह से मैं मैं असैम्बली भंग करता हूं। यह रिकार्ड में है। ..... आदमी को थोडी सी मर्यादा में रहना चाहिए। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः ..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, आप बार बार इन्ट्रप्ट कर रहे हैं, कृपया बैठ जाएं।

(इस समय विरोधी पक्ष की ओर से बहुत से सदस्य खडे होकर बोलने लग गए)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात इन्होंने बाजरे के बीज के बारे में कहीं।

नेमिंग आफ मैम्बर/बैठक का स्थगन

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं भी कुछ कहना चाहता हूं। (ाोर)

Mr. Speaker: I am again asking yout to please sit down otherwise, I shall have to name you. (Interruptions & Noise)

श्री हीरा नन्द आर्यः मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः नहीं आप बैठिये। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, आप एक मिनट के लिए मेरी बात तो सुन लिजिये। (ाोर)

Mr. Speaker: I name Sh. Hira Nand Arya. He may please withdraw from the House.

(Sh. Hira Nand Arya did not withdraw from the House)

विरोधी पक्ष की ओर से आवाजें: हम इस तरह से कार्यवाही नहीं चलने देंगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनमें सच्ची बात सुनने की भाक्ति नहीं है। (ाोर) हमने सच्ची बात कही है, हमने एक भी गलत बात नहीं कही। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः इनको क्यों निकाल जा रहा है ? (ाोर)

Mr. Speaker: Tell me one thing. Do you want to challenge my authority ?

सम्पत सिंह जी, आपको इस तरह से नहीं बोलना चाहिए। (ाोर)

Marshal, take Sh. Hira Nand Arya out.

(At this stage, the Serjeant at Arms went to Sh. Hira Nand Arya to execute the orders of the Speaker. However, several other members of th Opposition surrounded Sh. Hira Nand Arya and prevented the Serjeant at Arms from executing the orders of the Speaker and there was great noise and turmoil in the House).

Mr. Speaker: The sitting of the House is extended by half an hour.

The House is adjourned for 10 minutes.

(The Sabha then adjourned at 1.55 p.m. and re assembled at 2.05 p.m.)

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपकी सेवा में एक सबमि ान कना चाहता हूं। स्पीकर साहब, जिस समय मुख्य मंत्री जी नो कांफीडैंस मो ान का जवाब दे रहे थे उस समय मैं लौबी में गया हुआ था और पीछे से हीट जनरेट हो गई। यह बात ठीक है कि बहन चन्द्रावती ने कोई ऐसी बात कह दी होगी और मुख्य

मंत्री जी ने उनकी जात पर ही हमला कर दिया। जिस वक्त मुख्य मंत्री जी ने पहले उनके बारे में कोई बात कही थी, मैंने उस वक्त भी एतराज किया था। (ाोर)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, वह बात तो खत्म हो गई है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, यह बात आपकी बिल्कुल ठीक है कि वह बात खत्म हो गई but that was in a bad taste. लिबर्टी लेते लेते आगे निकल गए और एक मैम्बर के बारे में जो कि इस वक्त अपोजी ान में है ..... स्पीकर साहब, आप ही देख लें नो कांफीडैंस मो ान पर बोलते हुए हमने इनके, किसी भी मैम्बर को यह नहीं कहा कि वे पैसे लेकर उधर गए हैं। हमने डिपार्टमैंटस में लूट की बात कही है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः आपने कहा है कि पैसे लेकर एम0एल0एज0 उधर गए हैं। (ाोर)

श्री मंगल सैनः आज तो नहीं कहा। (ाोर)

चौधरी भजन लालः आज ही कहा है। (ाोर)

श्री मंगल सैनः बिल्कुल नहीं कहा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, भाायद आपने ही कहा था कि आप चुनकर 36 आए थे और 58 कैसे हो गए। (ाोर)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह था कि दोबारा चुनाव लड कर उधर नहीं गए। (ाोर) स्पीकर साहब, मैंने असूल की बात कही थी कि अगर कोई फलोर क्रोस करता है, he must resign his seat and then go to that side. मैंले पैसे लेकर जाने वाली कोई बात नहीं कही। स्पीकर साहब, मैं आपसे रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि पांच दिन का सै ान था। आज चौथा दिन है चार दिन गुजर गए सबसे बडी बात जो सबसे ज्यादा इम्पोर्टेंट है, वह है नो कांफीडैंस मो ान वह भी तकरीबन टाकआउट हो चुकी है। एट दी फैग एण्ड आफ दिन होल अफेयर मैं आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि मेरे मित्र ने जो बात कही है उसको दरगुजर करें और जो जो रिमार्कस यहां पर आए हैं .... वह सारे एक्सपंज कर दें।

श्री अध्यक्षः वह मैं देख लूंगा लेकिन एक बात जरूर कहूंगा कि मैं इस बात की पूरी कोि ा ा करता हूं कि मेरे से किसी भी माननीय सदस्य को कोई गिला न रहे। इसलिए मैं सबको ज्यादा से ज्यादा अकोमोडेट करने की कोि ा ाच करता हूं। आप देखें हर रोज तीन या चार क्वै चंज डिस्कस होते हैं। उसकी वजह यह है कि मैं हर मैंबर को अकोमोडेट करने की कोि ा ा करता हूं वरना 12 क्वै चंज में से कम से कम 7–8 सवाल तो कवर अप होने ही चाहिएं। मैंने एक दफा नहीं कम से कम 15 दफा आर्य साहब को कहा कि आप बैठ जाएं, लेकिन

उन्होंने मेरी बात की ओर कोई ध्यान नहीं दिया और बोलते ही रहें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं केवल इतनी ही गुजारि ा करना चाहूंगा कि कोई बात अगर हीट आफ दी मोमैंट में निकल जाए तो मुख्य मंत्री जी को अपना टैम्पर लूज नहं करना चाहिए। मैं तो जब यहां से उठर कर गया था, उस समय भी यह कह कर गया था ..... वह आप मेहरबानी करके एक्सपंज कर दें।

श्री अध्यक्षः चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी अगर आपको बार बार कोई तानाजनी करेगा तो आपके मुंह से कोई ने कोई बात जरूर निकल जाएगी। अब आप बैठ जाएं।

नेम किये मैम्बर को वापिस बुलाना

Mr. Speaker: Hon. Members, in view of the discussion held and the promise made by the Leader of the Opposition, Smt. Chandravati, in my Chamber, I allow Sh. Hira Nand Arya, M.L.A. to come to the House. But I would request the hon. Members that they must maintain the dignit and decorum of the House.

श्री मंगल सैनः धन्यवाद।

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बाजरे के सीड के बारे में बहन चन्द्रावली ने कुछ बातें कह दीं। बहन जी ने किसान के घर में जन्म जरूर ले लिया लेकिन खेत में एक दिन भी जाकर नहीं देखा। मैं इनको बताना चाहूंगा कि बाजरे का सीड हरियाणा प्रांत में बनाना मु ि कल है। अध्यक्ष महोदय, आप भी एग्रीकल्चर मिनिस्टर रहे हैं। आपको भी पता है और मैं भी इस महकमें का 5–6 साल तक मिनिस्टर रहा हूं। मुझे भी पता है कि हरियाणा प्रांत में बाजरे का सीड नहीं बनाया जा सकता। जिस खेत में यह बीज तैयार किया जाएगा उस खेत के चारों तरफ चार चार एकड जमीन खाली रखनी पडेगी तब जाकर बाजरे का सीड तैयार होता है। यदि उसके नजदीक चारों तरफ चार चार एकड जमीन खाली नहीं रखी जाएगी तो उस सीड में बीमारी लग जाएगी। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास इतनी जमीन नहीं है कि हम चार चार एकड जमीन चारों तरफ खाली रख सकें। यह बीज गर्मियों के दिनों मं बनता है सर्दियों के दिनों में नहीं बनाया जा सकता। इसलिए गुजरात ही एक ऐसी स्टेट है, जहां पर बाजरे का सीड तैयार किया जाता है। हमने वहां से बाजरे का सीड लाकर अपने प्रदे ा के लोगों को दिया है। यह हो सकता है कि उस बीज के बारे में किसानों को कोई ि ाकायत हो। मैंने खुद गुजरात स्टेटे के मुख्य मंत्री से बात की थी कि आप मेहरबानी करके हमें बाजरे का सीड दें उन्होंने कहा कि यह सीड सरकार ऐजन्सी नहीं बनाती बल्कि प्राईवेट ऐजेंसीज बनाती हैं और सर्टिफाइड कराके आगे बेचती हैं। उसके बाद बडी मु ि कल से प्राईवेट ऐजेंसी वालों से सीड मिला

और उनसे बाजरे का सर्टीफाइड बीज लेकर अपने प्रदे ा के किसानों को दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने बाजरे की पैदावार के पिछले पांच साल के आंकडें बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा की बाजरे की पैदावार कितनी बढी है। वर्श 1979–80 में 2.78 लाख टन, 1980–81 में 4.74 लाख टन, 1981–82 में 4.94 लाख टन, 1982–83 में 5.4 लाख टन और 1983–84 में 5.52 लाख टन बाजरे की पैदावार हुई। अध्यक्ष महोदय, इन पांच सालों में बाजरे की पैदावार दुगुनी हुई है। अगर किसानों को बाजरे का सीड अच्छा नहीं दिया होता और उनको पूरी फैसिलिटीज नहीं दी हुई होती तो बाजरे का उत्पादन इतना कैसे पढता। पांच साल में उत्पादन डबल हो गया। अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि मैं चौधरी भजन लाल 1979 में मुख्यमंत्री बन गया। मैं मुख्य मंत्री ऐसे ही नहीं बना था कि मैं ऊपर से लाकर मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया हो। अध्यक्ष महोदय, आपको पता है हमने चौधरी देवी लाल जी सर्व सम्मति से मुख्य मंत्री बनाया था और उन्होंने मुझे अपनी कैबिनेट में भाामिल नहीं किया और बहुत झमेला चलता रहा और जब देखा कि काम नहीं चलता तो बाबू जगजीवन राम के पास जा कर चौधरी देवी लाल जी ने कहा कि आप चौधरी भजन लाल को मेरी कैबिनेट में जरूर भाामिल कराओ तब काम चलेगा। उनके कहने से मैं चौधरी देवी लाल जी की कैबिनेट में भाामिल हुआ। मैंने चौधरी देवी लाल जी के साथ गद्दारी नहीं की। मैं मंत्री बन गया। आप सभी जानते हैं कि उनके काम में उनके बेटों ..... का कितना दखल

था। उनके राज चलाने में उनके ..... की इतनी दखल थी कि . ..... यहा तक कह दिया करता था कि राज तो ..... करता है, दखले मेरा पिता चौधरी देवी लाल कभी कभी देता है। (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि जो आदमी अपने आपको यहा ंपर डिफैंड नहीं कर सकता इनको उसका नाम नहीं लेना चाहिए।

श्री अध्यक्षः मुख्य मंत्री जी ने जो नाम लिया है वह रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने उनकी मिनिस्टरी से पहले अपना अस्तीफा दिया और बाद में चौधरी देवी लाल जी को हमने बदला। मैंने उनकी कैबिनेट का मंत्री बन कर जडें नहीं काटी। मैंने उनको खुद अपना इस्तीफा भेज दिया था। उन्होंने चार दिन तक मेरा इस्तीफा मंजूर नहीं किया मेरे अस्तीफ को अपने पास रखे रहे। उनका भाई साहब सिंह और चौधरी देवी लाल जी हरियाणा भवन में कमरा नम्बर 25 में मेरे पास आए और दोनों ने कहा कि चौधरी भजन लाल, आप अपना अस्तीफा वापिस ले लो। उस सम मैंने उनसे कहा कि मैं तुम्हारे साथ नहीं चल सकता। आप मेरा अस्तीफा मंजूर करें। यह बात आपके सामने है कि मैंने चौधरी देवी लाल जी को मुख्य मंत्री के पद से हटाया और मैं चीफ मिनिस्टर बना और बाकायदा उनको चीफ

मिनिस्टरि ाप से हटा कर फिर बना हूं। अध्यक्ष महोदय मेरे अपाजी ान के एक साथी ने कहा कि मैंने अपनी कांस्टीच्यूएंसी में 20 हजार बोगस वोट बनाए हुए हैं। इनके ि ाकायत करने के बाद इलैक ान कमि ान ने वहां पर चैंकिंग करवाई और उनको मेरे हल्के में एक भी वोट बोगस नहीं मिला। मेरे अपोजी ान के भाईयौं के आदमी चैंकिंग के वक्त उनके साथ रहे और एक एक घर में जाकर एक एक वोट को चैक किया। उनको एक भी वोट बोगस नहीं मिली। इनकी सारी ि ाकायत गलत निकली।

प्रो0 सम्पति सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब इनकी अपनी फैमिली के तीन तीन स्थानों पर वोट बने हुए हैं। यदि नहीं बने हुए थे तो इन से पूछ लें। इनके फादर के भी तीन स्थानों पर वोट बने हुए थे। आप ही बता दें कि क्या वे नहीं काटे गये थे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मेरे फादर गांव में भी रहते हैं और मेरे साथ भी रहते हैं। हो सकता है उनकी वोट यहाचं पर भी बन गई हो। जो आदमी दो तीन जगहों पर रहता हो तो उसकी उन स्थानों पर वोट बन जाना एक कौमन बात है। यदि उन्होंने वोट का दो जगह उसी समय इस्तेमाल किया हो तो आप कह सकते हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपको पता ही है कि जिन बडे बडे जमीदारों ने भाहरेां में भी रिहाइ ा कर रखी है, उनकी वहां पर भी वोट बन जाना एक कौमन सी बात है।

प्रो0 सम्पति सिंहः स्पीकर साहब, राजस्थान का एक महराना गांव है। उस गांव की चार सौा वोट आदमपुर में बनी हुई थीं। यदि ये वोट बाद में काटी गई हों तो इनसे ही पूछ लें।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, महराना गांव राजस्थान के अंदर पडता हैं उन लोगों की कुछ जमीन वहां के अलावा आदमपुर मंडी में भी पडती है। इसलिए हो सकता है कि उन व्यक्तियों की वोट दोनों जगहों पर बन गई हों। (ाोर)

श्री हरि चन्द हुड्डाः अभी भजन लाल जी ने थोडी देर पहले कहा था कि मैंने चौधरी देवी लाल जी मिनिस्टर से रिजाईन देकर उनको चैलेंज दिया था। इस बारे में मेरा कहना यह है कि दरअसल यह चैलेज तो चौधरी मुख्तयार सिंह जी और मेहर सिंह राठी जी ने किया था। चौधरी भजन लाल तो उस समय चौधरी चांद राम जी की कोटी से अचानक ही निकल आए। (हंसी)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह कहा कि मैंने चौधरी देवी लाल जी को दे ाद्रोही कह दिया। आप के सामने रिकार्ड है। चौधरी देवी लाल जी उन अकालियों की वकालत करते हैं जो हरियाणा को पानी देना नहीं चाहते। उनका यह कहना कि पंजाब में अकालियों की सरकार हो इससे बडी हैरानगी और

अन्याय की बात हरियाणा के लोगों के लिए और क्यों हो सकती है। वे एक तरफ तो अकालियों का समर्थन करते हैं और दूसरी तरफ वोट मांगते फिरते हैं। (ाोर) स्पीकर साहब, यह उन लोगों की वकालत करते हैं, जो हरियाणा के हितों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह उन लोगों की स्पोट्र कर रहे हैं, जो नहर की खुदाई नहीं करने देना चाहते। क्या नहर की खुदाई होने से हम रोक रहे हैं या हमारे साथी रोक रहे हैं ? मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि नहर की खुदाई अकाली नहीं होने दे रहे। (ाोर) मैं यहां पर यह भी बताना चाहूंगा कि इस समय नहर पर जो काम चल रहा है यदि वह इसी रफ्तार से चलताच रहा तो यह नहर दो साल के अंदर अंदर बन कर तैयार हो सकती है। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा इन्होंनें खानों का जिक्र कर दिया। खानों की खुदाई के बारे में इन्होंने यहा ंपर बडे लम्बे चौडे भाशण देते हुए कहा कि यहां बहुत धांधलियां मची हुई हैं। यहां पर चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने पेपर भी पढ कर सुनाया। किसी एक पेपर को पढते हुए इन्होंने पोकर मल का भी जिक्र किया था। अरावली की खानों के बारे में मैं इनको अच्दी तरह से बताना चाहूंगा कि इस खान को भगत मंगतू राम को दे रखा है, जो डा0 मंगल सैन जी की पार्टी के आदमी हैं। जिस समय डा0 साहब इण्डस्ट्रीज मिनिस्टर थे, तो उन्होंने ही उन के केस को रिकामैंड किया था। हमने इनकी रिकोमैंडै ान को खत्म नहीं किया। यदि खत्म कर देते तो ये लोग कहते कि हमारी पार्टी के

लोगों के साथ ज्यादती हो रही है। हम ने इन्हीं की रिकोमैंडे ान पर ही इन खानों को अकेल भगत मंगतू राम को लीज पर दिया हुआ है। उन्होंने तावूड का चुनाव भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लडा था और ये बी0जे0पी0 के जिला गुड़गांव के प्रधान हैं।

श्री राम बिलास भार्मा: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मुख्य मंत्री जी ने फरमाया है कि वहां की खान को भगत मंगतू राम को अकेले को लीज पर दे रखा हें मैं इनको बताना चाहूंगा कि उस खान को भगत मंगतू राम और हरि रमन को पार्टनरि ाप बेसिज पर लीज के आधार दे रखा है। (ाोर)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, वीरेन्द्र सिंह जी ने बोलते हुए पोकर मल का जिक्र किया था। मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि पोकर मल मेरा भाई तो नहीं है लेकिन मैं उसकी अपने भाई की तरह इज्जत करता हूं। यह ठीक है कि पहले वह मेरे बिजनैंस में पार्टनर रहा है लेकिन मेरा और उसका पार्टनरि ाप से कोई ताल्लुक नहीं है। इस बात को चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी अच्छी तरह से जानते हैं, क्योंकि यह हिसार के ही रहने वाले हैं अध्यक्ष महोदय, यदि कोई गलत काम करेगा, चाहे वह मेरा सगा भाई ही क्यों ने हो, माफ नहीं किया जाएगा। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र: मैंने तो वही कहा है जो इस मैगजीन में लिखा हुआ था।

चौधरी भजन लालः मुझे अच्छी तरह पढा है कि इस मैगजीन में क्या लिखा हुआ है। हमें यह भी पता है कियह किसने इस मैगजीन में लिखवाया था। हमने इस मैगजीन वाले को नोटिस दिया हुआ है कि आपने यह मैगजीन में कैसे लिख दिया। आप चाहेंगे तो उसकी कापी भी आपको दे दूंगा। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि सिलीका की बजाये रैड सैंड को लीज पर दे दिया। स्पीकर साहब, मैं बताना चाहूंगा कि भारत सरकार के कानून के हिसाब से जो व्यक्ति ऊपर की मिटटी निकालेगा वहीं व्यक्ति नीचे की भी मिटटी निकालेगा। मैं यहां पर यह भी बताना चाहूंगा कि रूल में यह प्रोवीजन है कि जो व्यक्ति पहले यह बताएगा कि यहां पर खुदाई करने पर भी ा निकलेगा या दूसरे खनिज पदार्थ मिलेंगे तो वही उसकी खुदाई करवा सकता है, ब ार्ते वह एप्लीके ान दे। रूपल के हिसाब से जो व्यक्ति पहले एप्लीके ान देता है उसको माइनज का ठेका सबसे पहले दिया जाता है। स्पीकर साहब, मैं इनको यह भी बताना चाहूंगा कि इन खानों से सरकार को प्रति वर्श क्या आमदनी रही है। मैं इन को ये फिगर्ज 1979–80 से बताना चाहूंगा कि कितना रूपया हमें इन खानों से प्राप्त हुआ। इस की डिटेल्ज इस प्रकार है–

वर्श	रूपये
1979–80	12231766. 00

1980—81	14177984.52
1981—82	17382953.13
1982—83	24135395.65
1983—84	43856668.57

स्पीकर साहब, इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं, कि इन खानों से हमें कितना पैसा मिल रहा है। इस के साथ ही साथ मैं यह भी इन्हें बताना चाहूंगा कि इस साल यानि 1984—85 में इन खानों में 5 करोड रूपए की इंकम होने की संभावना है। मैंने आपके सामने आंकडे दिए हैं, इनसे साफ जाहिर है कि हम ने इंकम बढाई है और ठीक काम कर के दिखाया है ताकि कोई लीकेज न हो। इस के अलावा रेट का फर्क था। ऊपर की मिटटी का रेटी 50 पैसे टन था और नीचे की मिटटी अढाई रूपए टन के हिसाब से था। हम ने इन दोनों किस्म की मिटटी का भाव एक ही कर दिया। यानि जो ट्रक वहां से मिटटी लेकर जायेगा वह अढाई रूपए पर टन के हिसाब से पेमेंट करेगा, मिटटी चाहे ऊपर की हो, चाहे नीचे की हो। हमने दोनों किस्में की मिटटी का रेट एक ही कर दिया ताकि कोई गड़बड़ न कर सके।

श्री हीरा नन्द आर्यः यह मिटटी लीज पर दी है या औक ान की है ?

चौधरी भजन लालः लीज पर दी है और लीज पर देने के तरीके हैं, इस के लिए नियम बने हुए हैं। भारत सरकार का कानून है उसके मुताबि दी है। बिना कानून से दी हो और अगर कोई यह साबित कर दे तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। लीज पर दिये जाने के बारे में नियम हैं। अब चौधरी लाल सिंह के लडके ने खान ले ली और काम कर लिया और ये कहते हैं कि इसको क्यों दिया। अगर किसी सियासी आदमी का बेटा कोई काम कर ले तो क्या बुरा है ? काम नहीं करेगा तो क्या वह चोरी करेगा, डकैती मारेगा ? सियासी आदमी का बेटा कोई काम कर लेता है तो क्या वह बहुत बडा गुनाह कर लेता है ? अगर वह कोई चोरी करता हाचे, बेईमानी करता हो, टैक्स की चोरी कर9ता हो, तो आप बतायें मैं फौरन उनके खिलाफ कार्यवाही करूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं खानों के बारे में कुछ आंकड़ें देना चाहता हूं कि इंकम कहां तक बढाई है। सरायखाजा खान की 5 लाख 80 हजार रूपए की इंकम थी औ अब बढ कर 14 लाख 20 हजार रूपए हो गई है। आनन्दपुर खान की पहले 11 लाख 11 हजार रूपए की आमदनी थी और अब बढ कर 46 लाख 14 हजार रूपए हो गई। मेवला महाराजपुर खान की पहले 5 लाख 7 हजार रूपए की आमदनी थी और अब 37 लाख रूपए हो गई। मनखी खान की पहले इंकम 1 लाख 27 हजार रूपए थी और अब बढ कर 4 लाख 21 हजार

रूपए हो गई। बडखल खान की आमदनी पहले 77 हजार रूपए थी और अब बढ कर 2 लाख 5 रूपए हो गई है। इसी तरह पाली खान की आमदनी 1 लाख 77 हजार रूपए थी लेकिन अब बढ कर तीन लाख 82 हजार रूपए हो गई। (व्यवधान)

एक आवाजः पहले की जो बातें कह रहे हैं। पहले कब की बात कर रहे हैं ?

चौधरी भजन लालः पहले का मतलब है जब आप का राज था। उस वक्त यह हालत थी माइन्ज की। इसके बाद जब कांग्रेस राज आया तो हमारे राज में इंकम में बढ़ौतरी हुई है, इस बढ़ोतरी को ही चर्चा मैं कर रहा हूं (व्यवधान)

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफर आर्डर सर। स्पीकर साहब, इन्होंने कुछ देर पहले कहा कि जब मैं मिनिस्टर था, उस वक्त मैंने इस आदमी को मंजूरी दी थी। स्पीकर साहब, बहुत समय निकल गया, मुझे कुछ याद नहीं कि मैंने इनको मंजूरी देने के लिए कोई रिकोमैंडे ान की हो। यह भी हो सकता है कि की हो। कोई बडी बात नहीं है। लेकिन मैं आपके सामने एक बात कहना चाहता हूं कि कंवर विजय पाल सिंह मेरे पास आते रहते हैं। एक बार मैंने उनसे पूछा कि मैंने सुना है कि तुम्हारा लडका लाईसैंस मांग रहा हैं मैंने कहा कि तुम पोलिटीकल आदमी हो, लाइसैंस लेकर गलती न करना कहीं गड़बड न हो जाए। (व्यवधान) स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कहा कि खानों की

आमदनी बढ गई और कोई गैर कानूनी काम नहीं हुआ। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि अखबारों में इस बात का भाोर हो रहा है, आप इस की इंक्वायरी करवा कर देख लो। इससे आपकी पोजी ान भी और हमारी पोजी ान भी क्लीयर हो जाएगी और जो सही बात है, वह रिपोर्ट में आज जाएगी। बेहतर यही है कि एक इंक्वायरी करवा ली जाए। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कोई व्यक्ति कोई व्यक्ति अगर गलत साबित कर दे कि ये काम कायदे और कानून से गलत किया है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

श्री मंगल सैनः आप इसकी इंक्वायरी क्यों नहीं करवाते ? इंक्वायरी करवा लें।

चौधरी भजन लालः इंक्वायरी आप ही कर लें और हमें बता देना।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम खत्म हो रहा है। अगर सहमति हो तो आधा घण्टा और बढा दिय जाए।

आवाजें: ठीक है जी, बढा लिया जाए।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम आधा घंटा और बढाया जाता है।

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मंगल सैनः आप हाई कोर्ट के किसी जज से इंक्वायरी करवा लें। इससे हमें भी तसल्ली हो जाएगी और आपको भी।

चौधरी भजन लालः मैं यह इंक्वायरी आप पर छोड़ता हूं। अगर आप गैर कानूनी बात साबित कर देंगे तो मैं एक मिनट में अस्तीफा दे दूंगा। मेरी पूरी औफर है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हाई पावर्ड कमेटी का जिक्र कर दिया। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि हमने हाई पावर्ड कमेटी इसलिए बनाई ताकि जब सरकार कोई चीज परचेज करे तो रियायत में करे और स्टेट को लाभ हो। इस कमेटी में अकेला भजन लाल ही नहीं है। इसमें फाइनैंस मिनिस्टर, फाइनैंस सैक्रेटरी जिस महकमे से खरीद ताल्लुक रखती है उस महकमे के मंखी उसके सैक्रेटरी, हैड आफ दी डिपार्टमैंअ यानी कम से कम 20 अधिकारी मीटिंग में होते हैं जिनमें इंडस्ट्रीज मिनिस्टर साथ होते हैं। ये सब एक एक बात की तह तक जाते हैं और स्टेट के हक में फैसला करते हैं। अध्यक्ष महोदय, पिछली बार चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने इसके बारे में

सवाल उठाया था और उस वक्त सरदार लछमन सिंह के पास इंडस्ट्रीज का महकमा था। इन्होंने इस बात को माना है कि यह हाई पावर्ड कमेटी के बनने से स्टेट को करोडों रूपये का लाभ हुआ है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः जो सब स्टैंण्डर्ड माल लिया वह कैसे लिया ?

चौधरी भजन लालः सरकार जो चीज लेती है, उसको भारत सरकार की लैबोरेटरी में बाकायदा टैस्ट किया जाता है। ये लैबोरेटरीज दूसरी जगहों पर भी हैं। अगर इन लैबोरेटरीज में टैस्ट करने के बाद माल स्टैंडर्ड के मुताबिक न पाया जाए तो उस माल को हम वापिस करते हैं और उसके बदले में स्टैंडर्ड के मुताबिक चीज लेते हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः क्या आपने माल वापिस भी किया है ?

चौधरी भजन लालः हमने बाकायदा सब स्टैंडर्ड माल वापिस किया है और इसके बदले में दूसरी चीज ली है।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब जो कह रहे हैं, इससे हम काफी इम्प्रैस्ड हैं कि गवर्नमैंट ने यह कमेटी बनाकर काफी फायदा स्टेट का किया है लेकिन जब अखबारें में ऐसी बात आ गई थी तो आपको चाहिए था कि उसको कंट्राडिक्ट करते और अखबार वाले डैफामे ान का मुकदमा करते ताकि गलत बात लिखने वाले को सजा मिलती ?

चौधरी भजन लालः हमने उसको बाकायदा नोटिस दिया है।

श्री अध्यक्षः कई किस्म के अखबार छपते हैं। इनमें कई ऐसे होते हैं जिनमें खबरें एक्सट्रेनुअस और स्कैंडुलस होती हैं।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने विस्तार से बता दिया है। बडी अच्छी बात है। मेरे दोस्त अखकार की बात करते हैं कि इंकवायरी होनी चाहिए ताकि दोशी को सजा मिले। कल का आप सबने अखबार 'पैट्रिअट' पढा हाचेगा इसमें लिखा है कि मुख्य मंत्री जी ने आदे ा दिया है कि इन माईज को बंद कर दिया जाए। मुख्य मंत्री जी ने विस्तार से जो बताया है, उसको सुनकर हम संतुश्ट हैं। लेकिन मै। आपसे एक गुजारि ा करूंगा कि इस संबंध में स्टेटमैंट आफ फैक्टज सर्कुलेट करवा दें तो अच्छा होगा।

चौधरी भजन लालः यह बात ठीक है। लीज पर लेने के बाद लोग वां पर खानें, बनाते हैं और कई बार कायदे के मुताबिक खाने नहीं बनती। जो खान कायदे के मुताबिक न बने उसको हम डेंजरस डिक्लेयर कर देते हैं ताकि मजदूर दब कर न मर जाएं इसलिए ऐसी कुछ खाने बंद कर दी गई जो खाने ठीक नहीं बनी हैं। कहीं ऐसा न हो कि जानी नुकसान हो जाए। असल बात यह है कि वहां कुछ खाने ठीक ढंग से नहीं बनी हैं।

श्री मंगल सैनः क्या आपके नोटिस में यह बात है कि गवर्नमैंट आफ इंडिया ने पहले कहा कि डेंजरस है और फिर चार दिन के बाद कह दिया कि डैंजरस नहीं है ?

चौधरी भजन लालः यह बात मेरे नोटिस में नहीं है कि भारत सरकार ने कह दिया हो कि डेंजरस नहीं हैं। हां, एक बात हो सकती है कि भारत सरकार ने कह दिया हो कि यह माइन ठीक नहीं हैं। इसके बाद सरकार उसको बाकायदा मौका देती है कि ठीक करवाए। (व्यवधान) भारत सरकार बाकायदा नोटिस देती है कि तुम्हारी माइन ठीक नहीं है। इसमें डेंजर है, इसको ठीक करो। अगर वह ठीक कर देता है तो बाकायदा माइन चालू हो सकती है।

श्री मंगल सैनः क्या यह दोबारा चालू नहीं हुई है ?

चौधरी भजन लालः अगर दोबारा चालु हुई होगी तो देख लेंगे, इसकी इंक्वायरी करवा लेंगें। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सीरा की गडबड के बारे में बात कही है। इन्होंने कहा कि सीरे की अलाटमैंट में गडबड हुई है। ज्यों ही यह बात हमारे नोटिस में आई, बाकायदा विलिलैंस डिपार्टमैंट से इंक्वायरी करवाई, केस दर्ज करवाया लैकिन वह आदमी नहीं मिला। इन्होंने बताया कि मदन लाल सन औफ प्यारे, लुधियाना जिले में है। हम जरूर उसका पता करवाएंगे। नाम बताने के लिए इनकी बडी मेहरबानी (विघ्न) हम

कुछ और ऐसे नाम आपको बताएंगे। अगर आप उसका भी पता मालूम कर दें तो आपकी बडी मेहरबानी होगी। (विघ्न)

डाक्टर मंगल सैन जी ने जुडीि ायरी के बोर में भी कहा और हरियाणा के मुफीद की रक्षा की भी बात की। डाक्टर साहब, हरियाणा की मुफीद की रक्षा करने का जहां तक ताल्लुक है, हर समय हमने अपोजी ान को वि वास में लिया है। जितनी बार जरूरत पडी हमने सब पार्टीज के नेताओं को बुला कर उनसे बातचीत की है और जो भी बात हुई, सब के सामन हुई है। कोई भी अलग से नहीं की है। जो भी बात हुई है आपके सामने हुई है। हमने कोई बात कभी छुपाकर नहीं रखी। आज भी मैं सदन को और अपोजी ान के भाइयों को वि वास दिलाता हूं कि आयंदा भी जब कोई बात चलेगी तो सबसे पहले अपोजी ान पार्टीज के नेताओँ को वि वास में लिया जाएगा। जिस काम में सबकी सहमति होगी, वह काम हम करेंगे। जिसमें सबकी सहमति नहीँ होगी वह काम हम बिल्कुल नहीं करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, फिर इन्होंन ट्रिब्यून अखबार की बात की है कि साहब, भजन लाल के दबाव में आकर उन्होंने किसी एम्पलाई को बदला है। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात का बिल्कुल पता नहीं है। किसी प्राईवेट संस्था के अन्दरूनी मामले से सरकार का क्या ताल्लुक है ? किसे बदलें, किसे रखें, इससे हमारा कोई सरकार नहीं लेकिन यह बात ठीक है कि अखबार में जो छपा था, उसमें कोई सच्चाई नहीं थी। वह बिना बेसिज के छाप रखा था।

लेकिन इन्होंने कहा कि सरकार ने चूंकि उनके इ तहाद बंद कर दिये इसलिए उसे बदलना पडा। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में सदन के सामनें आंकडें रखना चाहता हूं। ट्रिब्यून को पिछले तीन महीनों में 432891 रूपये के इ तहार दिए हैं, जो सबसे ज्यादा है। इंडियन ऐक्सप्रेस को जो चंडीगढ से ही छपता है केवल 53243 रूपये के इ तहार दिए गए हैं। दिल्ली के इंडियन ऐक्सप्रेस को 60616 रूपये के इ तहार दिए हैं। इसके अलावा इंडियन ऐक्सप्रेस दिल्ली और चंडीगढ दोनों को 228709 रूपये के इ तहार दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, सारे हिन्दुस्तान में टाईम्ज आफ इंडिया की सबसे ज्यादा सर्कुले ान हैं (विघ्न)

श्री मंगल सैनः ये आंकड़ै आप किस पीरयड के दे रहे हैं ?

चौधरी भजन लालः 1–4–84 से 31–7–84 तक के।

प्रो0 सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, जहां तक सर्कुले ान की बात है, हमें यह देखना चाहिए कि हरियाणा में सबसे ज्यादा किस पेपर की सर्कुले ान है क्योंकि हरियाणा के लोग तो उस पेपर को ज्यादा पढेंगे।

चौधरी भजन लालः इंडियन ऐक्सप्रेस चण्डीगढ में छपता है और ट्रिब्यून भी चण्डीगढ में छपता है। इंडियन ऐक्सप्रेस की सर्कुले ान 159449 है और ट्रिब्यून की सर्कुले ान 166380 है। कितना फर्क है ? केवल 7 हजार का। लेकिन इंडियन ऐक्सप्रेस को

इ तहार 228709 रूपये के दिये हैं और ट्रिब्यून को 432891 रूपये के दिये हैं

श्री मंगल सैनः यही तो हम कहते हैं कि आपने चूंकि उनका लिहाज किया इसलिए उनहोंने ऐक ान ले लिया। (विघ्न) आपने कहा कि मेरा कहना मानों, नहीं तो इ तहार नहीं दिए जाएंगे।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आपने तो कहा था कि उनको इ तहार नहीं दिए हैं

श्री मंगल सैनः पहले इन्होंने ऐडवर्टाइजमैंट देना बंद कर दिया था लेकिन जब उन्होंने उसे बदल दिया तो इन्होंने एडवर्टाइजमैंट देना भुरू कर दिलया। (विघ्न)

डा0 भीम सिंह दहियाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आपके राज के पांच साल पूरे होने पर एक पेज का काफी लम्बा चौड़ा इ तहार ट्रिब्यून में आया था या नहीं आया था ?

चौधरी भजन लालः जरूर आया था। (विघ्न)

स्पीकर साहब, एम0डी0 यूनिवर्सिटी और फार्मेसी कालेजिज के बारेम में जो बातें इनहोंने कही हैं, उनमें कोई सदाकत नहीं है। फार्मेसी कालेजिज के बारे में वैसे तो चौधरी चन्दा सिंह जी ने जवाब दे दिया है लेकिन मैं भी इन्हें एक बात

बताना चाहता हूं। हम बाकायदा केस रजिस्टर करवा कर इसकी इंकवायरी करा रहे हैं ताकि असलियत सामने आ जाए। (विघ्न) जहां तक महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी का संबंध है, इन्होंने कहा कि दाखिला ठीक नहीं हुआ, यह ठीक नहीं हुआ और वह ठीक नहीं हुआं स्पीकर साहब, बहन चन्द्रावती जी यहां बैठी हैं, डा0 मंगल सैन जी यहां बैठे हैं, चौधरी वीरेन्द्र सिंह और हीरा नन्द आर्य भी यहां बैठे हैं। महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर को चौधरी देवी लाल जी ने, इनके ही वक्त में लगाया था। वे एम0एल0ए0 बन कर आ गए थे। इन्होंने सोचा कि सिकी तरह इससे पीछा छुडाया जाए और असैम्बली से बाहर किया जाए।

श्री मंगल सैनः आप भी हमारे साथ थे।

चौधरी भजन लालः उस वक्त इस बात में मैं आपके साथ नहीं था। उनको वाईस चांसलर बनाने में मेरा कोई हाथ नहीं था। अगर यह बात गलत है तो हीरानन्द आर्य जी बता दें।

श्री हीरा नन्द आर्यः अगर आपको हाथ नहीं था तो मेरा भी कोई हाथ नहीं था।

चौधरी भजन लालः ठीक है, आपको भी हाथ नहीं था क्योंकि आप भूख हडताल पर बैठे हुए थे। तो स्पीकर साहब मैं कहा रहा था कि उनको वाईस चांसलर बनाने में मेरा हाथ नहीं रहा। इन्होंने उन्हें लगाया और अच्छा आदमी समझ कर लगाया लेकिन आज ये उनकी यहां खडे होकर मुखालिफत करते हैं।

श्री मंगल सैनः हम भ्रुरू से मुखालिफत करते हैं।

चौधरी भजन लालः अगर भ्रुरू से मुखालिफत करते तो क्या वे वाईस चांसलर लग सकते थे क्योंकि देवी लाल जी के समय आप डिप्टी चीफ मिनिस्टर थे, राज चलाने वाले आप ही थे। आपकी मौजूदगी में कैबिनेट में फैसलाच हुआ, तब वे लगे होंगे। (विघ्न)

श्री मंगल सैनः हम मान लेते हैं कि हमसे गलती हुई लेकिन आप तो उसे ठीक कर दो।

चौधरी भजन लालः गलती एक नहीं हुई। तीन साल के लिए आदमी अप्वायंट होता है लेकिन दु:ख की बात यह है कि उसी खत में लिख दिया कि 6 साल के लिए अप्वायंट किया जाता हैं हमने ऐसी सरकार कोई नहीं देखी कि एक ही चिटठी में दोनों बातें लिख दी जाएं। ऐसी बातें करके आज अगर ये उनके बारे में कुछ कहें तो अच्छा नहीं लगता। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को मानता हूं कि हरियाणा प्रान्त में किसानों में अगर कोई काबिल आदमी है, पढा लिखा आदमी है, तो वह चौधरी हरद्वारी लाल है।

श्री मंगल सैनः हाई कोर्ट में आपने क्या कह रखा है वह भी बता दो।

चौधरी भजन लालः हाई कोर्ट की बात में जाओगे तो एक पैटि ान आपके हक में भी उन्होंने तैयार की थी। वह सब अगर मैं बताने लग गया तो मु ि कल हो जाएगी। (विघ्न)

स्पीकर साहब, डा0 साहन ने पब्लिक सर्विस कमी ान की भी चर्चा की। अध्यक्ष महोदय मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि यह बात अगर ये साथी पार्टी पोलिटीक्स से ऊपर उठकर कहें, तो मैं मान जाऊंगा। इन लोगों से अच्छे और भी लोग हो सकते हैं लेकिन इन लोगों की भी कोई यह नहीं कह सकता कि ये घटिया आदमी हैं और बेईमान आदमी हैं। (विघ्न) निहायत बढिया और अच्छे आदमियों का कमी ान हमने बनाया है। फिर ऐडवोकट जनरल के बारे में इन्होंने कह दिया कि उनका बेटा भी वकी है। इसमें कोई पाप नहीं है अगर ऐडवोकेट जनरल का बेटा वकील है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि वकील होना बुरी बात नहीं है लेकिन सरकार जराय से बेटे को मुकदमे देना बुरी बात है।

चौधरी भजन लालः फिर इन्होंने कहा कि उसको आता कुछ नहीं हैं (विघ्न)

श्री मंगल सैनः मर्यादा की बात यह है कि आप बेटे को एक जगह नहीं होना चाहिए।

चौधरी भजन लालः डा0 साहब ऐसा है कि अगर कोई हाई कोर्ट का जज हो तो उसके बेटे को वहां वकालत नहीं करनी चाहिए क्योंकि जज ने फैसला देना होता है। अगर किसी का बाप सै ान जज हो और उसका बेटा वहां वकालत करता है तो वह

भी मुनासिब नहीं लगता। अगर बेटा वकील है और बाप भी वकील है तो वह कहां जाएगा। वह तो वही पर ही प्रैक्टिस करेगा।

श्री मंगल सैनः क्या एडवोकेट जनरल का बेटा अपने बाप से केस ले कसता है ? ऐडवोकेट जनरल का बेटा अपने बाप से केसिज लेता है।

चौधरी भजन लालः एडवोकेट जनरल प्राइवेट केसिज भी कर सकता हे। वीरेन्द्र सिंह जी आपके पास ही बैठे हुए हैं। उन्होंने मोहनता साहब को एडवोकेट जनरल लगाया था जो तहसील लैवल के वकील थे। उनको बेटा भी तो प्रैक्टिस करता था। (विघ्न) अगर बेटा गलत काम करता है तो उस बारे में आप बताएं। अगर बेटा ठीक काम करता है तो उसे कैसे रोक सकते हैं ?

श्री मंगल सैनः इंडस्ट्री डिपार्टमैंट के मुकदमे उनका लडका भुगतता है। वही पे ा होता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि वह किसी हैसियत से पै ा होता है। बाप ऐडवोकेट जनरल है, उसने बेटे को वहां पर लगवा रखा है।

चौधरी भजन लालः हो सकता है इंडस्ट्री डिपार्टमैंट के केसिज उन्होंने उसे दे दिये होंगे। अगर आपको बेटा है और वह वकील है, उसे एकाध केस दे दिया जाए तो कोई अन्याय की बात नहीं हैं अगर उसने कोई गलत काम कर दिया है तो हम उसे जरूर चैक करेंगे।

श्री मंगल सैनः बोर्ड और म्युनिस्पिल कमेटियों को सरकूलर भेजा हुआ है कि कोई केस हो तो मुझ बताएं। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः तैय्यब हुसैन जी ने बिजली के बारे में कहा। उस बारेम में तो चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी ने काफी डिटेल में बता दिया है। दूसरी बात तैय्यब हुसैन जी ने आगरा कैनाल के बारे में कही। आगरा कैनाल यू0पी0 गवर्नमैंट के अंडर आती हे। यू0पी0 गवर्नमैंट से हमने कई दफा बात भी की है कि हमारे एरिया से नहर गुजरती है वहां पर हमारा कंट्रोल हो जाये तो लोगों के साथ ज्यादती न हो। जहां तक इस बात का संबध्ंध है कि ताउडू के बारे में कुछ वायदे करके आये थे, उन्हें पूरा किया जाये। चाहे कांग्रेस एम0एल0ए0 का हल्का हो चाहे अपोजी ान एम0एल0ए0 का हल्का हो, हम किसी के साथ कोई पक्षपात नहीं करते। हम प्रांत की जनता की समस्याओं को दूर करने की कोि ा ा करते हैं। हमारा फज्र बनता है कि हम जनता की तकलीफें दूर करें।

जहां तक किताबों कों ताल्लुक है, कुछ किताबों के छपने में देरी हुई है। छठी जमात की किताबें तैयार होने में देर हो गई। नई किताबें छपनी थी। पुराना सिलेबस बदल गया था। ये सारी ही नई किताबें छपनी थीं इसलिए देरी के लिए माफी चाहते हैं। आधी किताबें छप कर स्कूलों में पहुंच गई हैं देरी के

लिए इंक्वायरी करवा रहे हैं, जिसका भी कसूर मिलेगा ऐक ान लिया जाएगा।

इन भाब्दों के साथ मैं कहूंगा कि इनकी किसी भी बात में सच्चाई नहीं है, बेसलैस बातें कही गई हैं। इसलिए मैं सदन से प्रार्थना करूंगा कि इस अवि वास प्रस्ताव के जरिये सारे साथी मिलकर इन को मात दें और प्रस्ताव को गिरायें ताकिक अपोजी ान को भी पता लग सके कि यह साहेबान कहां पर खडे हैं।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढड़ा): स्पीकर साहब, मेरी किसी भी बात का यानी जो भी मैंनें इल्जामात लगाये, जवाब नहीं दिया। सरकार ने ओमि ान कोमि ान की किसी भी बात का जवाब नहीं दिया। यह तो एक ही चीज अपना लते हैं कि effence is the best defence इसीलिए मैं इनकी बातों को रिबट करती हूं। इनमें कुछ सुनने की हिम्मत होनी चाहिए।..... इन्हें हमारी बातों का जवाब देना चाहिए था। मैं आज के दिन अपोजी ान में हूं, मैं लोगों के बारे में कह सकती हूं। यह प्रान्त किसी की प्रोपर्टी नहीं है, व्यक्तिगत जयदाद नही ंहै। प्रांत को गहने नहीं रखा हुआ है। लेागों के काम के लिए अफसरों और मिनिस्टरों को टेलीफोन करना होता है और इसे मैं अपना हक समझती हूं। मैंने दो बार मुख्य मंत्री को कहा है। एक बातर तो जब मैं अपोजी ान की लीडर नहीं थी उस समय अपने भतीजे की औरत के लिए कहा था जिसको एमरजैंसी में नौकरी से हटा दिया

था। वह ए0एन0एम0 लगी हुई है। छः महीने बाद उसे हटा देते हैं, फिर लगा देते हैं। वह जनता राज में दुबारी लगी थी। उसकी तो इन लोगों ने तनख्वाह भी रोकी हुई है। दूसरे उस लडके के बारे में जो मेरा कोई रि तेदार नही ंहै, उसके बारे में कहा था लेकिन उसे कही भी नहीं लगाया। इसलिए मैं इस प्रांत को आपकी जद्दी जायदाद नहीं मानती। यह कोई मेरा व्यक्तिगत काम नहीं है। जहां तक यह 12 लाख रूपये के कूपन की बात करते हैं उसके बोर में भी अर्ज करना चाहती हूं। मैं लखनऊ से आई थी। वे टैक्सी में से खो गये थे और दिल्ली की ही एक बस्ती में मिल गये। जो खुदप बेईमान हैं वे दूसरों को बेईमान समझते हैं। मैंने आज तक कोई बेईमानी नहीं की। खम्भे पर सामने विधान सभा में लिखा हुआ है कि सभा में या तो प्रवे ान न किया जाये या यदि प्रवे ा किया जाये तो स्पश्ट और सच बात कही जाये क्योंकि वहां न बोलना या गलत बोलना दोनों ही स्थितियों में पाप है यानी पाप का भागी बनता है। मैं कभी भी हेराफेरी की बात नहीं जानतीं ईमानदारी से रही हूं लेकिन जो लोग मुझे गाली देकर डराना चाहते हैं वह इस बात को भूल जायें कि चन्द्रावती डर जायगी और आपका पर्दाफा ा नहीं करेंगी। (विघ्न) सुरजेवाला जी मुझे आपका सारा पता है। आप यह तो बतायें कि आपने सात कोठियां बनायी हैं, उनमें सीमेंट कहां से आया है ? (व्यवधान व भाोर)

स्पीकर साहब, मैं भाखडा और एस0वाई0एल0 के बारे में ज्यादा कहना नहीं चाहती क्योंकि मैं समझती हूं कि यह स्टेटक

के इन्ट्रस्ट की ही बात है। लेकिन एक बात जरूर कहूंगी कि मैंने मुख्य मंत्री जी को एक चिटठी लिखी थी कि अब अवसर है, हाथ से न खोने दें लेकिन इन्होंने उस अवसर का फायदा नहीं उठाया। एस0वाईएल0 खुदवा लेनी चाहिए थी। मेरे पास इस बारे में सबूत हैं कि लैंड एक्यूजी ान अफसर और दूसरे अफसरों ने पोलिटी ान से बिल कर पैसे का सैंकेंडल किया है। यहां के किसानों को ज्यादा पैसा दें ताकि वे रूकावट न डालें। दूसरों को भी दिये जा रहे हैं। मैं पहले भी इस बारे में सोचती थी कि नहर के खुदने में डिले का क्या कारण हो सकता है लेकिन मेरे पास तो सबूत है कि किस कारण से डिले हुई है।

स्पीकरव साहब, मैं भाखडा नहर को दो बार देख आई हूं। मैंने उसके बारे में सुरजेवाला साहब को चिटठी भी लिखी हैं इनकी चिटठी भी आई थी। उसमें हालांकि जवाब देने के लिए कुछ भी नहीं था लेकिन उसके बावजूद मैंने उसका जवाब दिया। इन्होंने बहुत बातें कही हैं। यह कहा गया कि ट्रैक्टर की कीमत बढी है। उनकी कीमत तो इन लोगों ने बढाई हैं। फरीदाबादप में बिजल का जो हाल है, वह आपने भी देख लिया है। बाद की कीमत भी चौधरी चरण सिंह ने घटाई। पैप्सू के वक्त से हम यह समझते थे कि तम्बाकू टैक्स किसानों और जमींदारों पर है। उसे भी चोधरी चरण सिंह ने जब वे फाइनैंस मिनिस्टर बने थे, हटाया था। यहां पर मेरे भाई के खिलाफ मुकदमें की बात भी कही गयी। मैं इनको यह बता देना चाहती हूं कि मेरे भाई के खिलाफ एक

नहीं, कई मुकद्दमें थे, जो मेरे भाई के खिलाफ एक्स मुख्य मंत्री ने बना रखे थे। भाई बंसी लाल के दो सलाहकार थे, ऐ तो ये थे और एक एक्स मुख्य मुंत्री थे। ये कहा करते थे कि इनके बीच ऐसी पैरेलल लाईनें खींच दी हैं जिससे वे कभी नहीं मिलेंगे। मुझे गर्व है कि मेरा भाई बाइज्जत सुप्रीम कोर्ट से जीता हैं हम लोगों को परमात्मा से डर कर रहना चाहिए। इन लोगों को यह मालूम होना चाहिये कि हाई कोर्ट सुप्रीम कोर्ट से नीचे होता है। सुप्रीम कोर्ट इसलिये बनाया गया है ताकि निचली कोर्ट से ऊपर जाकर इंसाफ लिया जा सके। .....

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाये।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहती हूं कि हमारा और हरियाणा के लोगों का चौधरी भजन लाल और इनकी सरकार में कोई भरोसा नहीं है, इसलिये इसे बदला जाये। (व्यवधान व भाोर)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालः बहिन जी ने कहा पता नही ंवह क्या क्या इनसिनुएसन मेरे बारे में कहना चाहती थी लेकिन उन्होंने कही नहीं। मैं उनको ओपनली दावत देता हूं कि

मेरे बारे में जो कुछ भी वह कहना चाहें, कह सकती हैं, सिकी बात को छुपाने की जरूरत नही। ळें (व्यवधान व भाोर)

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर मतदान

Mr. Speaker: Question is-

That this House expresses its want of confidence in the Coundil of Ministers headed by Ch. Bhajan Lal.

After ascertaining the votes of the Members by voices, Mr. Speaker announced that 'Noes' have it, whereupon division was claimed. Mr. Speaker, after calling upon those Members who were for 'Aye' and those who were for 'No' respectively to rise in their pllace and on a count having been taken, declared that the motion was lost.

The motion was lost.

श्री अध्यक्ष: यह हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है।

15.00 बजे।

(तत्तप चात सदन भाुक्रवार 7.9.1984 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ)